तापमान
अधिकतम 37.0 डिग्री
न्यूनतम 26.6 डिग्री

हरिभूमि
रायपुर भूमि
रायपुर, शनिवार 20 जून 2026

इधर

472 स्वीकृत कार्यों में सिर्फ 156 पूर्ण

योजना एवं सांख्यिकी विभाग दफ्तर से मिली जानकारी के अनुसार रायपुर जिले के सातों विधानसभा क्षेत्रों में विधायक निधि से वित्तीय वर्ष 2025-26 में कुल 473 विकास कार्यों को स्वीकृति दी गई थी। इनमें से 156 कार्य पूर्ण हो चुके हैं तथा 195 कार्य अधूरे हैं, जिनका निर्माण कार्य जारी है। इसके अलावा 122 कार्य ऐसे हैं, जिनका कार्य अप्रारंभ है। इस तरह जिले में विधायक निधि के तहत स्वीकृत कार्यों में वर्तमान स्थिति तक महज 37 प्रतिशत कार्य ही पूर्ण हुए हैं। इन स्वीकृत कार्यों में क्षेत्र के विधायक के अलावा प्रभारी मंत्री द्वारा अनुशंसा किए गए कार्य भी शामिल हैं।

27.71 करोड़ की स्वीकृत राशि में 14.81 करोड़ का भुगतान

निर्माण एजेंसियों पर अफसर किस तरह से मेहरबान हैं, इसका अंदाज निर्माण एजेंसियों को अब तक किए गए भुगतान की राशि से लगाया जा सकता है। एजेंसियों ने अब तक 40 प्रतिशत कार्य भी पूर्ण नहीं किए हैं, लेकिन भुगतान कुल स्वीकृत राशि का 50 प्रतिशत से अधिक कर दिया गया है। सातों विधानसभा क्षेत्रों के स्वीकृत कार्यों के लिए कुल 27 करोड़ 71 लाख 96 हजार रुपए स्वीकृत किया गया है, जिसमें से 14 करोड़ 81 लाख 4 हजार रुपए की राशि एजेंसियों को ट्रांसफर कर दी गई है।

एजेंसियों पर अफसर मेहरबान, 46 प्रतिशत काम अधूरे, 29 फीसदी लंबित, फिर भी भुगतान 50 प्रतिशत से अधिक का

विधायक निधि के काम भी धीमी गति से चल रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

रायपुर जिले के सातों विधानसभा क्षेत्रों में विधायक निधि से स्वीकृत किए गए कार्यों के निर्माण कार्य कछुए गति से किए जा रहे हैं। अफसरों के निरीक्षण एवं मानिटरिंग के अभाव में निर्माण एजेंसियां न केवल विकास कार्यों का निर्माण काफी धीमी गति से करा रही हैं, बल्कि कई कार्य अभी तक शुरू नहीं हो पाए हैं। हैरानी की बात यह है कि जिले में स्वीकृत कार्यों में 46 प्रतिशत कार्य अभी भी अधूरे तथा 29 प्रतिशत कार्य लंबित हैं। इसके बावजूद इन निर्माण एजेंसियों को अफसरों की मेहरबानी से कुल स्वीकृत राशि का 50 प्रतिशत से अधिक का भुगतान कर दिया गया है।

विधानसभावार स्वीकृत कार्यों एवं भुगतान राशि का विवरण

क्षेत्र	स्वीकृत कार्य	पूर्ण	अपूर्ण	अप्रारंभ	स्वीकृत राशि	भुगतान राशि
रायपुर ग्रामीण	45	5	32	8	3.95 करोड़	1.96 करोड़
रायपुर पश्चिम	47	2	17	28	3.96 करोड़	1.98 करोड़
रायपुर उत्तर	59	6	10	43	3.96 करोड़	1.98 करोड़
रायपुर दक्षिण	143	91	40	12	3.96 करोड़	1.98 करोड़
अभनपुर	79	12	12	58	3.96 करोड़	1.98 करोड़
धरसींवा	49	17	17	19	3.96 करोड़	1.98 करोड़
आरंग	50	23	19	8	3.96 करोड़	2.94 करोड़

खबर संक्षेप

काम की तलाश में आई युवती से रेप, 12 वर्ष कैद

रायपुर। काम की तलाश में आई मध्यप्रदेश की युवती के साथ रेप के आरोपी को अपर सत्र न्यायाधीश गिरीश कुमार मंडावी की फास्ट ट्रैक कोर्ट ने 12 वर्ष कैद के साथ पांच सौ रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। विशेष लोक अभियोजक मोनिष बोस के अनुसार, कोर्ट ने आशीष शुक्ला को कैद तथा जुर्माने की सजा सुनाई है। युवती 23 जून 2024 को काम की तलाश में रायपुर आई आई थी। आशीष ने युवती को काम दिलाने का झांसा देकर राजेंद्र नगर में एक किराए के मकान में ले जाकर उसके साथ रेप किया।

न्यायालय परिसर में जांच चार संदिग्धों पर कार्रवाई

रायपुर। न्यायालय परिसर में सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से शुक्रवार को विशेष आकस्मिक चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व एडीसीपी तारकेश्वर पटेल एवं एसीपी सिविल लाइंस रमाकांत साहू के निर्देशन में किया गया। इस दौरान थाना प्रभारी सिविल लाइंस, देवें नगर सहित एंटी क्राइम एवं साइबर यूनिट, थाना बल तथा रक्षित केंद्र के 70 सदस्यीय विशेष टीम द्वारा न्यायालय परिसर एवं उसके आसपास के क्षेत्रों में सघन जांच एवं निगरानी की गई।

नीट परीक्षार्थियों के लिए 10 ट्रेनों में 40 डिब्बे ज्यादा, हसदेव में 500 यात्री अधिक बैठ सकेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा, नीट 21 जून को पुनः आयोजित की गई है। इस परीक्षा के लिए प्रदेशभर से स्टूडेंट्स रायपुर पहुंचने वाले हैं। रविवार को ट्रेन निर्धारित समय पर स्टेशनों तक पहुंचे और स्टूडेंट्स को बैठने को सीट मिले, इसे लेकर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने अपनी तैयारी पूरी कर ली है। रेलवे द्वारा अतिरिक्त यात्री सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। परीक्षा अवधि में संभावित अतिरिक्त यात्री भीड़ को ध्यान में रखते हुए विशेष मेमू सेवाओं के संचालन की व्यवस्था की गई है। रेलवे ने 10 अलग-अलग ट्रेनों में 40 अतिरिक्त सामान्य कोच लगाने का फैसला लिया है। यह सुविधा ट्रेन की दोनों दिशाओं से मिलेगी। इसमें सबसे अधिक कोच हसदेव एक्सप्रेस में लगाया गया है। इस ट्रेन में 7 कोच बढ़ने से अब हसदेव में 500 यात्री अधिक बैठ सकेंगे। रीवा एक्सप्रेस और बिलासपुर एक्सप्रेस में भी 2-2 कोच बढ़ाया है। इसके अलावा नीट एग्जाम के दिन ट्रेन समय पर चले, इसका भी विशेष ध्यान रखा जाएगा। परीक्षार्थियों ▶▶|शेष पेज 15 पर

> हसदेव एक्सप्रेस में लगे सबसे अधिक 7 अतिरिक्त कोच, रीवा और बिलासपुर एक्सप्रेस में भी 2-2 कोच बढ़े

> एग्जाम के दिन ट्रेनों को निर्धारित समय पर चलाने होगी विशेष मॉनिटरिंग

इन ट्रेनों में लगेंगे अतिरिक्त कोच

- 20 जून 2026 को रायपुर से 18249 रायपुर-कोरबा हसदेव एक्सप्रेस में 07 अतिरिक्त सामान्य कोच।
- 21 जून 2026 को कोरबा से 18250 कोरबा-रायपुर हसदेव एक्सप्रेस में 07 अतिरिक्त सामान्य कोच।
- 21 से 23 जून तक रायपुर से 18251 रायपुर- कोरबा हसदेव एक्सप्रेस में 07 अतिरिक्त सामान्य कोच।
- 22 से 24 जून तक कोरबा से 18252 कोरबा-रायपुर हसदेव एक्सप्रेस में 07 अतिरिक्त सामान्य कोच।
- 19 से 21 जून तक बिलासपुर से 18247 बिलासपुर-रीवा एक्सप्रेस में 02 अतिरिक्त सामान्य कोच।
- 20 से 22 जून तक रीवा से 18248 रीवा-बिलासपुर एक्सप्रेस में 02 अतिरिक्त सामान्य कोच।
- 19 से 21 जून तक टाटानगर से 18109 टाटानगर-नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी एक्सप्रेस में 02 अतिरिक्त सामान्य कोच।
- 21 से 23 जून तक नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी से 18110 नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी-टाटानगर एक्सप्रेस में 02 अतिरिक्त सामान्य कोच।
- 19 से 21 जून तक टाटानगर से 18113 टाटानगर-बिलासपुर एक्सप्रेस में 02 अतिरिक्त ▶▶|शेष पेज 15 पर

राशन दुकानों में चावल की गड़बड़ी, कहीं 450 क्विंटल तो कहीं 175 से 250 क्विंटल मिला शॉर्टेज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत संचालित उचित मूल्य की दुकानों में चावल की गड़बड़ी के मामले में खाद्य विभाग लगातार कार्रवाई कर रहा है। इसी कड़ी में विभाग ने हाल ही में जोरा दुकान समिति के अध्यक्ष एवं विक्रेता के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। इस दुकान में जांच के दौरान 389 क्विंटल चावल का शार्टेज मिला था। इसके अलावा अन्य 5 दुकानों में भी कहीं 450 क्विंटल, तो कहीं 175 से 250 क्विंटल चावल का शार्टेज मिला था। इन दुकानों के संचालक विभाग से कई बार नोटिस मिलने के बाद भी शार्टेज ▶▶|शेष पेज 15 पर

गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई

उचित मूल्य दुकान में गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। पिछले वर्ष जांच के दौरान जिन दुकानों में चावल शार्टेज मिला है, उन्हें नोटिस जारी किया जा चुका है। चावल या बदले में राशि जमा नहीं कराएंगे, तो एफआईआर कराई जाएगी।

- **भूपेंद्र मिश्रा**, खाद्य नियंत्रक रायपुर

सेरीखेड़ी दुकान में 450 क्विंटल चावल शार्टेज

सेरीखेड़ी स्थित दुकान आईडी 442001044 में जांच के दौरान विभागीय टीम को लगभग 450 क्विंटल चावल का शार्टेज मिला था। इसी प्रकार आरंग क्षेत्र के ग्राम कोसमखुटा स्थित दुकान आईडी 442003042 में लगभग ▶▶|शेष पेज 15 पर

खबर संक्षेप

राहुल गांधी के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर

रायपुर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के जन्मदिन के अवसर पर शहर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा विभिन्न सेवा एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने कुष्ठ बस्तियों में पहुंचकर जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरण किया। वहीं, मेकाहारा अस्पताल में उपचाररत कैंसर मरीजों एवं बच्चों को फल वितरित कर उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की गई।

कांग्रेस बोली- परीक्षा माफिया और पेपर लीक से युवाओं के भविष्य से हो रहा खिलवाड़

रायपुर। शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन, ग्रामीण जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे, पूर्व विधायक विकास उपाध्याय एवं कांग्रेस नेता शैलेश नितिन त्रिवेदी ने कहा, देशभर में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक मामलों, भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं के कारण युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ हो रहा है।

श्रीकुमार शंकर मेनन ने कहा, नीट, सीबीएसई, व्यापम और एनटीए जैसी संस्थाओं की लगातार विफलताओं ने देश के करोड़ों छात्रों का भविष्य संकट में डाल दिया है।

चना, मसूर और सरसों बेचने के लिए किसानों को मिली बड़ी राहत, एमएसपी खरीदी अवधि 15 दिन बढ़ी

केंद्र के फैसले से किसानों को राहत, जो तय समय सीमा में उपज नहीं बेच पाए थे, अब बेच सकेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

चना, मसूर और सरसों की खेती करने वाले किसानों को केंद्र सरकार ने बड़ी राहत दी है। सरकार ने इन फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदी की अवधि 15 दिन बढ़ाने का फैसला किया है। इससे उन किसानों को अतिरिक्त समय मिल जाएगा जो अब तक अपनी उपज समर्थन मूल्य पर नहीं बेच पाए हैं या बाजार में कम कीमत मिलने के कारण खरीदी केंद्रों का रुख करने का इंतजार कर रहे थे। यह निर्णय प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) के तहत संचालित प्राइस सपोर्ट स्कीम के अंतर्गत लिया गया है। केंद्र सरकार का कहना है कि इसका उद्देश्य किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाना और बाजार में कीमतों के दबाव से बचाना है।

शिवराज की बैठक में शामिल हुए रामविचार

यह फैसला केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में आयोजित राज्यों के कृषि मंत्रियों की एक उच्चस्तरीय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग बैठक में लिया गया। बैठक में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व कृषि मंत्री रामविचार नेताम, कृषि उत्पादन आयुक्त सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी और कृषि संचालक राहुल देव ने किया।

क्या बदलेगा किसानों के लिए

रबी विपणन वर्ष 2026-27 के लिए खरीदी अवधि बढ़ने का सीधा फायदा उन किसानों को मिलेगा जो अब तक अपनी उपज बेचने से वंचित रह गए थे। कई बार फसल की कटाई, परिवहन, मौसम या स्थानीय स्तर की व्यवस्थागत चुनौतियों के कारण किसान निर्धारित समय सीमा के भीतर खरीदी केंद्रों तक नहीं पहुंच पाते। ऐसे किसानों के लिए अतिरिक्त 15 दिन का समय महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कृषि क्षेत्र के जानकारों का कहना है कि समर्थन मूल्य पर खरीदी की अवधि बढ़ाने से किसानों को जल्दबाजी में निजी व्यापारियों को कम कीमत पर फसल बेचने की मजबूरी कम होगी। इससे उन्हें सरकार द्वारा घोषित समर्थन मूल्य का लाभ लेने का अवसर मिलेगा।

राज्य सरकार ने किसानों से लाभ उठाने को कहा

छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने किसानों से बढ़ाई गई अवधि का पूरा लाभ उठाने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि किसान अपनी निकटतम सहकारी समिति या खरीदी केंद्र में जाकर चना, मसूर और सरसों का विक्रय करें ताकि उन्हें एमएसपी का लाभ मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी किसान को खरीदी प्रक्रिया, पंजीयन या अन्य किसी प्रकार की जानकारी की आवश्यकता हो तो वह समिति प्रबंधक, कृषि विभाग के मैदानी अमले अथवा संबंधित जिले के उप संचालक कृषि कार्यालय से संपर्क कर सकता है।

क्यों महत्वपूर्ण है यह फैसला

कृषि जानकारों के अनुसार समर्थन मूल्य व्यवस्था का उद्देश्य किसानों को उनकी उपज के लिए न्यूनतम लाभकारी मूल्य की गारंटी देना है। हालांकि खरीदी अवधि सीमित होने के कारण हर साल कुछ किसान समय पर अपनी उपज नहीं बेच पाते। ऐसे में खरीदी अवधि बढ़ाने का फैसला सीधे तौर पर किसानों के हित में माना जाता है। विशेष रूप से दलहन और तिलहन उत्पादक किसानों के लिए यह निर्णय महत्वपूर्ण है, क्योंकि इन फसलों के बाजार भाव कई बार समर्थन मूल्य से नीचे चले जाते हैं। ऐसे हालात में सरकारी खरीदी किसानों के लिए सुरक्षा कवच का काम करती है।

आज पहुंचेंगे एआईसीसी के महासचिव सहित दिग्गज नेता, राहुल गांधी आएंगे कल

कांग्रेस को मजबूत करने जिलाध्यक्षों को राहुल गांधी सहित दिग्गज नेता देंगे मंत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश कांग्रेस के सभी जिलाध्यक्षों को कांग्रेस को मजबूत करने के लिए लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सहित एआईसीसी के दिग्गज नेता प्रशिक्षण देंगे। एआईसीसी के निर्देश पर अभनपुर में 20 से 29 जून तक दस दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया है। इसमें पहले दिन 20 जून को पंजीयन होगा। इसी के साथ एआईसीसी के दिग्गज नेता और छत्तीसगढ़ के प्रभारी सचिन पायलट शनिवार रात तक यहां पहुंचेंगे।

शिविर का विधिवत प्रारंभ 21 जून की सुबह से होगा। इसी दिन राहुल गांधी दोपहर को आएंगे और जिलाध्यक्षों को प्रशिक्षण देंगे। वे नवनियुक्त जिला अध्यक्षों से शिविर में सीधे संवाद भी करेंगे। जिला अध्यक्षों को मैदान पर कांग्रेस को मजबूत बनाने के लिए महत्वपूर्ण दिशा निर्देश देंगे। साथ ही संगठन, फील्ड विजिट और सामाजिक-राजनैतिक सक्रियता पर प्रशिक्षण देंगे।

प्रदेश भर के सभी जिलाध्यक्षों को शनिवार को प्रशिक्षण स्थल में पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं। सभी वहां पहुंचकर अपपा पंजीयन कराएंगे। दूसरे दिन 21 जून को सुबह से ही प्रशिक्षण का प्रारंभ हो जाएगा। इस दिन सबसे अहम राहुल गांधी का आना है। राहुल गांधी दोपहर दो बजे रायपुर पहुंचेंगे। दोपहर को तीन बजे से शाम 5:30 बजे तक जिला अध्यक्षों को संगठन, फील्ड विजिट और सामाजिक-राजनैतिक एक्टिविटी पर प्रशिक्षण देंगे। इसके बाद वे 6:40 बजे दिल्ली रवाना हो जाएंगे।

- राहुल के अलावा अलका लांबा और इमरान प्रतापगढ़ी भी होंगे शामिल
- पायलट, भूपेश, बैज और डॉ. महंत भी लगाएंगे क्लास

आवासीय रहेगा प्रशिक्षण

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने बताया, अभनपुर के अग्रवाल रिसोर्ट में 20 से 29 जून तक जिलाध्यक्षों के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित है। यह शिविर पूरी तरह आवासीय होगा। एआईसीसी का प्रशिक्षण विभाग इसकी जिम्मेदारी संभालेगा। जिला अध्यक्षों को फील्ड विजिट, सकारात्मक सामाजिक गतिविधियों और जमीनी राजनीति का प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि वे बूथ स्तर तक कांग्रेस को मजबूत कर सकें।

मिशन 2028 पर फोकस

विधानसभा चुनाव में भले अभी ढाई साल का समय है, लेकिन कांग्रेस ने भी अभी से इस पर फोकस करना प्रारंभ कर दिया है। 2023 के विधानसभा चुनाव में हार को कांग्रेस बूथ स्तर की कमजोरी मानती है। इसी को दूर करने के लिए जिला अध्यक्षों को फील्ड विजिट व सोशल एक्टिविटी का फॉर्मूला सिखाया जाएगा। राहुल गांधी के एक दिन के प्रशिक्षण को मिशन 2028 की बड़ी तैयारी के तौर पर देखा जा रहा है।

प्रदेश प्रभारी पायलट, प्रभारी सचिव भी रहेंगे मौजूद

शिविर में राहुल गांधी के साथ प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट और तीनों प्रभारी सचिव भी मौजूद रहेंगे। प्रशिक्षण शिविर में छत्तीसगढ़ कांग्रेस के तमाम दिग्गज नेता भी एक साथ एकजुट होकर मंच पर नजर आएंगे। एआईसीसी के सभी राष्ट्रीय महासचिव भी शिविर में शामिल होंगे।

दस दिन जिला कांग्रेस को सक्षम बनाने के लिए लगेगी क्लास टिप्स भी मिलेंगे और योजना भी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की मौजूदगी में रायपुर के अभनपुर में आयोजित संगठन सृजन कार्यक्रम में प्रदेश की शहर जिला कांग्रेस इकाइयों को सक्षम बनाने के लिए क्लास लगेगी। दस दिन चलने वाली सियासत की इस पाठशाला में एआईसीसी और राज्य कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पदाधिकारियों को मौजूदा राजनीति के गुर सिखाते हुए जरूरी टिप्स भी देंगे। इस कार्यक्रम में महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा, माइनॉरिटी सेल के राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी के साथ एआईसीसी के कई वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ, छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रभारी सचिन पायलट पूर्व मुख्यमंत्री एवं राष्ट्रीय महासचिव भूपेश बघेल, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डा. चरणदास महंत सहित कई अन्य वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। कांग्रेस के इस आयोजन को लेकर फिलहाल सबसे अहम सवाल ये है कि आखिर 10 दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम में आखिर कौन सा प्रशिक्षण दिया जाना है। राहुल गांधी 21 जून को छत्तीसगढ़ के एक दिवसीय दौरे पर रायपुर आ रहे हैं। वह पार्टी के 'संगठन सृजन अभियान' के तहत जिला और शहर अध्यक्षों के आवासीय प्रशिक्षण शिविर में शामिल होंगे और लगभग 3 से 4 घंटे तक कार्यकर्ताओं के बीच रहकर उन्हें मार्गदर्शन देंगे। बताया गया है कि इस दौरान वे शहर-जिला कांग्रेस अध्यक्षों के सवालों का जवाब देंगे। यह कार्यक्रम एक सीधे संवाद के रूप में होगा।

दस दिनों तक सिखाएंगे सियासत के गुर

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 20 जून से लेकर 29 तक दस सत्र आयोजित होंगे। इस दौरान संगठन और बूथ प्रबंधन के तहत जमीनी स्तर पर (ब्लॉक और बूथ स्तर तक) संगठन को मजबूत करने की विशेष रणनीति पर बात होगी। शहर-जिला अध्यक्षों, और नेताओं को जनता के बीच अधिक समय बिताने और पार्टी की नीतियों को हर घर तक पहुंचाने के निर्देश के साथ फील्ड में उतरकर काम करने के तरीके सुझाए जाएंगे।

अब 'कॉमन परीक्षा' से भरे जाएंगे पद

छत्तीसगढ़ में तृतीय-चतुर्थ श्रेणी भर्ती के नियमों में बड़ा बदलाव

- सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी किया आदेश

- सभी पदों के लिए न्यूनतम योग्यता तय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने सरकारी नौकरियों की भर्ती प्रक्रिया में बड़ा सुधार करते हुए तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के पदों के लिए नई चयन नियमावली लागू कर दी है।

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा 19 जून 2026 को जारी आदेश के अनुसार, अब राज्य के विभिन्न विभागों में इन श्रेणियों के पदों पर भर्ती के लिए केंद्रीकृत व्यवस्था अपनाई जाएगी। शासन ने भर्ती प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए सभी तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के पदों को सात समूहों (समूह-1 से समूह-7) में वर्गीकृत किया है। अब प्रशासनिक विभागों से मांग-पत्र मिलने के बाद, छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मण्डल कॉमन परीक्षा आयोजित करेगा। जिन पदों के लिए विशेष योग्यता जरूरी है, उनके लिए संकाय विशिष्ट परीक्षा ली जाएगी।

ये है विभिन्न समूहों का ब्योरा

समूह-1 (अभियांत्रिकी सेवा)उप अभियंता (सिविल, विद्युत, यांत्रिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स, माइनिंग, आईटी) के लिए संबंधित इंजीनियरिंग विषय में तीन वर्षीय डिप्लोमा या डिग्री अनिवार्य है।

समूह-2 (स्नातकोत्तर एवं स्नातक) सहायक प्रबंधक, श्रम निरीक्षक, खाद्य व सहकारिता निरीक्षक, पर्यवेक्षक (महिला एवं बाल विकास) आदि पदों के लिए स्नातक उपाधि आवश्यक है।

समूह-3 (शैक्षिक सेवा) इसमें सहायक शिक्षक, शिक्षक और व्याख्याता के पद शामिल हैं। इनके लिए विभागीय भर्ती नियमों के अनुसार स्नातक या स्नातकोत्तर (विषय विशिष्ट) और अन्य अनिवार्य अर्हताएं निर्धारित की गई हैं।

समूह-4 (वर्दीधारी सेवा)उप निरीक्षक, सूबेदार और आरक्षक (परिवहन, आबकारी, जेल प्रहरी, वनरक्षक आदि) पदों के लिए शारीरिक अर्हता के साथ स्नातक या 12वीं उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

समूह-5 (विज्ञान एवं स्वास्थ्य सेवाएं) स्टॉफ नर्स, फार्मासिस्ट, लैब टेक्निशियन, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक आदि पदों के लिए संबंधित नर्सिंग या फार्मेसी कौंसिल में पंजीयन और विषय विशिष्ट शैक्षणिक योग्यता अनिवार्य है।

समूह-6 (हायर सेकेण्डरी स्तर) सहायक मानचित्रकार, पटवारी, छात्रावास अधीक्षक, हैण्डपंप तकनीशियन, इलेक्ट्रिशियन आदि के लिए 12वीं और तकनीकी प्रमाण-पत्र या डिप्लोमा का होना आवश्यक है।

समूह-7 (वाहन चालक एवं चतुर्थ श्रेणी) भृत्य, चौकीदार, माली, हमाल और अन्य समकक्ष पदों के लिए 10वीं उत्तीर्ण होना न्यूनतम योग्यता है। वाहन चालकों के लिए वैध ड्राइविंग लाइसेंस अनिवार्य है।

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि इस कार्यालय के क्रमांक 489 दिनांक 09.02.2018 के द्वारा अटल विहार योजना गोबरा नवापारा में ई.डब्ल्यू.एस. भवन क्रमांक-1231 को छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राजधानी परियोजना नवा रायपुर को श्रीमती राधा बाई जगताप पति श्री भूपत राव जगताप के नाम स्ववित्तिय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटित द्वारा उक्त भवन के मद में पूर्ण राशि भुगतान कर पंजीयन कार्यालय से दिनांक 30.07.2021 को रजिस्ट्री की कार्यवाही पूर्ण कर लिया गया है तथा इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 2219 दिनांक 04.08.2021 को आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया गया है।

वर्तमान में श्रीमती राधा बाई जगताप पति श्री भूपत राव जगताप निवासीः-ग्राम पोखरा राजिम जिला गरियाबंद (छ.ग.) के द्वारा उक्त भवन को क्रेता श्रीमती गायत्री बाई पति शंकर लाल निवासीः- वार्ड नं 17 पोखरा तहसील राजिम जिला- गरियाबंद (छ.ग.) को विक्रय करने के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी.) प्रदाय करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः अटल विहार योजना गोबरा नवापारा में ई.डब्ल्यू.एस.भवन क्रमांक 1231 के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
प्रक्षेत्र-नवा रायपुर अटल नगर

न्यायालय तहसीलदार धरसींवा जिला रायपुर (छ.ग.)

// उदघोषणा //

क्रमांक / 09 / अ-27/2014-2015

धरसींवा, दिनांक 17/06/2026
ग्राम उरला प.ह.नं. 29,

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण श्री अश्वनी शुक्ला, जीवन शुक्ला पिता गैंदू प्रसाद शुक्ला वगैरह साकिन ग्राम उरला तहसील धरसीवा जिला रायपुर (छ.ग.) द्वारा छ.ग.भू. राजस्व संहिता 1959 की धारा 178, के तहत खाता विभाजन हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि मौजा उरला प.ह.न. 29 रा.नि.म. रायपुर-17 बिरगांव, तहसील धरसींवा जिला रायपुर छ.ग. मे स्थित भूमि खसरा नंबर 53/2, 120/1, 189/2, 263/1, 263/4, 609/1 रकबा क्रमशः 0.368, 0.292, 1.109, 0.102, 0.555, 0.081 हे. कुल खसरा 06 कुल रकबा 2.507 हे. भूमि आवेदकगण रामाधार, अश्वनी, जीवन, रमेश, नारायण पिता गैंदु, नाबा. अजय, नाबा. आशीष पिता महेश वली वो खुद श्रीमती अनीता पति महेश के संयुक्त नाम पर राजस्व अभिलेख मे दर्ज है। उक्त भूमि को खाता विभाजन किये जाने का निवेदन किया है।

उपरोक्त संदर्भित विषयांतर्गत आवेदकगण द्वारा उरला प.ह.न. 29 रा.नि.म. रायपुर-17 बिरगांव, तहसील धरसींवा जिला रायपुर छ.ग. मे स्थित भूमि खसरा नंबर 53 /2, 120/1, 189/2, 263/1, 263/4, 609/1 रकबा क्रमशः 0.368, 0.292, 1.109, 0.102, 0.555, 0.081 हे. का खाता विभाजन प्रतिवेदन चाहा गया है, तत्संबंध में हल्का पटवारी, ग्राम उरला द्वारा स्थल पर उपस्थित होकर पक्षकारों के बताए अनुसार खाता विभाजन किया गया। उपरोक्तानुसार फर्द बटवारा निम्नानुसार है :-

ग्राम- उरला प.ह.नं.-29, तहसील धरसीवा जिला रायपुर (छ.ग.) फर्द बटवारा सूची

वर्तमान भूमि स्वामी- रामाधार, अश्वनी, जीवन, रमेश, नारायण, पिता गैंदु, नाबा. अजय, नाबा. आशीष पिता महेश वली वो खुद श्रीमती अनीता पति महेश साकिन गुढ़ियारी **ख.नं.**- 53/2, 120/1, 189/2, 263/1, 263/4, 609/1 **रकबा**- 0.368, 0.292, 1.109, 0.102, 0.555, 0.081, **कुल 06, कुल रकबा- 2.507**

प्रस्तावित भूमिस्वामी- रामाधार पिता गैंदु **ख.नं.**- 120/1 का भाग **रकबा**- 0.232, **कुल 01, कुल रकबा- 0.232**

प्रस्तावित भूमिस्वामी- अश्वनी पिता गैंदु साकिन गुढियारी, **ख.नं.**- 53/2 का भाग, 189/2 का भाग, 263/4 का भाग, **रकबा**- 0.092, 0.275, 0.102, **कुल 03, कुल रकबा- 0.469**

प्रस्तावित भूमिस्वामी- जीवन पिता गैंदु साकिन गुढियारी, **ख.नं.**- 53/2 का भाग, 189/2 का भाग, 263/1, **रकबा**- 0.092, 0.283, 0.102, **कुल 03, कुल रकबा- 0.477**

प्रस्तावित भूमिस्वामी- रमेश पिता गैंदु साकिन गुढियारी, **ख.नं.**- 53/2 का भाग, 120/1 का भाग, 189/2 का भाग, 263/4 का भाग **रकबा**- 0.092, 0.060, 0.276, 0.029 **कुल 04, कुल रकबा- 0.457**

प्रस्तावित भूमिस्वामी- नारायण पिता गैंदु साकिन गुढियारी, **ख.नं.**- 609/1 **रकबा**- 0.081 **कुल 01, कुल रकबा- 0.081**

प्रस्तावित भूमिस्वामी- नाबा. अजय, नाबा. आशीष पिता महेश वली वो खुद श्रीमती अनीता पति महेश साकिन गुढियारी, **ख.नं.**- 53/2 का भाग, 189/2 का भाग, 263/4 का भाग **रकबा**- 0.092, 0.275, 0.102, **कुल 03, कुल रकबा- 0.469**

प्रस्तावित भूमिस्वामी- अश्वनी, जीवन, रमेश, पिता गैंदु, नाबा.अजय, नाबा. आशीष पिता महेश वली वो खुद श्रीमती अनीता पति महेश साकिन गुढियारी, **ख.नं.**- 263/4 का भाग **रकबा**- 0.322 **कुल 01, कुल रकबा- 0.322**

अतः आवेदकगण द्वारा प्रस्तुत आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई दिनांक 01/07/2026 को स्वतः अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 17/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर
तहसीलदार
धरसींवा

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मै मोहनलाल सूरज रतन डागा निवासी- 320/321 कुसुम विला, एयरटेल बिल्डिंग के सामने तेलीबांधा, रिंग रोड-1 रायपुर - 492000 (छ.ग.) यह शपथ करता हूँ कि मैने अपना पुराना नाम को त्याग कर अपना नया मोहनलाल डागा पिता सूरज रतन डागा रख लिया हूँ। अतः आज से मुझे समस्त, शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजो में मेरे नये नाम मोहनलाल डागा पिता सूरज रतनजी डागा से ही जाना पहचाना जावे।

मोहनलाल डागा
320/321 कुसुम विला, एयरटेल बिल्डिंग के सामने तेलीबांधा, रिंग रोड-1 रायपुर - 492000 (छ.ग.)

:: आम सूचना ::

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने विक्रेता प्रवीण कुमार झा, पिता श्री राधाकांत झा निवासी- मकान नं. एमआईजी-ए-15, पवन विहार, अमलीडीह, रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) वाले की स्वामित्व एवं आधिपत्य की परिवर्तित भूमि जिसका खसरा नं. 325/549, रकबा 792 वर्गफुट भूमि जो वाके मौजा-ग्राम मठपुरैना, प.ह.नं. 61, रा.नि.मं. रायपुर-14-बोरियाखुर्द, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) को क्रय करने का सौदा कर अग्रिम राशि अदा कर दिया गया है अब केवल विक्रय विलेख (रजिस्ट्री) पंजीयन की कार्यवाही शेष है।

अतः उपरोक्त सौदे एवं संव्यवहार के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था बैंक, निगम शासकीय एवं अर्द्धशासकीय निकाय, बोर्ड प्राधिकरण, निगम आदि को किसी भी प्रकार की उजर, दावा, आपत्ति हो अथवा उक्त संपत्ति या उसके किसी भी भाग पर किसी प्रकार का स्वत्व, हक, अधिकार या भार हो तो वे इस आम सूचना प्रकाशन के दिनांक से 07 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति लिखित सुसंगत दस्तावेजों के साथ मेरे समक्ष प्रस्तुत करे एवं आम सूचना का खंडन किसी भी दैनिक समाचार पत्र में स्वीकार नही किया जायेगा। सो सूचना जाने।

स्थान - रायपुर दिनांक - 18/06/26

भवदीय
एम.के. कर्मकार, अधिवक्ता
पता- सेक्टर 04, कमल विहार लार्ड सिटी के पास, रायपुर छ.ग
मो.नं. 70004 22624

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मै पुनीत गुप्ता निवासी म.नं. बी-10, आरडीए आफिस के पास, न्यू राजेन्द्र नगर, रायपुर निवासी हूं। यह कि मैनें अपने पुत्र अथर्व का पुराना नाम अथर्व से बदलकर नया नाम अथर्व गुप्ता रख दिया है।

अतः आज से मेरे पुत्र अथर्व को समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य समस्त दस्तावेजों में अथर्व गुप्ता के नाम से जाना एवं पहचाना जावें।

- शपथकर्ता -
पुनीत गुप्ता
निवासी म.नं. बी-10, आरडीए आफिस के पास, न्यू राजेन्द्र नगर, रायपुर

जलाशय जीर्णोद्धार और नहर लाइनिंग के लिए 4.96 करोड़ स्वीकृत

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और जल संसाधनों के सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक बड़ा फैसला लिया है। शासन के जल संसाधन विभाग द्वारा कांकेर जिले के विकासखंड दुर्गकोंदल के अंतर्गत दियागांव जलाशय के जीर्णोद्धार एवं नहर लाइनिंग कार्य के लिए 4 करोड़ 96 लाख 58 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इस योजना के पूर्ण होते ही क्षेत्र के कुल 178 हेक्टेयर कृषि क्षेत्र को सुनिश्चित सिंचाई सुविधा मिलने लगेगी, जिससे स्थानीय किसानों की फसलों की पैदावार में बढ़ोतरी होगी।

भाजपा बोली- 99 चुनाव हारने का कीर्तिमान रचने वाले राहुल कांग्रेसियों को जीत का क्या मंत्र देंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने कांग्रेस जिला अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर और उसमें शामिल होने के लिए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के छत्तीसगढ़ दौरे को लेकर कहा, जिस नेता के नाम पर राजनीति में 99 चुनाव हारने का अनोखा कीर्तिमान दर्ज हो, वह छत्तीसगढ़ आकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को जीत का क्या मंत्र देंगे। यह शिविर प्रशिक्षण के लिए नहीं, बल्कि असफलता के जश्न और समीक्षा के लिए आयोजित किया जा रहा है। श्री ठाकुर ने कहा, कांग्रेस को इस प्रशिक्षण शिविर के एजेंडे में तुरंत एक नया विषय जोड़ना चाहिए लगातार चुनाव कैसे हारा जाता है और, इस विषय पर क्लास लेने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को मुख्य वक्ता बनाया जाना चाहिए। श्री बघेल अपने इस अनूठे अनुभव और हुनर से कांग्रेस कार्यकर्ताओं को भली-भांति अवगत करा सकते हैं कि जमीन पर पूरी मेहनत करके भी, बनी-बनाई जीत को करारी हार में कैसे बदला जाता है।

योग दिवस कल, राज्यपाल रायपुर और सीएम साय सरगुजा के कार्यक्रम में रहेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

विश्व योग दिवस 21 जून को इस बार स्वस्थ आयु के लिए योग थीम पर सामूहिक योगाभ्यास का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। राज्यपाल रमेन डेका राजधानी रायपुर और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरगुजा के कार्यक्रम में शामिल होंगे। यहां के कार्यक्रम में प्रदेश के मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल भी शामिल होंगे। जिला मुख्यालयों में आयोजित सामूहिक योगाभ्यास के कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री, प्रदेश के मंत्री, सांसद एवं विधायक मुख्य अतिथि होंगे। केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू बिलासपुर में, उप मुख्यमंत्री अरुण साव दुर्ग में, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा कबीरधाम, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह राजनांदगांव में आयोजित होने वाले योग दिवस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगें। इसी प्रकार कोरिया में मंत्री रामविचार नेताम, महासमुंद में दयालदास बघेल, सुकमा केदार कश्यप, कांकेर में लखन लाल देवांगन, जांजगीर-चांपा में ओपी चौधरी, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में टंकराम वर्मा, बलरामपुर-रामानुजगंज में लक्ष्मी राजवाड़े, जशपुर में राजेश अग्रवाल, कोरबा में मंत्री गुरु खुशवंत

साहेब और बालोद में गजेन्द्र यादव मुख्य कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे। विभिन्न जिलों के आयोजन में सांसदों और विधायक शामिल होंगे। बलौदाबाजार - भाटापारा में बृजमोहन अग्रवाल, बेमेतरा में विजय बघेल, मोहला-मानपुर-चौकी में संतोष पांडेय, सूरजपुर में चिंतामणी महाराज, गरियाबंद में रूपकुमारी चौधरी, रायगढ़ में राधेश्याम राठिया, जांजगीर में कमलेश जांगड़े, नारायणपुर में महेश कश्यप और कोण्डागांव में सांसद भोजराज नाग शामिल होंगे। बीजापुर में विधायक लता उसेंडी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में ललित चंद्राकर, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में प्रणव कुमार मरपच्ची, मुंगेली में पुन्नूलाल मोहले, धमतरी में अजय चंद्राकर, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में रेणुका सिंह, बस्तर में किरण सिंह देव और दंतेवाड़ा में विधायक चैतराम अटामी मुख्य अतिथि होंगे।

आम-सूचना

वाके मौजा धरमपुरा, प.ह.न.-00078, रा.नि.म.-रायपुर-1, तहसील व जिला रायपुर, छ.ग. में स्थित कृषि भूमि खसरा नंबर 16/30 रकबा 0.0940 हेक्ट. भूमि को क्रय करने हेतु आम सूचना प्रकाशित किये जाने के संबंध में।

एतृत द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने विक्रेता श्री धनराज सुराना पिता श्री आनंद सुराना पता-मकान नंबर 36/395 नानेश कृपा सिविल लाईन हाली हाट्स विद्यालय के पास, तहसील व जिला रायपुर, छ.ग. के स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि जो कि धरमपुरा, प.ह.न.-00078, रा.नि.म.-रायपुर-1, तहसील व जिला रायपुर, छ.ग. में स्थित कृषि भूमि खसरा नंबर 16/30 रकबा 0.0940 हेक्ट. भूमि को मेरे पक्षकार द्वारा क्रय करना चाहते है जिसका पक्का सौदा मेरे पक्षकार के साथ हो चुका है तथा रजिस्ट्री कार्य शेष है।

उक्त विक्रय किये जाने संबंधित किसी व्यक्ति/संस्था/फर्म/सोसायटी/शासकीय/अर्द्धशासकीय अथवा किसी पारिवारिक सदस्य को किसी भी प्रकार की हक, दावा आपत्ति हो तो मेरे अद्योलिखित पते पर 15 दिवसों के भीतर मेरे नीचे लिखे पते पर मय दस्तावेज अपना हक दावा आपत्ति आदि प्रस्तुत करें। उक्त अवधि के समाप्ति के पश्चात किसी भी प्रकार की दावा आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगा तथा विधि अनुसार शुन्यकरणी मानी जायेगी तथा हमारे पक्षकार के पक्ष में बैनामा पंजीयन का निष्पादन करा लिया जायेगा।

अतः सूचना जाने।

दिनांकः-19.06.2026
स्थान-रायपुर,छ.ग.

भवदीय
उत्तम कुमार सतपथी
अधिवक्ता
मो.-9993241006

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मण्डल केंद्री तहसील अभनपुर जिला रायपुर

-:: सूचना पत्र ::-

जारी दिनांकः 17/06/2026

प्रति,

1. खेलन साहू पिता भाऊराम साहू, निवासीः ग्राम निमोरा, तहसीलः अभनपुर ...आवेदक
2. पुरुषोत्तम साहू पिता सदाराम साहू, 3. सुनीता मुरलीधर पति मुरलीधर मधुकर, 4. बाबूलाल शर्मा पिता रामगोपाल शर्मा, 5. संतोष पाण्डेय पति राजेन्द्र पाण्डेय

विषयः आवेदक खेलन साहू पिता भाऊराम साहू, निवासी निमोरा द्वारा धारित भूमि-स्वामी हक की भूमि ग्राम निमोरा, प.ह.नं. 14, रा.नि.मं. केंद्री तहसील अभनपुर स्थित भूमि खसरा नं. 1087/1, 1087/2, 1087/3 रकबा 0.405, 0.243, 0.218 भूमि के सीमांकन में उपस्थित होने के संबंध में सूचना बाबत।

आपको सूचित किया जाता है कि उपरोक्त विषयांतर्गत भूमि के सीमांकन जो कि विषयांकित आवेदक द्वारा प्रस्तुत किये जाने के उपरांत ना. तहसीलदार अभनपुर/खोरपा के ज्ञापन दिनांक 09/06/2026 के परिपालन में दिनांक 24/6/26 को समय 11 बजे पश्चात आवेदक की भूमि का सीमांकन का कार्य किया जाना नियत किया गया हैं।

चूंकि आप सभी उल्लेखित खसरा नंबर के बटांकन धारी/समीपस्थ भूमिस्वामी है इसलिए आपकी उपस्थिति सीमांकन हेतु नियत तिथि एवं समय में स्थल पर होना अनिवार्य है एवं सीमांकन के संबंध में किसी भी प्रकार की दावा/आपत्ति हो तो उल्लेखित तिथि को नियत समय तक प्रस्तुत कर सकते हैं। आपकी सूचना उपरान्त अनुपस्थिति में भी सीमांकन कार्य किया जा सकता है तत्पश्चात किसी भी प्रकार की दावा/आपत्ति मान्य नहीं होगी। आवेदक एवं बटांकन धारी/समीपस्थ भूमिस्वामी अपनी भूमि संबंधी दस्तावेज साथ लेकर स्थल पर उपस्थित होंगे।

राजस्व निरीक्षक , केन्द्री

आम सूचना

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार एम.ए. फुड प्रोडक्ट्स द्वारा पार्टनर श्री जयेश सचदेव आत्मज श्री अजय सचदेव निवासी रूपरेला गली रमण मंदिर वार्ड रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. पिन नं. 492001 के द्वारा ग्राम चंदेरी प.ह.नं. 12 राजस्व निरिक्षक मंण्डल सिमगा तहसील सिमगा जिला बलौदाबाजार-भाटापारा छ.ग. की निम्न भू-स्वामीयो से उनकी हक स्वामित्व व अधिपत्य की भूमि क्रय कर पंजीकृत विक्रय विलेख का निष्पादन किया जाने वाला है

1. भू-स्वामी ईश्वर साहू पिता ईतवारी साहू निवासी चंदेरी तहसील सिमगा जिला बलौदाबाजार-भाटापारा छ.ग. पिन नं. 493101 खसरा नं. 522 रकबा 0.060 हे.
2. भू-स्वामी कुंजबिहारी गुप्ता पिता श्री शंकर लाल गुप्ता निवासी चंदेरी तहसील सिमगा जिला बलौदाबाजार-भाटापारा छ.ग. पिन नं. 493101 खसरा नं. 456/2 रकबा 0.530 हे.

अतः किसी भी व्यक्ति, निगम, वित्तीय, अर्धशासकीय, शासकीय संस्था को उपरोक्त भूमि के स्वत्व एवं अधिपत्य के संबंध में कोई भी दावा या आपत्ति हो तो मेरे कार्यालय में मय दस्तावेज सहित या मोबाईल नं. 9301307152, 8770903083 पर सुचना देकर आपत्ति पन्द्रह दिवस के भीतर प्रस्तुत करे पन्द्रह दिवस के पश्चात की गई कोई भी दावा आपत्ति मेरे पक्षकार के उपर बंधनकारी नही होगा तथा अवैध व शुन्य माना जावेगा। सो सूचना जाने

सो सूचना जाने

दिनांकः 15.06.2026
स्थानः सिमगा

सूरज कुमार गुप्ता, अधिवक्ता
सिविल कोर्ट सिमगा
मोबा. 9301307152

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

26.17 लाख के नाली निर्माण का जैन ने किया भूमिपूजन

आरंग। नगर के विकास और बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने के संकल्प के साथ आरंग नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. संदीप जैन ने एक और महत्वपूर्ण विकास कार्य का भूमिपूजन किया। गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल के पास से लेकर एसएलआरएम सेंटर तक बनने वाली इस आरसीसी नाली निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। जिसकी कुल लागत 26.17 लाख रुपए है । इस निर्माण कार्य के पूरा होने से क्षेत्र में जल निकासी की व्यवस्था सुदृढ़ होगी और स्थानीय लोगों को लंबे समय से हो रही जलभराव की समस्या से बड़ी राहत मिलेगी।भूमिपूजन के अवसर पर डॉ. संदीप जैन ने कहा कि आरंग के हर वार्ड का समग्र विकास और जन-सुविधाओं का विस्तार करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल से एसएलआरएम सेंटर तक का यह मार्ग ड्रेनेज की उचित व्यवस्था न होने के कारण बारिश के दिनों में जलमग्न हो जाता था, जिससे स्कूली बच्चों और राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। जनता की इसी परेशानी को ध्यान में रखते हुए इस उच्च गुणवत्ता वाली आरसीसी नाली की स्वीकृति दी गई है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को तय समय सीमा के भीतर और पूरी गुणवत्ता व पारदर्शिता के साथ कार्य पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए हैं।इस अवसर पर नगर पालिका उपाध्यक्ष हीरामन कोसले और स्थानीय वार्ड पार्षद खिलावन निषाद के अलावा वरिष्ठ भाजपा नेता के के भारद्वाज, सोसाइटी अध्यक्ष गणेश साहू, चैतराम पाल, खूबचंद साहू, वेदप्रकाश देवांगन, नरेन्द्र लल्ला साहनी, जगन्नाथ पाल, बसंती साहू, नागेंद्र विश्वकर्मा, टिकेश्वर गीलहरे, प्रशांत नेभवानी राकेश शर्मा, और नगर पालिका विभाग से इंजीनियर हरीश मांझी और घनश्याम साहू सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी और गणमान्य नागरिक मौजूद थे। सभी उपस्थित जनों ने इस महत्वपूर्ण सौगात के लिए नगर पालिका प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए हर्ष जताया।

फर्जी पट्टा और पेजजल संकट पर कांग्रेस ने हल्ला बोला, की जांच की मांग

कूंरा। नगर पंचायत कुंरा में फर्जी आवासीय पट्टा बनाए जाने के गंभीर मामले, भीषण पेयजल संकट तथा निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की लगातार उपेक्षा को लेकर कांग्रेस पार्टी ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी धरसींवा ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि यह मामला पट्टा वितरण में अनियमितता का नहीं, बल्कि फर्जी पट्टा तैयार किए जाने का है, जो अत्यंत गंभीर और जांच का विषय है। यदि फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पट्टे बनाए गए हैं तो यह सीधे तौर पर शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा करता है। इसके बावजूद अब तक किसी प्रकार की ठोस कार्रवाई या एफआईआर दर्ज नहीं होना कई संदेहों को जन्म देता है। कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग भावेश बघेल, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशीष वर्मा ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के खिलाफ तत्काल कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। समस्त पार्षदगणों ने संयुक्त रूप से कहा कि निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की लगातार अनदेखी की जा रही है और जनता से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर उनकी बात नहीं सुनी जा रही है। पार्षदों ने आरोप लगाया कि नगर पंचायत में पारदर्शिता का अभाव है तथा फर्जी पट्टा प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर सच्चाई जनता के सामने लाई जानी चाहिए। प्रदर्शन में रहे शामिल : घेराव मे पिछड़ा वर्ग कार्यकारिणी अध्यक्ष भावेश बघेल पूर्व जिला ग्रामीण अध्यक्ष उधोराम वर्मा ब्लॉक अध्यक्ष आशीष वर्मा पूर्व बालक अध्यक्ष दुर्गेश वर्मा नगर पंचायत कुंरा अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी सुरेश साहू नगर पंचायत उपाध्यक्ष राजा भैया पूर्व अध्यक्ष नगर पंचायत कुरा ढालेंद्र वर्मा हरिशंकर निषाद मंडल अध्यक्ष साहिल प्रमोद शर्मा पंकज नायक शेखर यादव,लेखू वर्मा,मंजू वर्मा,लक्ष्मी साहू,खूबी डहरिया,पूर्व पार्षद प्रेमलाल पाल , तुका साहू,श्रेयांश परगनिहा,सीतल वर्मा,बंटी वर्मा,आयुष वर्मा,चंदन चंद्रवंशी,नारद साहू,मधु वर्मा,निर्मल मार्कण्डे,योगेश्वर वर्मा,आकाश गहरवार,सुशील खुटे,भगवानी डहरिया,पिंकू वर्मा,मुकेश शर्मा,सोहराब ख़ान,इजराइल ख़ान,रंजीत सायतोड़े राजू सायतोड़े कमल साहू मोहन साहू पार्षद ढालचंद पाल उमेश भतरिया बसंत रजक उमेश देवांगन जगतु देवांगन टिकेश्वरी हरीश, रेखराज देवांगन, रिजवान खान , मीना चौहान प्रमिला देवांगन जीतू कोसले चंदन देवांगन,रतन सोलंकी कान्हा वर्मा, एवं भारी संखिया में कांग्रेसी एवं नगरवासी उपस्थित रहे।

नाचा-गम्मत विलुप्ति की कगार पर और कलाकार भुखमरी के शिकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

छत्तीसगढ़ की पारंपरिक लोक कला नाचा आज आधुनिकता की चकाचौंध में अपनी पहचान खोती जा रही है। इस दम तोड़ती विधा को बचाने और इसके संरक्षण-संवर्धन को लेकर शुक्रवार को ग्राम निषदा में नाचा कलाकारों की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। स्वयंसेवी संस्था पीपला वेलफेयर फाउंडेशन के संयोजन में आयोजित इस बैठक में कलाकारों का दर्द और इस विधा के विलुप्त होने की चिंता साफ दिखाई दी। बैठक में वरिष्ठ नाचा कलाकार पुरानिक साहू, परमानंद साहू, डेरहा पटेल और फाउंडेशन के संयोजक महेंद्र पटेल ने अपने-अपने अनुभव साझा किए। कलाकारों ने उस दौर को याद किया जब नाचा ही ग्रामीण अंचलों में मनोरंजन का मुख्य साधन हुआ करता था। वरिष्ठ कलाकारों ने कहा कि एक समय था जब तीज-त्यौहारों और विशेष अवसरों पर गांव-गांव में नाचा का आयोजन होता था।

लोग बड़े चाव से सपरिवार रात-रात भर जागकर नाचा देखा करते थे। नाचा में होने वाले गम्मत (प्रहसन) के माध्यम से समाज को कुरीतियों से दूर रहने और शिक्षाप्रद संदेश दिए जाते थे। लेकिन आज मनोरंजन के आधुनिक साधनों के कारण यह पारंपरिक विधा विलुप्ति के कगार पर पहुंच गई है। संस्था ने बीते वर्षों में विधानसभा स्तरीय कलाकार सम्मेलन, चरौदा में विकासखंड स्तरीय नाचा महोत्सव और इस वर्ष ग्राम रीवा में ऐतिहासिक चंदैनी महोत्सव का आयोजन किया है।

आधुनिक दौर में भी नाचा-गम्मत को जीवंत बनाने का हो प्रयास

कलाकार आर्थिक तंगी में

बैठक में अपनी कला को समर्पित कर चुके 71 वर्षीय बुजुर्ग कलाकार डेरहा पटेल का दर्द भी छलक पड़ा। उन्होंने भावुक होते हुए कहा, हमारा पूरा जीवन नाचा कला की सेवा में बीत गया। लेकिन आज हमें और हमारे परिवार को घोर आर्थिक तंगी से गुजरना पड़ रहा है। आज भी हम बुजुर्ग कलाकार सरकार से पेंशन की आस लगाए बैठे हैं।/" कलाकारों ने मांग की कि सरकार को लोक कलाकारों की सुध लेनी चाहिए ताकि वे सम्मानजनक जीवन जी सकें। पीपला वेलफेयर फाउंडेशन के संयोजक महेंद्र पटेल ने कलाकारों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि हमारी गौरवशाली संस्कृति को सहेजने की जिम्मेदारी हमारी ही है। उन्होंने आने वाले वर्षों में नाचा कलाकारों के साथ मिलकर एक बड़े नाचा महोत्सव के आयोजन पर जोर दिया। गौरतलब है कि पीपला फाउंडेशन इस दिशा में लगातार सराहनीय कार्य कर रहा है।

पहल : करौंदे की प्राकृतिक बाड़ के लिए 20 हजार गड्ढे तैयार किए जा रहे

फसलों की सुरक्षा के लिए सारागांव में जनसहयोग से बायो फेंसिंग की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवा

ग्रामीण इलाकों में खरीफ सीजन के आते ही किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें गहरी होने लगती हैं। इसका सबसे बड़ा कारण है खुले में चरने वाली मवेशियों का आतंक, जो खेतों में खड़ी फसलों को पल भर में चरकर किसानों की महीनों की मेहनत पर पानी फेर देते हैं। इस कड़वी हकीकत से अमूमन हर वर्ग का किसान जूझ रहा है। लेकिन छत्तीसगढ़ के सारागांव के किसानों ने इस गंभीर और चिरपरिचित समस्या के आगे घुटने टेकने के बजाय, एकजुट होकर एक ऐसा स्थाई और प्राकृतिक रास्ता निकाला है जो पूरे देश के लिए एक मिसाल बन सकता है। आने वाले कुछ ही सालों में यहां के खेतों का नजारा पूरी तरह बदलने वाला है, क्योंकि पूरे गांव के खेतों की बाहरी सीमाओं को अब करौंदे के पौधों से सुरक्षित किया जा रहा है। इस बेहद अनूठे और महत्वाकांक्षी अभियान की औपचारिक शुरुआत खुद क्षेत्रीय विधायक अनुज शर्मा ने पौधा रोपकर की है।

एक वक्त था जब सारागांव के खेतों में मुख्य फसल की कटाई के बाद दलहन और तिलहन की फसलें लहलहाया करती थीं, जिससे किसानों की आमदनी दोगुनी हो जाती थी। मगर बीते कुछ समय से छुट्टा पशुओं के बढ़ते खौफ के कारण हालात ऐसे बदले कि किसान साल में बमुश्किल एक ही फसल ले पा रहे थे। आवारा मवेशियों के डर से कोई भी किसान दूसरी फसल लगाने का जोखिम उठाने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा था।

एकता और तकनीक का संगम: कंटीले पौधों से गांव की सुरक्षा

अपनी इस सामूहिक पीड़ा से उबरने के लिए ग्रामीणों ने एक बेहतरीन सूझबूझ का परिचय दिया। उन्होंने स्थानीय विधायक से संपर्क किया और कंटीले पौधों के जरिए पूरे गांव की सरहद पर एक प्राकृतिक बाड़ (बायो-फेंसिंग) तैयार करने का प्रस्ताव रखा। विधायक अनुज शर्मा ने भी किसानों की इस परेशानी को गहराई से समझा और इस मांग को एक 'पायलट प्रोजेक्ट' का रूप देते हुए प्रशासनिक अधिकारियों को तुरंत धरातल पर काम शुरू करने के निर्देश दे दिए। इस योजना को हकीकत में बदलने के लिए मनरेगा के तहत करीब 20 हजार गड्ढे तैयार किए जा रहे हैं, जबकि पौधों की खेप पास के ही मढ़ी गांव की सरकारी नर्सरी से मंगवाई गई है।

करौंदा फेंसिंग से होगी फसलों की सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण : अनुज शर्मा

विधायक अनुज शर्मा का मानना है कि यह दूरदर्शी पहल न केवल सारागांव के किसानों को समृद्धि की नई उड़ान देगी, बल्कि रोजगार और पर्यावरण के मोर्चे पर भी मील का पत्थर साबित होगी। अगले तीन से चार सालों में जब यह करौंदे की प्राकृतिक बाड़ पूरी तरह घनी और विकसित हो जाएगी, तब मवेशी चाहकर भी खेतों में दाखिल नहीं हो पाएंगे। इसके बाद किसान बिना किसी डर और चिंता के साल में दो से तीन फसलें आसानी से ले सकेंगे, जिससे उनकी आर्थिक रीढ़ मजबूत होगी।

इनकी रही उपस्थिति

लखन लाल धीवर, जिला पंचायत सदस्य सविता चंद्राकर, सरपंच धन्ना धीवर, उपसरपंच राजेंद्र यदु, लखन साहू, देवलाल धीवर, गैंदराम देवांगन, राजेश्वरी साहू, किरण देवांगन और नीरज यादव , कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा भारी संख्या में क्षेत्र के प्रगतिशील किसान उपस्थित थे।

दान के नाम पर महिला समिति के खाते का दुरुपयोग, मामला दर्ज

■ समिति के खाते से लाखों के लेनदेन फिर खाता कराया होल्ड

अभनपुर। अभनपुर निवासी एवं नारी शक्ति महिला विकास समिति की अध्यक्ष कविता सारथी ने दान दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी कर समिति के बैंक खाते का दुरुपयोग किए जाने की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार अप्रैल 2025 में छिंदवाड़ा निवासी राहुल और स्वयं को राजवीर सिंह बताने वाले व्यक्ति ने समिति को 25 लाख रुपये का दान दिलाने का झांसा दिया था। कविता सारथी के अनुसार राहुल के माध्यम से उनकी मुलाकात नागपुर में राजवीर सिंह से हुई, जिसने अपनी कंपनी द्वारा समिति की महिलाओं के लिए सिलाई मशीन खरीदने हेतु 25 लाख रुपये दान देने की बात कही। इस दौरान समिति से संबंधित दस्तावेज, बैंक खाता विवरण, ईमेल आईडी, क्यूआर कोड तथा इंटरनेट बैंकिंग की जानकारी वाली फाइल भी दिखाई गई। अगले दिन कंपनी से मुलाकात कराने का आश्वासन देकर राजवीर सिंह होटल से निकल गया और फिर उसका मोबाइल बंद हो गया। इसके कुछ समय बाद विभिन्न लोगों के फोन आने लगे, जिन्होंने समिति के खाते में राशि जमा होने और उसे वापस करने की मांग की। बैंक में जानकारी लेने पर पता चला कि समिति के खाते में बड़ी मात्रा में रकम जमा हुई थी, जिसे तत्काल अन्य खातों में ट्रांसफर कर दिया गया। खाते में शेष लगभग 34-35 हजार रुपये में से 30 हजार रुपये निकालकर खाते को होल्ड कराया गया। पीड़िता को आशंका है कि आरोपियों ने समिति को दान दिलाने के नाम पर विश्वास में लेकर बैंकिंग संबंधी जानकारी का दुरुपयोग किया और खाते के माध्यम से संदिग्ध वित्तीय लेनदेन किए। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध बीएनएस 3(5),318(4) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना कर रही है।

मारपीट में महिला उपसरपंच प्रभा वर्मा घायल, काउंटर रिपोर्ट दर्ज

गार्डन की प्रस्तावित भूमि पर कब्जे के नाम पर मोहंगांव में हुई मारपीट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा नेवरा

■ गांव में तनाव और लोगों में आक्रोश स्थिति नाजुक

तिल्दा-नेवरा से लगे ग्राम मोहंगांव में सरकारी जमीन पर कथित अवैध कब्जे को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। गांव में गार्डन निर्माण के लिए प्रस्तावित जमीन पर कब्जे की कोशिश का विरोध करने पर दो पक्षों के बीच र मारपीट हो गई। आरोप है कि इस दौरान महिला उपसरपंच प्रभा वर्मा के साथ भी मारपीट की गई, जिससे उन्हें चोटें आई हैं। घटना के बाद गांव में तनाव और आक्रोश का माहौल है। बाद में शुक्रवार रात दोनों पक्ष थाना पहुंचे और एक दुसरे के खिलाफ रिपोर्ट लिखाने शिकायत दर्ज कराई है

जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत ने गांव की एक जमीन को गार्डन निर्माण के लिए चिन्हित किया था। ग्रामीणों द्वारा वहां मिट्टी भी डाली गई थी। इसी बीच गांव के ही एक परिवार द्वारा जमीन पर घेरा डालकर कब्जा करने की कोशिश की गई। जब ग्रामीणों और पंचायत प्रतिनिधियों ने इसका विरोध किया तो विवाद बढ़ गया।

देखते ही देखते दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और मामला मारपीट तक पहुंच गया। आरोप है कि विवाद के दौरान महिला उपसरपंच प्रभा वर्मा के साथ भी धक्का-मुक्की और मारपीट की गई, जिससे उन्हें चोट आई है। घटना के बाद ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखी जा रही है।

मारपीट के बाद दोनों पक्ष थाने पहुंच गए हैं और एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत दर्ज करा रहे हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं ग्रामीणों की मांग है कि सरकारी जमीन पर कब्जे की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए.फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। जांच के बाद ही साफ हो पाएगा कि जमीन को लेकर शुरू हुआ यह विवाद आखिर किसकी गलती से हिंसक रूप ले बैठा।

कुर्मी समाज की आज मासिक बैठक होगी

तरपोंगी। छग मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज धरसींवा राज की मासिक प्रकरण बैठक आगामी 20 जून दिन शनिवार को सुबह 10 बजे ग्राम बेमता में आयोजित की गई है। बैठक में नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा का स्वागत एवं अभिनंदन किया जाएगा। समाज के मीडिया प्रभारी देवेंद्र वर्मा के अनुसार, बैठक राज प्रधान नीलमणि परगनिहा की अध्यक्षता में होगी। कार्यक्रम में क्षेत्रप्रधान राजकुमार कश्यप एवं ग्राम प्रमुख धनेश वर्मा शामिल होंगे। बैठक के दौरान समाज हित से जुड़े निम्नलिखित मुख्य विषयों पर चर्चा की जाएगी। समाज से प्राप्त आवेदनों पर आवश्यक कार्रवाई एवं निवारण। राज प्रधान जी की सहमति से अन्य समसामयिक व सामाजिक विषयों पर विस्तृत चर्चा होगी।

सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर सकी : डहरिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंदिर हसौद\आरंग

मुख्यमंत्री द्वारा गुरुवार को देर रात मंत्रियों की बुलाई गई बैठक और सरकार के ढाई साल के कार्यकाल की समीक्षा को लेकर पूर्व मंत्री डॉ शिवकुमार डहरिया ने तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यदि कार्यकाल के केवल ढाई साल बाद ही सरकार को अपने कामकाज की व्यापक समीक्षा करनी पड़ रही है, तो यह इस बात का संकेत है कि जनता की अपेक्षाओं पर सरकार खरी नहीं उतर सकी है।डॉ. डहरिया ने कटाक्ष करते हुए कहा कि सरकार को अपनी उपलब्धियों का बखान करने के बजाय अब अपने ही मंत्रियों से फीडबैक लेना पड़ रहा है। उनके अनुसार, ढाई साल के भीतर ही योजनाओं के क्रियान्वयन, विभागीय समन्वय और प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े होना बताता है कि शासन व्यवस्था अपेक्षित दिशा में नहीं बढ़ पाई है।उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता विकास, रोजगार, किसानों और आम नागरिकों से जुड़े ठोस परिणाम देखना चाहती है, लेकिन सरकार का अधिक समय बैठकों, समीक्षाओं और आंतरिक समन्वय में बीतता दिखाई दे रहा है। डॉ. डहरिया ने आरोप लगाया कि विभिन्न विभागों में पारदर्शिता और जवाबदेही का अभाव है तथा कई स्तरों पर अव्यवस्था और अनियमितताओं की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं।

धरसींवा की 3 पंचायतों में महतारी सदन के लिए 90 लाख स्वीकृत

सिलयारी। विधायक अनुज शर्मा के प्रयासों से बेल्दार सिवनी, कुरूद सिलयारी और मांढर में महतारी सदन के निर्माण के लिए 90 लाख की स्वीकृत मिली है। मीडिया से चर्चा करते हुए विधायक अनुज शर्मा ने धरसींवा के हर वर्ग के विकास साथ विशेषकर हमारी माताओं-बहनों को सशक्त बनाना मेरी सर्वोच्च प्राथमिकताओं है। ये 'महतारी सदन' हमारी ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण, उनके मान-सम्मान और स्वावलंबन का एक मजबूत केंद्र बनेगा। हमारी माताएं और बहनें, जो घर-परिवार के साथ-साथ समाज को गढ़ने का काम करती हैं, उन्हें अब एक ऐसी जगह मिलेगी जहाँ वे एक साथ बैठ सकेंगी, स्वरोजगार की योजनाएं बना सकेंगी, सामाजिक चर्चा कर सकेंगी और अपने हुनर को एक नई पहचान दे सकेंगी। हमारी सरकार 'नारी शक्ति' को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह संकल्पित हैं। यह सदन ग्रामीण महिलाओं को एक सूत्र में पिरोने और उनके स्वावलंबन का केंद्र बनेगा। क्षेत्र के चहुंमुखी विकास के लिए संकल्पित प्रयास आगे भी जारी रहेंगे। धरसींवा के चहुंमुखी विकास के लिए राशि की कोई कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी। यह महतारी सदन ग्रामीण विकास में मील का पत्थर साबित होंगे।

बिजली की दरों में वृद्धि का कांग्रेस ने किया विरोध

सिलयारी। प्रदेश में बिजली दरों में की गई वृद्धि को लेकर कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष उधोराम वर्मा ने कहा कि बिजली की बढ़ती कीमतों से आम जनता, किसान और श्रमिक वर्ग पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा।उधोराम वर्मा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में लागू की गई बिजली बिल हाफ योजना से लाखों उपभोक्ताओं को राहत मिली थी। उनका कहना है कि भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद पहले इस योजना को समाप्त किया गया और अब लगातार तीसरी बार बिजली दरों में वृद्धि कर आम लोगों की परेशानी बढ़ाई जा रही है।उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में महंगाई पहले से ही लोगों की कमर तोड़ रही है। ऐसे में बिजली दरों में 30 से 50 पैसे प्रति यूनिट तक की बढ़ोतरी से घरेलू उपभोक्ताओं के मासिक बिल में उल्लेखनीय वृद्धि होने की संभावना है। इसका सबसे अधिक प्रभाव दिहाड़ी मजदूरों, निम्न एवं मध्यम वर्गीय परिवारों पर पड़ेगा।वर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य है।

अनुज शर्मा ने गार्डन जीर्णोद्धार मुक्तिधाम सुधार कार्यों का किया लोकार्पण

विधायक ने खरोरा को 50 लाख के विकास कार्यों की दी सौगात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिलयारी

खरोरा नगर पंचायत में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन धरसींवा विधायक अनुज शर्मा के करकमलों से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में कुल 49.96 लाख की लागत वाले विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यों का शुभारंभ किया गया, जिससे स्थानीय बुनियादी ढांचे और सुविधाओं को नया विस्तार मिलेगा।

इन प्रमुख विकास कार्यों की मिली सौगात : वार्ड क्रमांक 08 (गार्डन जीर्णोद्धार): नगरवासियों की सेहत और मनोरंजन को ध्यान में रखते हुए वार्ड नंबर 8 में स्थित गार्डन के जीर्णोद्धार कार्य का भूमिपूजन किया गया। इसकी कुल स्वीकृत लागत 35.00 लाख है। *वार्ड क्रमांक 03 (पीएम श्री विद्यालय)*: शिक्षा के स्तर और सुविधाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से पीएम श्री विद्यालय में अतिरिक्त कक्ष तथा शौचालय निर्माण कार्य का लोकार्पण हुआ। जिसकी लागत राशि 9.96 लाख है। वार्ड क्रमांक 06 (मुक्तिधाम जीर्णोद्धार):* अंतिम संस्कार स्थल की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के लिए वार्ड नंबर 6 में मुक्तिधाम के जीर्णोद्धार कार्य का लोकार्पण किया गया, जिसकी लागत राशि 5.00 लाख है।

बैठक में हुए शामिल : इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा, बेदरम मनहरे,टिकेश्वर मनहरे, राजीव अग्रवाल, सुनीता अनिल सोनी, सोना वर्मा, सुमित सेन, रश्मि वर्मा सहित सभी वार्डों के पार्षदगण, स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रबुद्ध नागरिक और बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे।

खरोरा के विकास के लिए बजट की कोई कमी नहीं

इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक अनुज शर्मा ने कहा कि ख़रोरा नगर पंचायत का सर्वांगीण विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। हमारा संकल्प खरोरा को एक आदर्श और सर्वसुविधायुक्त नगर बनाना है। इसी कड़ी में आज करीब 50 लाख रुपये के कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया गया है। बच्चों के भविष्य के लिए वार्ड नंबर 3 के 'पीएम श्री विद्यालय' में सर्वसुविधायुक्त अतिरिक्त कक्ष और शौचालय का लोकार्पण हुआ है, ताकि हमारे बच्चों को पढ़ाई का बेहतर माहौल मिल सके। वहीं, वार्ड नंबर 8 में 35 लाख की लागत से बनने वाला गार्डन हमारे बुजुर्गों के टहलने, युवाओं के स्वास्थ्य और बच्चों के मनोरंजन का एक बेहतरीन केंद्र बनेगा। इसके साथ ही, वार्ड नंबर 6 में मुक्तिधाम का जीर्णोद्धार कर हमने नागरिकों की एक पुरानी और संवेदनशील मांग को पूरा किया है।

पेज 13 के शेष...

नीट परीक्षार्थियों के ...

की सुविधा को ध्यान में रखते हुए हसदेव एक्सप्रेस का रूट 21 जून को अस्थायी रूप से दुर्ग तक विस्तारित किया गया है। साथ ही 08823 छिंदवाड़ा- नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी मेमू पैसेंजर स्पेशल 21 जून को छिंदवाड़ा से शाम 18.00 बजे रवाना होगी। इस मार्ग के अन्य सभी मध्यवर्ती स्टेशनों में ठहरते हुये नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी 22.50 बजे पहुंचेगी।

इन ट्रेनों में लगेंगे ...

सामान्य कोच।

-20 से 22 जून तक बिलासपुर से 18114 बिलासपुर-टाटानगर एक्सप्रेस में 02 अतिरिक्त सामान्य कोच। **इन स्पेशल ट्रेन में कर सकेंगे सफर** - 06801 कोरबा- दुर्ग मेमू पैसेंजर स्पेशल 20 जून को कोरबा से 10.00 बजे रवाना होगी। मार्ग के अन्य सभी मध्यवर्ती स्टेशनों में ठहरते हुए दुर्ग 16.15 बजे पहुंचेगी। -06802 दुर्ग–कोरबा मेमू पैसेंजर स्पेशल 20 जून को दुर्ग से शाम 19.05 बजे रवाना होगी। मार्ग के अन्य सभी मध्यवर्ती स्टेशनों में ठहरते हुए कोरबा 00.45 बजे पहुंचेगी। - 06803 कोरबा–दुर्ग मेमू पैसेंजर स्पेशल 21 जून को कोरबा से सुबह 04.00 बजे रवाना होगी। इस दौरान मार्ग के अन्य सभी मध्यवर्ती स्टेशनों में ठहरते हुए दुर्ग 10.50 बजे पहुंचेगी।- 06804 दुर्ग–कोरबा मेमू पैसेंजर स्पेशल दिनांक 21 जून 2026 को दुर्ग से शाम 19.05 बजे रवाना होगी तथा मार्ग के अन्य सभी मध्यवर्ती स्टेशनों में ठहरते हुए कोरबा 00.45 बजे पहुंचेगी ।

राशन दुकानों में ...

चावल की भरपाई नहीं करा रहे हैं, जिससे विभाग अब इनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की तैयारी में है। खाद्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार जोरा स्थित शासकीय उचित मूल्य की दुकान आईडी 442001026 में पिछले वर्ष जांच के दौरान 389 क्विंटल चावल शॉर्टेज मिला था, जिसकी कीमत 15 लाख रुपए से अधिक है। विभाग ने दुकान समिति के अध्यक्ष एवं विक्रेता को शॉर्टेज चावल की भरपाई करने के लिए नोटिस जारी किया था, लेकिन इसके बाद भी उनके द्वारा पिछले कई महीनों से न ही चावल जमा किया गया और न ही बदले में राशि जमा कराई गई है। इस मामले में अब विभाग ने समिति के अध्यक्ष एवं विक्रेता के खिलाफ तेलीबांधा थाना में एफआईआर कराई है।

सेरीखेड़ी दुकान में ...

220 क्विंटल चावल, रायपुर स्थित 441001290 तथा 441001291 में 200 से 250 क्विंटल चावल का शार्टेज मिला है। इसके अलावा ग्राम गनौद आरंग दुकान में भी लगभग 175 क्विंटल चावल का शार्टेज मिला है। इन सभी दुकानों की समिति प्रभारियों द्वारा नोटिस जारी किए जाने के बाद भी चावल या बदले में राशि जमा नहीं करा रहे हैं।

खबर संक्षेप

500 वर्गफीट भूमि में अवैध निर्माण, निगम ने तोड़ा

रायपुर। नगर निगम जोन-2 अंतर्गत रमण मंदिर वार्ड क्रमांक-4 में ममता सिंह नामक महिला ने अपने मकान से लगी 5 सौ वर्गफुट जमीन पर कब्जा कर वहां भी निर्माण करा लिया था। इसकी शिकायत नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा से की गई थी। आयुक्त ने इस मामले में जोन कमिश्नर संतोष पांडेय को कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। कार्यपालन अभियंता पी.डी. धृतलहरे, उपअभियंता नगर निवेश अंजलि बारले की उपस्थिति में शुक्रवार को इस अवैध निर्माण को जेसीबी मशीन के जरिए तोड़कर कब्जा मुक्त कराया। कार्रवाई से पूर्व अवैध कब्जा हटाने के लिए मकान मालिक को निगम ने नोटिस भी जारी किया था।

एएसआर वेंचर्स में मिली गंदगी, 8 हजार का जुर्माना

रायपुर। शहर के जोन-10 अंतर्गत वीआईपी मार्ग में स्थित एएसआर वेंचर्स में गंदगी मिलने पर नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग ने 8 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। नगर निगम में एएसआर वेंचर्स में गंदगी को लेकर शिकायत आई थी। इस शिकायत पर जोन स्वास्थ्य अधिकारी अमित बेहरा एवं स्वच्छता निरीक्षक अनिल झा ने शुक्रवार को निरीक्षण किया। इस दौरान वहां गंदगी पाई गई। इस मामले में एएसआर वेंचर्स के संचालक पर 8 हजार रुपए का जुर्माना लगाते हुए भविष्य में गंदगी मिलने पर सख्त कार्रवाई करने की चेतावनी दी है।

नापतौल विभाग ने 6 दुकानों से वसूला 20 हजार जुर्माना

रायपुर। कलेक्टर जनदर्शन में आई शिकायत के आधार पर नापतौल विभाग की टीम ने शास्त्री मार्केट रायपुर में आधा दर्जन दुकानों का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान जांच में अनियमितता पाई गई, जिस पर कार्रवाई करते हुए दुकान संचालकों से कुल 20 हजार रुपए जुर्माना लगाया है। जांच के दौरान अन्य व्यापारियों को समय पर बाट-माप का सत्यापन एवं मुद्रांकन कराने के निर्देश दिए।

बदलते मौसम का असर, रायपुर-इंदौर फ्लाइट भोपाल डायवर्ट, घंटेभर बाद लौटी

बदलते मौसम का असर विमानों की आवाजाही पर होने लगा है। शुक्रवार को निर्धारित समय पर रायपुर से इंदौर के लिए उड़ी फ्लाइट को भोपाल में लैंड कराना पड़ा। मौसम सुधरने के बाद घंटेभर लेट से उसे वापस इंदौर लाया गया। आंधी-बारिश जैसी गतिविधि होने के कारण इंदौर से शाम रायपुर आने वाला विमान रात में रायपुर पहुंचा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

अंधड़ जैसी स्थिति बनने अथवा भारी बारिश के दौरान लो विजिबिलिटी के दौरान लैंडिंग अथवा टेकऑफ में जोखिम होने के दौरान विमान को संबंधित क्षेत्र के विमानतलों पर उतरने की अनुमति नहीं दी जाती। बारिश के मौसम में अक्सर विमानों को दूसरे शहर डायवर्ट किया जाता है। आज इसी तरह की स्थिति रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट से इंदौर के लिए उड़ान भरने वाली 6ई 6119 फ्लाइट के यात्रियों के साथ हुई। फ्लाइट अपने निर्धारित समय पर रायपुर से रवाना होकर इंदौर विमानतल पहुंची, मगर वहां का मौसम खराब होने के दौरान लैंडिंग की अनुमति नहीं मिली। फ्लाइट आसमान में दो-तीन चक्कर लगवाने के बाद पड़ोसी शहर भोपाल रवाना कर दिया गया। वहां लैंडिंग के बाद यात्रियों को इंदौर का मौसम खराब होने की जानकारी दी गई। करीब घंटेभर बाद जब मौसम सुधर गया, तो दोपहर 12.50 बजे उसे पुनः इंदौर लाया गया। इसी तरह इंदौर से रायपुर के लिए शाम के शेड्यूल में संचालित होने वाली फ्लाइट का संचालन भी सवा दो घंटे विलंब से हुआ। वहां से शाम 5.10 बजे रवाना होने वाली फ्लाइट 7.35 बजे रवाना हुई। यह विमान शाम 6.20 के बजाए रात 9 बजे के बाद रायपुर पहुंचा।

इंदौर से शाम को आने वाला विमान रात में रायपुर पहुंचा

नागपुर पहुंची थी दो फ्लाइट

दिल्ली से रायपुर आने वाली दो फ्लाइट 11 जून को ऐसे ही मौसम खराबी की वजह से रायपुर के बजाए नागपुर में लैंड कराया गया था। इंडिगो की फ्लाइट में उस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ कई दिग्गज रायपुर आ रहे थे। वहीं दूसरी फ्लाइट एयर इंडिया की थी। दोनों एयरक्राफ्ट को बाद में मौसम साफ होने के बाद रायपुर विमानतल पर लाकर लैंड कराया गया था।

मानसून के दौरान बड़ी चुनौती

विमानतल प्रबंधन से जुड़े सूत्रों के मुताबिक मानसून और खराब मौसम के दौरान उड़ानों के संचालन में इस तरह की स्थिति सामान्य मानी जाती है। जब दृश्यता तय मानकों से नीचे चली जाती है या मौसम अचानक खराब हो जाता है, तब विमान को वैकल्पिक एयरपोर्ट पर भेजना सुरक्षा प्रक्रिया का हिस्सा होता है। विपरीत मौसम के दौरान विमानों की लैंडिंग और टेकऑफ के दौरान अप्रिय घटना हो सकती है।

हादसे की स्थिति में भवन प्रबंधन की भी तय होगी जवाबदेही

बिना सुरक्षा जांच नहीं चलेगी लिफ्ट, नियम तोड़े तो होगी सील, सरकार के सख्त निर्देश

बहुमंजिला इमारतों में बढ़ती लिफ्ट दुर्घटनाओं की आशंकाओं के बीच छत्तीसगढ़ सरकार ने लिफ्ट सुरक्षा और संचालन को लेकर व्यापक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने राज्य के सभी नगर निगमों, नगर पालिका परिषदों और नगर पंचायतों को निर्देश दिया है कि बहुमंजिला आवासीय, व्यावसायिक और मिश्रित उपयोग वाली इमारतों में लिफ्ट सुरक्षा संबंधी जारी परामर्शों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। सरकार का कहना है कि इन प्रावधानों का उद्देश्य लिफ्ट संचालन में सुरक्षा मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करना और दुर्घटनाओं की संभावना को न्यूनतम करना है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

नवा रायपुर मंत्रालय से जारी आदेश में कहा गया है कि लिफ्ट सुरक्षा संबंधी यह परामर्श राष्ट्रीय भवन संहिता, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के प्रासंगिक मानकों तथा अन्य लागू नियमों और अधिनियमों के अनुरूप तैयार किए गए हैं। सभी स्थानीय निकायों को अपने अधिकार क्षेत्र में इनका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

आग लगने पर लिफ्ट का उपयोग नहीं करने की हिदायत

दिशा-निर्देशों में आग लगने की स्थिति में लिफ्ट के उपयोग से बचने और केवल सीढ़ियों का इस्तेमाल करने की स्पष्ट सलाह दी गई है। इसके लिए भवनों में आवश्यक चेतावनी संकेतक लगाने और निवासियों को समय-समय पर जागरूक करने की भी व्यवस्था करने को कहा गया है। जानकारों के अनुसार आग के दौरान विद्युत आपूर्ति बाधित होने या धुआं लिफ्ट शाफ्ट में भरने से गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। इसी वजह से दुनिया भर के भवन सुरक्षा मानकों में आपात स्थिति में सीढ़ियों को प्राथमिक विकल्प माना जाता है।

बहुमंजिला इमारतों में रहने वालों की सुरक्षा पर फोकस

लिफ्ट लगाने से पहले सुरक्षा मंजूरी जरूरी

नई व्यवस्था के तहत किसी भी बहुमंजिला भवन में लिफ्ट स्थापित करने से पहले आवश्यक अनुमोदन, पंजीयन और सुरक्षा परीक्षण कराना अनिवार्य होगा। लिफ्ट के संचालन से पहले उसकी तकनीकी जांच और थर्ड पार्टी निरीक्षण की व्यवस्था भी सुनिश्चित करनी होगी। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि लिफ्ट शुरू होने से पहले सभी सुरक्षा उपकरण और आपातकालीन व्यवस्थाएं पूरी तरह कार्यशील हों।जानकारों का कहना है कि देश में लिफ्ट दुर्घटनाओं के कई मामलों में स्थापना के बाद नियमित परीक्षण और रखरखाव की कमी सामने आई है। ऐसे में सरकार का यह कदम केवल औपचारिकता नहीं बल्कि जोखिम प्रबंधन का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है।

फायर रेटेड शाफ्ट एवं बैकअप बिजली होगी अनिवार्य

परामर्श में कहा गया है कि लिफ्ट शाफ्ट को अग्निरोधी मानकों के अनुरूप तैयार किया जाना चाहिए ताकि आग लगने की स्थिति में यात्रियों को अतिरिक्त सुरक्षा मिल सके। इसके अलावा लिफ्ट के लिए अलग विद्युत आपूर्ति व्यवस्था और आपातकालीन बिजली बैकअप भी अनिवार्य होगा, जिससे बिजली गुल होने पर लोग लंबे समय तक लिफ्ट में फंसे न रहें।आधुनिक सुरक्षा मानकों के अनुरूप लिफ्ट में ऑटोमैटिक रेस्क्यू डिवाइस लगाने पर भी जोर दिया गया है, जिससे बिजली बाधित होने की स्थिति में लिफ्ट निकटतम मंजिल तक पहुंचकर अपने आप दरवाजा खोल सके।

साप्ताहिक से वार्षिक निरीक्षण तक की व्यवस्था

सरकार ने केवल उपकरण लगाने तक खुद को सीमित नहीं रखा है बल्कि नियमित निगरानी पर भी जोर दिया है। इसके तहत साप्ताहिक, मासिक, त्रैमासिक और वार्षिक निरीक्षण की व्यवस्था तय की गई है। रखरखाव से जुड़े सभी रिकॉर्ड और निरीक्षण रिपोर्टों को कम से कम पांच वर्ष तक सुरक्षित रखना होगा ताकि किसी दुर्घटना या शिकायत की स्थिति में जांच की जा सके।यह व्यवस्था भवन मालिकों और रखरखाव एजेंसियों की जवाबदेही तय करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

दिव्यांगजनों के लिए विशेष सुविधाओं पर जोर

लिफ्टों को अधिक समावेशी बनाने के लिए ब्रेल संकेतक, ऑडियो फ्लोर अनाउंसमेंट और दृश्य मंजिल संकेतक जैसी सुविधाओं को भी अनिवार्य प्रावधानों में शामिल किया गया है। सरकार का मानना है कि सार्वजनिक और निजी दोनों प्रकार की बहुमंजिला इमारतों में दिव्यांगजनों की सुगम पहुंच सुनिश्चित करना आधुनिक शहरी अवसंरचना का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

नियम तोड़ा तो लिफ्ट बंद या सील हो सकती है

सरकार ने स्पष्ट किया है कि सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करने की स्थिति में संबंधित लिफ्ट का संचालन रोका जा सकता है या उसे सीलबंद किया जा सकता है। इसके अलावा किसी दुर्घटना, चोट या जनहानि की स्थिति में भवन स्वामी, प्रबंधन समिति अथवा संबंधित रखरखाव एजेंसी की जवाबदेही भी तय की जा सकेगी।यही प्रावधान इस पूरी पहल को महज सलाह के बजाय जवाबदेही आधारित सुरक्षा ढांचे में बदलते हैं।

बढ़ती ऊंची इमारतों के बीच बड़ा कदम

रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग-भिलाई, कोरबा और अन्य शहरी क्षेत्रों में बहुमंजिला आवासीय और व्यावसायिक परियोजनाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसके साथ ही लिफ्टों पर निर्भरता भी बढ़ी है। ऐसे में सरकार के नए निर्देशों को शहरी नागरिकों की सुरक्षा से जुड़ा एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। जानकारों का मानना है कि यदि स्थानीय निकाय इन मानकों का सख्ती से पालन कराते हैं और भवन प्रबंधन समितियां नियमित रखरखाव सुनिश्चित करती हैं, तो लिफ्ट से जुड़े अधिकांश हादसों को रोका जा सकता है।

रायपुर में कांग्रेस के कार्यक्रम में छात्रों ने साझा की अपनी पीड़ा

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा राजस्थान के कोटा में आयोजित छात्रों की गूंज रैली एवं देशभर में लगातार सामने आ रहे प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक, परीक्षाओं के रद्द होने तथा छात्रों, युवाओं से जुड़े गंभीर मुद्दों को लेकर रायपुर के पुजारी पार्क में कांग्रेस द्वारा विशेष संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज, प्रदेश कांग्रेस कमेटी की सह प्रभारी जारिता लैफ्तलांग, शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन, पूर्व विधायक विकास उपाध्याय सहित कांग्रेस के अनेक वरिष्ठ नेताओं ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों एवं नीट अभ्यर्थियों से सीधे संवाद किया। कार्यक्रम में सैकड़ों छात्र छात्राओं ने अपनी समस्याओं और पीड़ा को साझा किया।

चर्चा के दौरान छात्रों ने बताया, लगातार पेपर लीक, परीक्षाओं के निरस्त होने और पुनः परीक्षा आयोजित किए जाने से उन्हें मानसिक, आर्थिक एवं सामाजिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। छात्रों ने कहा, री एग्जाम की स्थिति में उनके अभिभावकों पर भी अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता है तथा भविष्य को लेकर अनिश्चितता बढ़ जाती है। नीट परीक्षा पेपर लीक के पीड़ित छात्रों ने राहुल गांधी से मिलने का समय भी मांगा है, छात्रों ने यह भी कहा, मेहनत और प्रतिभा के बावजूद व्यवस्था की खामियों के कारण उनका विश्वास लगातार कमजोर हो रहा है।

बारिश से पूर्व बड़े नालों का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

बारिश से पूर्व शहर के बड़े नालों की सफाई व्यवस्था को लेकर जोन क्षेत्र के पदाधिकारी एवं अधिकारी लगातार निरीक्षण कर रहे हैं। इस क्रम में नगर निगम स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष गायत्री सुनील चंद्राकर ने जोन 10 के विभिन्न वार्डों में बड़े नालों का निरीक्षण किया। उनके साथ वार्ड पार्षद गायत्री नौरंगे, सुषमा तिलक साहू, विनय पंकज निर्मलकर सहित जोन कमिश्नर मोनेश्वर शर्मा, जोन स्वास्थ्य अधिकारी अमित बेहरा, स्वच्छता निरीक्षक राहुल वैष्णव, अनिल झा भी थे। सुनील चंद्राकर ने सभी बड़े नालों की सफाई सहित वार्डों में जलभराव क्षेत्रों और वर्षा पूर्व निकासी प्रबंधन का प्रत्यक्ष निरीक्षण करते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

बिजनेस साइट

सिटी होंडा का 'स्कूटर कार्निवल' शुरू, एक्टिवा पर आकर्षक बायबैक व एक्सचेंज ऑफर

रायपुर। शहर के प्रमुख होंडा दोपहिया वाहन डीलर सिटी होंडा ने ग्राहकों के लिए विशेष 'स्कूटर कार्निवल' अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान के तहत नई होंडा एक्टिवा खरीदने वाले ग्राहकों को आकर्षक बायबैक और एक्सचेंज बेनिफिट का लाभ दिया जा रहा है। कंपनी के अनुसार नई होंडा एक्टिवा मात्र 77,751 रुपए (एक्स-शोरूम) की शुरुआती कीमत पर उपलब्ध है। साथ ही ग्राहकों को 3 वर्ष बाद 55,000 रुपए तक का अश्योर्ड बायबैक वैल्यू प्रदान किया जाएगा, जिससे वाहन की भविष्य की रीसेल वैल्यू सुनिश्चित होगी।

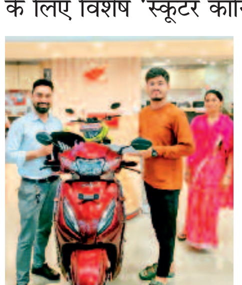

इसके अलावा पुरानी दोपहिया गाड़ी को अपग्रेड करने के इच्छुक ग्राहकों के लिए एक्टिवा 125सीसी पर विशेष एक्सचेंज ऑफर उपलब्ध है। ग्राहक अपनी पुरानी गाड़ी पर 50,000 रुपए तक की एक्सचेंज वैल्यू प्राप्त कर नई एक्टिवा 125सीसी को प्रभावी रूप से लगभग 43,000 रुपए की शुरुआती कीमत में खरीद सकते हैं।

फर्नीचर उद्योग को गुणवत्ता मानकों की जानकारी देने बीआईएस की संगोष्ठी आयोजित

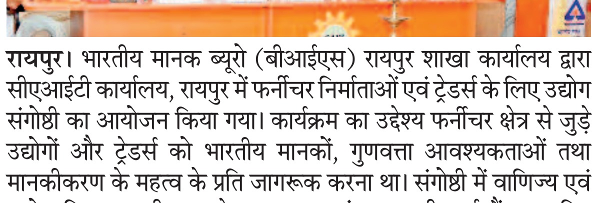

रायपुर। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) रायपुर शाखा कार्यालय द्वारा सीएआईटी कार्यालय, रायपुर में फर्नीचर निर्माताओं एवं ट्रेडर्स के लिए उद्योग संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य फर्नीचर क्षेत्र से जुड़े उद्योगों और ट्रेडर्स को भारतीय मानकों, गुणवत्ता आवश्यकताओं तथा मानकीकरण के महत्व के प्रति जागरूक करना था। संगोष्ठी में वाणिज्य एवं उद्योग विभाग छत्तीसगढ़ के मुख्य महाप्रबंधक मुरारी साई पैंकरा सहित विभिन्न विभागों एवं उद्योग संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बीआईएस रायपुर की निदेशक एवं प्रमुख अनुरीता जोजो ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। वैज्ञानिक-डी फालेन्द्र कुमार ने बीआईएस की गतिविधियों, लाइसेंस प्राप्ति प्रक्रिया तथा उद्योगों में भारतीय मानकों के उपयोग पर विस्तृत जानकारी दी। वहीं वैज्ञानिक-सी आशीष अग्रवाल ने फर्नीचर संबंधी भारतीय मानकों, उत्पाद गुणवत्ता, उपभोक्ता हितों की सुरक्षा और मानकीकरण के लाभों पर प्रकाश डाला।

बढ़ी बादलों की सक्रियता, कुछ इलाकों में अच्छी बारिश, गतिविधि बने रहने के आसार

मानसून के आने और व्यापक वर्षा का इंतजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

लंबे समय तक कड़ी धूप के बाद अब बादलों की सक्रियता बढ़ने लगी है। पिछले चौबीस घंटे में इसके प्रभाव से रायपुर समेत कुछ इलाकों में अच्छी बारिश भी हुई है। तेज धूप से राहत दिलाने बादल बने रहने के आसार हैं और मानसून के छत्तीसगढ़ आने पर व्यापक बारिश का इंतजार है। बादल छाए रहने से भले ही उमस भरी गर्मी महसूस हो रही हो, मगर तेज धूप से राहत मिली है।

गुरुवार शाम और रात में हुई बरसात के प्रभाव से अधिकतम तापमान का पारा ज्यादा नहीं चढ़ पाया। शुक्रवार को राज्य का अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो रायपुर का था। गुरुवार को बादल भी जमकर चमके और गरजे थे, मगर वर्षा का प्रभाव उस ढंग से नहीं हो पाया। शहर के भीतर ही कुछ इलाकों में अच्छी बारिश हुई और कुछ हिस्सों में इसका असर मध्यम रहा। रायपुर के अलावा बस्तर और सरगुजा संभाग के भी कुछ इलाकों में पानी बरसा। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक अभी राज्य के अधिकतर इलाकों में बादल पर्याप्त मात्रा में छाए हुए हैं और इसके बने रहने की पूरी संभावना है। इससे गर्मी से

थोड़ी राहत मिलने की संभावना है, मगर मानसून के छत्तीसगढ़ आने के लिए बस्तर समेत अन्य इलाकों में व्यापक बारिश होने का इंतजार है। शुक्रवार सुबह की स्थिति में दक्षिण पश्चिम मानसून की उत्तरी सीमा हरनाई, सोलापुर, हैदराबाद, भद्राचलम, कोरापुट, फूलबनी, ,रांची जमुई, मुजफ्फरपुर है। इसके आने वाले दिनों में महाराष्ट्र, तेलंगाना उड़ीसा, झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ के कुछ भाग में आगे बढ़ने की परिस्थितियां अनुकूल हैं। 20 जून को कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है।

पेज 13 के शेष

नीट परीक्षार्थियों के लिए 10 ट्रेनों...

की सुविधा को ध्यान में रखते हुए हसदेव एक्सप्रेस का रूट 21 जून को अस्थायी रूप से दुर्ग तक विस्तारित किया गया है। साथ ही 08823 छिंदवाड़ा- नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी मेमू पैसेंजर स्पेशल 21 जून को छिंदवाड़ा से शाम 18.00 बजे रवाना होगी। इस मार्ग के अन्य सभी मध्यवर्ती स्टेशनों में ठहरते हुये नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी 22.50 बजे पहुंचेगी।

इन ट्रेनों में लगेंगे अतिरिक्त...

सामान्य कोच। -20 से 22 जून तक बिलासपुर से 18114 बिलासपुर-टाटानगर एक्सप्रेस में 02 अतिरिक्त सामान्य कोच।

इन स्पेशल ट्रेन में कर सकेंगे सफर: 06801 कोरबा- दुर्ग मेमू पैसेंजर स्पेशल 20 जून को कोरबा से 10.00 बजे रवाना होगी। मार्ग के अन्य सभी मध्यवर्ती स्टेशनों में ठहरते हुए दुर्ग 16.15 बजे पहुंचेगी। 06802 दुर्ग–कोरबा मेमू पैसेंजर स्पेशल 20 जून को दुर्ग से शाम 19.05 बजे रवाना होगी। मार्ग के अन्य सभी मध्यवर्ती स्टेशनों में ठहरते हुए कोरबा 00.45 बजे पहुंचेगी। 06803 कोरबा–दुर्ग मेमू पैसेंजर स्पेशल 21 जून को कोरबा से सुबह 04.00 बजे रवाना होगी। इस दौरान मार्ग के अन्य सभी मध्यवर्ती स्टेशनों में ठहरते हुए दुर्ग 10.50 बजे पहुंचेगी। 06804 दुर्ग–कोरबा मेमू पैसेंजर स्पेशल दिनांक 21 जून 2026 को दुर्ग से शाम 19.05 बजे रवाना होगी तथा मार्ग के अन्य सभी मध्यवर्ती स्टेशनों में ठहरते हुए कोरबा 00.45 बजे पहुंचेगी ।

राशन दुकानों में चावल की...

चावल की भरपाई नहीं करा रहे हैं, जिससे विभाग अब इनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की तैयारी में है।

खाद्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार जोरा स्थित शासकीय उचित मूल्य की दुकान आईडी 442001026 में पिछले वर्ष जांच के दौरान 389 क्विंटल चावल शॉर्टेज मिला था, जिसकी कीमत 15 लाख रुपए से अधिक है। विभाग ने दुकान समिति के अध्यक्ष एवं विक्रेता को शॉर्टेज चावल की भरपाई करने के लिए नोटिस जारी किया था, लेकिन इसके बाद भी उनके द्वारा पिछले कई महीनों से न ही चावल जमा किया गया और न ही बदले में राशि जमा कराई गई है। इस मामले में अब विभाग ने समिति के अध्यक्ष एवं विक्रेता के खिलाफ तेलीबांधा थाना में एफआईआर कराई है।

सेरीखेड़ी दुकान में 450...

220 क्विंटल चावल, रायपुर स्थित 441001290 तथा 441001291 में 200 से 250 क्विंटल चावल का शार्टेज मिला है। इसके अलावा ग्राम गनौद आरंग दुकान में भी लगभग 175 क्विंटल चावल का शार्टेज मिला है। इन सभी दुकानों की समिति प्रभारियों द्वारा नोटिस जारी किए जाने के बाद भी चावल या बदले में राशि जमा नहीं करा रहे हैं।

ट्रेनिंग के बाद नौकरी देने का झांसा, युवती को बंधक बनाकर 31 हजार रुपए की ठगी

पैसे नहीं देने पर युवती को नौकरी नहीं दी तथा अपनी निगरानी में बंधक बनाकर रखा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

सुकमा की एक युवती को ट्रेनिंग के बाद नौकरी देने 31 हजार रुपए ठगी करने तथा बंधक बनाने की घटना सामने आई है। युवती के जीजा की शिकायत पर खमतराई थाने की पुलिस ने एक युवती सहित तीन लोगों के खिलाफ ठगी की रिपोर्ट दर्ज की है।

बंधक बनाने तथा ठगी की घटना 14 से 16 जून के बीच की है। आयतू बेसरा ने अपनी साली किरण नाग के साथ ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। युवती के जीजा ने पुलिस को बताया है कि काजल सिंगरौरे, आशीष कुमार मरावी तथा अरफान खान पंजाब वाले ने उसकी साली के साथ ठगी की है। युवती का जीजा रायपुर के एक ढाबा में खाना बनाने का काम करता है। युवती ने अपने जीजा को 16 जून को कॉल कर बताया कि वह श्रीनगर स्थित लीड ट्रेनिंग हब सेंटर जिसमें प्रोडक्ट डायरेक्ट सेलिंग का ऑनलाइन काम होता है, जिसमें वह नौकरी करने के लिये 11 जून को सुबह 09.30 बजे से आयी है। ट्रेनिंग हब सेंटर में इंटरव्यू होने के बाद उसने अपने सभी जरूरी दस्तावेज जमा किए। इसके बाद काजल तथा आशीष ने युवती से पीजी रूम तथा खाने-पीने के नाम पर अलग से ढाई हजार रुपए लिए।

खमतराई थाना क्षेत्र की घटना

ऊंची पोस्ट के नाम पर पैसों की डिमांड

युवती ने अपने जीजा को बताया कि आरोपियों ने 15 जून को उसका साक्षात्कार लिया। साक्षात्कार लेने के बाद उसे नौकरी के लिए चयन होने का झांसा दिया। इसके बाद काजल तथा उसके साथी ने पंजाब वाले अरफान खान सर का हवाला देते हुए उसे अच्छा पद देने के लिए हर माह 15 हजार रुपए सैलेरी मिलने का झांसा दिया और तत्काल 46 हजार रुपए जमा करने के लिए कहा।

ससुर ने जमीन गिरवी रखकर 31 हजार दिए

युवती ने इतनी मोटी रकम देने असमर्थता व्यक्त की, तो जालसाजों ने उसे जमीन बेच कर पैसा जमा करने दबाव बनाया। साथ ही उसे पैसा जमा नहीं करने पर नीचे के पद पर पांच से आठ हजार रुपए महीने की सैलेरी वाला पद मिलने की बात कही। इसके बाद युवती ने पैसों के लिए अपने ससुर से संपर्क किया। ससुर ने गांव की जमीन गिरवी रख कर 31 हजार रुपए यूपीआई के माध्यम से जालसाज आशीष के अकाउंट में ट्रांसफर किया।

बंधक युवती को पैसा मंगाने मोबाइल देते थे

31 हजार रुपए ट्रांसफर कराने के बाद युवती पर शेष रकम जमा करने जालसाज दबाव बनाने लगे। पैसा नहीं देने पर काजल तथा उसके साथी ने अपनी निगरानी में युवती को अपने पास रहने के लिए कहा। युवती के इनकार करने पर दोनों ने अरफान खान का हवाला देते हुए जबरन अपने पास रखने कहा। युवती को पैसा मंगाने बात करने मोबाइल दिया जाता था। युवती ने पैसा मंगाने की बात कहते हुए मोबाइल लेकर अपने जीजा को घटना की जानकारी दी। पुलिस के आने की जानकारी मिलने पर काजल तथा आशीष मौके से फरार हो गए।

सम्मान, सांस्कृतिक कार्यक्रम, पोस्टर विमोचन भी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

विश्व सिकलसेल दिवस के अवसर पर स्व. अटल बिहारी वाजपेयी सभागृह रायपुर में सिकलसेल संस्थान छत्तीसगढ़ द्वारा एक भव्य एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सिकलसेल रोग के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना, समय पर जांच एवं उपचार के प्रति लोगों को प्रेरित करना तथा इस क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को सम्मानित करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रायपुर उत्तर विधानसभा के विधायक पुरंदर मिश्रा रहे, अध्यक्षता मोना सेन, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य फ़िल्म विकास निगम ने की तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. विवेक चौधरी, अधिष्ठाता, पं. जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर, डॉ. संतोष सोनकर, अस्पताल अधीक्षक, डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मृति चिकित्सालय तथा डॉ. केआर सोनवानी, राज्य नोडल अधिकारी,

सिकल सेलरोग नियंत्रण कार्यक्रम रहे। स्वागत अभिभाषण देते हुए डॉ. जयंती चंद्राकर, महानिदेशक, सिकलसेल संस्थान छत्तीसगढ़ ने सिकलसेल रोग के प्रति जागरूकता, समय पर जांच, उपचार एवं सामुदायिक सहभागिता की आवश्यकता पर बल देते हुए संस्थान द्वारा किए जा रहे जनहितकारी कार्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में चिकित्सक, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, सिकल सेल रोगी एवं उनके परिजन, नर्सिंग महाविद्यालय की छात्राएँ तथा विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सिकलसेल संस्थान के मीडिया प्रभारी आनंद देव ताम्रकार ने उक्त जानकारी दी।

लंबी कोशिशों के बाद डिकोड हुई विवादों में फंसी 60 फीसदी सीबीसी मशीन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

लंबी कोशिशों के बाद डिकोड हुई विवादित सीबीसी की कई मशीनों के एक्सपायरी होने के दिन नजदीक आने लगे हैं। भुगतान अटकने के बाद सप्लायर कंपनी ने कोड लॉक कर इसे बंद कर दिया था। लंबी प्रक्रिया के बाद तय हुई दिल्ली की एजेंसी ने 60 फीसदी मशीन को पुनः शुरू किया, जिससे राजधानी समेत की स्वास्थ्य केंद्रों में जांच की जा रही है।

खास खबर

सीजीएमएससी और स्वास्थ्य विभाग को विवादों में डालने वाली कंपनी ने वर्ष 2017-18 से 2022-23 के बीच इस ब्लड सेल काउंट मशीन की सप्लाई राज्यभर के विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों में मरीजों की जांच के लिए की थी। बाद में मामला गड़बड़ा गया, संबंधित कंपनी को भुगतान नहीं हुआ। कंपनी ने हेल्थ सेंटरों में जाकर इन मशीनों को कोड के माध्यम से लॉक कर दिया था। सप्लायर कंपनी पर अनियमितता का मामला दर्ज होने के बाद सीजीएमएससी के अफसरों ने इस मशीन को पुनः चालू करने का प्रयास शुरू किया था।

दवा निगम से जुड़े अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि लंबी प्रक्रिया के बाद दिल्ली की कंपनी ने सीबीसी मशीन का लॉक तोड़कर 60 फीसदी मशीनों को पुनः शुरू कराया था। स्वास्थ्य केंद्रों से जुड़े सूत्रों का दावा है कि इन मशीनों के माध्यम से आने वाले मरीजों की जांच की जा रही। लगभग सभी मशीनें मरीजों के रक्त जांच का काम पूरा कर रही हैं। इसके साथ यह भी तर्क दिया गया है कि मरीजों की जांच के लिए उपयोग में आने वाली की मशीन की एक्सपायरी डेट नजदीक आ रही है। विशेषज्ञों के मुताबिक सीबीसी मशीनों की लाइफ सामान्यतः 7 से 10 साल होता है। हेल्थ सेंटरों में मौजूद ज्यादातर मशीनों की उम्र काफी हो चुकी है।

सप्लायर कंपनी ने कोड लॉक किया था, दिल्ली की एजेंसी ने खोला था

रीएजेंट का भी था टोटा

इन मशीनों के लॉक होने के साथ रीएजेंट की कमी स्वास्थ्य विभाग के लिए बड़ी समस्या थी। मसला भी यह था कि संबंधित मशीन में उसे सप्लाई करने वाली कंपनी का ही रीएजेंट उपयोग में सकता था। बड़ा भुगतान अटकने की वजह से कंपनी नई सप्लाई करने से साफ मना कर दिया था जिसके कारण मशीनें डंप हो गई थी। जांच मशीनों का उपयोग नहीं होने के कारण मरीजों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था।

अब एक्सपायरी के दिन नजदीक

फाइल फोटो

आठ सौ अधिक सीबीसी

एजेंसी ने मिले व्यापक आर्डर के आधार पर रायपुर समेत राज्यभर के स्वास्थ्य केंद्रों में करीब 820 मशीन की सप्लाई की थी। इनमें से कई मशीनें कुछ महीने चली थीं और बड़ी संख्या में इनकी पैकिंग भी नहीं खोली जा सकी थी। इस बीच कंपनी के साथ दवा निगम और स्वास्थ्य विभाग के तात्कालीन कई अफसर विवादों में घिर गए और मशीन का मामला अटककर रह गया था।

खबर संक्षेप

नया जीवन नशा मुक्ति केंद्र में रक्तदान शिविर का आयोजन

रायपुर। नया जीवन नशा मुक्ति केंद्र गोकुल नगर में शुक्रवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में नशा मुक्ति केंद्र के मरीजों एवं संस्थान के कर्मचारियों एडिक्शन काउंसलर प्रशांत मिश्रा, सेंटर इंचार्ज संदीप राय एवं गौरव राठौर, दुर्गेश ठाकुर सहित 15 लोगों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों ने नशा न करने तथा समाजहित में नियमित रूप से रक्तदान करने की शपथ भी ली। रक्तदान करने वाले सभी प्रतिभागियों को उनके इस सराहनीय कार्य के लिए सहारा ब्लड एंड कम्पोनेंट द्वारा सम्मानित किया गया। उन्हें उपहार स्वरूप हेलमेट प्रदान किए गए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करना, सड़क सुरक्षा का संदेश देना तथा नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करना था।

बीएससी नर्सिंग के मॉडल आंसर जारी

रायपुर। व्यावसायिक परीक्षा मंडल ने बीएससी नर्सिंग प्रवेश परीक्षा के मॉडल आंसर जारी कर दिए हैं। व्यापम ने यह प्रवेश परीक्षा 11 जून को आयोजित की थी। मॉडल आंसर पर दावा आपत्ति 19 जून तक मंगाए गए हैं। इनके निराकरण पश्चात अंतिम उत्तर व परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे। अभ्यर्थी मॉडल आंसर व्यापम की आधिकारिक वेबसाइट पर देख सकते हैं।

जूनियर डाक्टरों ने निकाला कैंडल मार्च

रायपुर। जूनियर डाक्टर एसोसिएशन के आह्वान पर छत्तीसगढ़ के डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ, इंटर्न्स एवं पीजी रेजिडेंट्स के हितों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों जिसमें स्वास्थ्य सेवाओं में बढ़ती आउटसोर्सिंग तथा इंटर्न एवं पीजी विद्यार्थियों के लंबित एवं अपर्याप्त स्टाइपेंड के विरोध में शुक्रवार को एक शांतिपूर्ण कैंडल मार्च आयोजित किया गया। पदाधिकारियों के मुताबिक यह प्रदर्शन प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था, चिकित्सा शिक्षा और भविष्य के चिकित्सकों के अधिकारों की रक्षा के लिए हमारी सामूहिक आवाज था। जूडा अध्यक्ष डा. पीयूष श्रीवास्तव ने कहा कि अन्य राज्यों की तुलना में यहां दी जाने वाली शिष्यवृति काफी कम है। जबकि जूनियर डाक्टर चिकित्सा महाविद्यालयों की रीढ़ की हड्डी है। उन्होंने कहा कि यहां चिकित्सकों को पर्याप्त संख्या में रोजगार उपलब्ध नहीं है और विभाग स्वास्थ्य सेवाओं में आउटसोर्सिंग की योजना बना रहा है। उन्होंने शासन से जूनियर डाक्टरों के हित में न्योचित फैसला लेने की मांग की है।

छत्तीसगढ़ के कृषि विकास मॉडल का अध्ययन करने पहुंचा महाराष्ट्र का विधायक दल

महाराष्ट्र के विधायकों को धान खरीदी और किसान हितैषी योजनाओं की दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में महाराष्ट्र के विधायक प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से छत्तीसगढ़ में धान खरीदी व्यवस्था, किसानों के हित में संचालित योजनाओं, कृषि क्षेत्र में किए जा रहे सुधारों तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के संबंध में विस्तार से जानकारी ली।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा, छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान राज्य है और यहां की बड़ी आबादी खेती-किसानी पर निर्भर है। राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि को लाभकारी बनाने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को बस्तर की समृद्ध आदिवासी कला एवं संस्कृति के प्रतीक बस्तर आर्ट का स्मृति-चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और राज्य सरकार किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए समन्वित रूप से कार्य कर रही हैं। छत्तीसगढ़ में किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के साथ-साथ कृषि निवेश में सहायता, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, आधुनिक तकनीकों का उपयोग और फसल विविधीकरण को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री साय से मिले महाराष्ट्र के विधायक

ये रहे उपस्थित

प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने कहा कि छत्तीसगढ़ का धान खरीदी मॉडल किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण का सफल उदाहरण है। उन्होंने इस मॉडल के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन कर महाराष्ट्र के धान उत्पादक क्षेत्रों में भी ऐसे प्रयासों को आगे बढ़ाने की बात कही। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, महाराष्ट्र के विधायक डॉ. परिणय फुके, विनोद अग्रवाल, राजू कारेमोरे एवं संजय पुराम, छत्तीसगढ़ मार्कफेड के अध्यक्ष शशिकांत द्विवेदी, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

योजना की विस्तार से दी जानकारी

मुख्यमंत्री ने बताया, प्रदेश में किसानों से 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की जा रही है। राज्य सरकार द्वारा खरीफ विपणन वर्ष में लगभग 141 लाख मीट्रिक टन धान का उपार्जन किया गया है, जो देश में धान खरीदी के सबसे बड़े अभियानों में से एक है। उन्होंने कहा, किसानों की सुविधा के लिए प्रदेशभर में लगभग 2700 धान उपार्जन केंद्र संचालित किए जा रहे हैं, जहां पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित तरीके से धान की खरीदी की जाती है। धान के सुरक्षित भंडारण के लिए संग्रहण केंद्रों और गोदामों का व्यापक नेटवर्क विकसित किया गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा, राज्य सरकार का प्रयास है कि किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके लिए पंजीयन से लेकर धान तौल, परिवहन और भुगतान तक की प्रक्रिया को तकनीक आधारित और सरल बनाया गया है। किसानों को समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने के साथ ही विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत किया जा रहा है। चर्चा के दौरान महाराष्ट्र के विधायक प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने बताया कि छत्तीसगढ़ से लगे महाराष्ट्र के चार जिलों में बड़ी संख्या में किसान धान की खेती करते हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की धान खरीदी व्यवस्था, किसानों को मिलने वाला समर्थन और प्रशासनिक प्रबंधन अत्यंत प्रभावी एवं अनुकरणीय है। राज्य में किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य उपलब्ध कराने तथा खरीदी प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए किए गए प्रयास सराहनीय हैं।

समग्र शिक्षा ने 86 व्यावसायिक शिक्षकों को हटाया, नवीन भर्ती भी नहीं, किया विरोध-प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

■ प्रदेश में व्यावसायिक शिक्षकों के 1507 पद स्वीकृत, इनमें से 478 रिक्त

व्यावसायिक प्रशिक्षकों की नवीन भर्ती तथा सेवा समाप्त किए गए शिक्षकों की बहाली की मांग को लेकर एनएसयूआई ने शुक्रवार को प्रदर्शन किया। एनएसयूआई के अनुसार, प्रदेश में स्वीकृत 1507 व्यावसायिक प्रशिक्षकों के पदों में से 478 पद लंबे समय से रिक्त हैं, जबकि 86 कार्यरत व्यावसायिक शिक्षकों की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। इसके कारण प्रदेश के हजारों विद्यार्थियों की पढ़ाई, कौशल विकास एवं रोजगारोन्मुखी शिक्षा प्रभावित हो रही है। इन रिक्त पदों के कारण कक्षा 9वीं, 10वीं एवं 11वीं में अध्ययनरत लगभग 43 हजार से 57 हजार विद्यार्थी प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हो रहे हैं। प्रशिक्षकों की अनुपलब्धता के कारण विद्यार्थियों को व्यवहारिक प्रशिक्षण एवं निर्धारित पाठ्यक्रम का समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा है।

बहाल हो शिक्षकों की सेवा

समग्र शिक्षा विभाग के आयुक्त कार्यालय के सामने धरने पर बैठे छात्र घंटेभर तक अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी करते रहे। छात्रों ने कहा, एक ओर प्रदेश सरकार शाला प्रवेश उत्सव मनाकर शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित कर रही है, वहीं दूसरी ओर समग्र शिक्षा विभाग व्यावसायिक शिक्षकों को सेवा से पृथक कर शिक्षा व्यवस्था को कमजोर किया जा रहा है। एनएसयूआई ने मांग की है, प्रदेश में रिक्त 478 व्यावसायिक प्रशिक्षकों के पदों पर तत्काल भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ की जाए तथा सेवा समाप्त किए गए 86 व्यावसायिक शिक्षकों को यथावत बहाल किया जाए। एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष अमित शर्मा के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन में वैभव मुजेवार, आलोक सिंह, सेवा साहू, रविंद्र सिंह, लक्की साहू, अनिकेत गोड, लोमेश साहू सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे।

विधायक ने 22 मेधावी विद्यार्थियों को 5-5 हजार रुपए पुरस्कार से किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में विधायक राजेश मूणत ने पिछले शिक्षा सत्र में बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित करने वाले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को 5-5 हजार रुपए के पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा की थी। इसके तहत शुक्रवार को महोबा बाजार शासकीय स्कूल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने 22 छात्र-छात्राओं को 5-5 हजार रुपए का चेक देकर बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट अंक पाने के लिए उन्हें सम्मानित किया।

विधायक राजेश मूणत ने पूर्व में विधानसभा क्षेत्र के सभी स्कूलों का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने घोषणा की थी कि जो भी बच्चे बोर्ड परीक्षाओं में 90 प्रतिशत से ऊपर अंक लाएंगे, उन्हें नकद पुरस्कार दिया जाएगा। इसी कड़ी में महोबा बाजार स्कूल से इस अभियान की शुरुआत हुई। इस स्कूल में 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले 22 छात्र-छात्राओं को 5-5 हजार रुपए का चेक देकर सम्मानित किया है।

223 विद्यार्थियों का मिलेगा पुरस्कार

रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले सभी शासकीय स्कूलों के 90 प्रतिशत से अंक पाने वाले विद्यार्थियों में 223 की पहचान की गई है। इन सभी विद्यार्थियों को 5-5 हजार के चेक प्रदान किए जाएंगे। पिछले सत्र में छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की प्रवीण सूची में स्थान बनाकर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन करने वाले एक छात्र को 25 हजार रुपए की विशेष प्रोत्साहन राशि का चेक प्रदान किया गया, वहीं मेरिट में आने वाली छात्रा को विधायक ने व्यक्तिगत कोष से आधुनिक बैटरी वाली स्कूटी भेंट की थी।

प्रोत्साहन पाकर खिले विद्यार्थियों के चेहरे

महोबा बाजार स्कूल में 5-5 हजार रुपए का चेक से पुरस्कृत होने वाले विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस अवसर पर मूणत ने कहा कि हमारे क्षेत्र के बच्चे हमारे प्रदेश का भविष्य हैं। उन्होंने कहा कि स्कूलों का दौरा किया था, तब मैंने बच्चों की आंखों में आगे बढ़ने का सपना देखा था। मुझे बेहद गर्व है कि हमारे शासकीय स्कूलों के बच्चों ने कड़ी मेहनत कर 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए हैं।

आवास मेला-2025 में संपत्ति खरीदने वाले हितग्राहियों को कार सहित आकर्षक उपहार जीतने का अवसर

आवास मेला-2025 के लकी ड्रॉ विजेताओं की घोषणा 22 को

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल ने वर्ष 2025-26 में आवासीय एवं व्यावसायिक संपत्तियों के विक्रय के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। मंडल द्वारा अप्रैल 2025 से मार्च 2026 के दौरान लगभग 5,145 संपत्तियों का विक्रय किया गया, जिसका कुल मूल्य 1,104 करोड़ रुपए से अधिक है। यह मंडल के इतिहास का अब तक का सर्वाधिक वार्षिक विक्रय है।

शासन द्वारा संचालित वन टाइम सेटलमेंट (ओटीएस-2) योजना अंतर्गत हितग्राहियों को 30 प्रतिशत तक की छूट प्रदान की गई, जिससे लगभग 1,533 संपत्तियों का विक्रय हुआ। इस योजना के माध्यम से लगभग 232.30 करोड़ रुपए मूल्य की संपत्तियां विक्रय हुईं तथा बड़ी संख्या में मध्यम एवं निम्न आयवर्ग के परिवारों को लाभ मिला।

एक ही स्थान पर मिली आवासीय-व्यावसायिक स्थल की जानकारी

इसी क्रम में 23 से 26 नवंबर 2025 तक रायपुर के बीटीआई ग्राउंड शंकरनगर में लगाए गए राज्य स्तरीय आवास मेला-2025 को नागरिकों का व्यापक प्रतिसाद प्राप्त हुआ। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मेले का शुभारंभ किया था। आवास मंत्री ओपी चौधरी के विशेष मार्गदर्शन तथा मंडल अध्यक्ष अनुराग सिंह देव के नेतृत्व में आयोजित इस चार दिवसीय मेले में प्रदेशभर की आवासीय एवं व्यावसायिक योजनाओं की जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई गई। मेले के दौरान मंडल द्वारा राज्य के 26 जिलों में लगभग 2,080 करोड़ रुपए लागत की 56 नई आवासीय योजनाओं का शुभारंभ किया गया। साथ ही लगभग 305 करोड़ रुपए मूल्य की संपत्तियों का विक्रय भी हुआ, जिससे मंडल की योजनाओं के प्रति आमजन का विश्वास और मजबूत हुआ।

हितग्राहियों को मिलेंगे अनेकों उपहार

आवास मेला-2025 तथा उसके बाद 31 दिसंबर 2025 तक मंडल की विभिन्न आवासीय एवं व्यावसायिक योजनाओं में पंजीयन कराकर भवन आवंटन प्राप्त करने वाले पात्र हितग्राहियों के लिए विशेष लकी ड्रॉ आयोजित किया जा रहा है। लकी ड्रॉ के विजेताओं को मारुति स्विफ्ट कार, होंडा शाइन मोटरसाइकिल, एक्टिवा स्कूटी, वॉशिंग मशीन, रेफ्रिजरेटर, टेलीविजन सहित अनेक आकर्षक उपहार प्रदान किए जाएंगे। लकी ड्रॉ का आयोजन 22 जून सोमवार को दोपहर 3 बजे छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मुख्यालय, सेक्टर-19, नवा रायपुर अटल नगर में मंडल अध्यक्ष अनुराग सिंह देव की उपस्थिति में किया जाएगा। लॉटरी पद्धति से आयोजित होने वाली इस प्रक्रिया के पात्र हितग्राही स्वयं उपस्थित होकर अवलोकन कर सकते हैं। मंडल ने सभी पात्र आवंटितियों से इस अवसर पर उपस्थित रहने की अपील की है।

पीएम राहत कैशलेस उपचार योजना प्रशिक्षण कार्यक्रम में अधिकारियों ने दी जानकारी

देश का पहला जिला रायपुर जहां पीएम राहत कैशलेस योजना से हुआ इलाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कैशलेस योजना के तहत इलाज रायपुर, जिले में हुआ है। इस योजना के तहत देश का यह पहला जिला भी है, जहां इस योजना का लाभ मिला है। कलेक्टर गौरव सिंह की उपस्तिथि में शुक्रवार को कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में प्रधानमंत्री राहत कैशलेस उपचार योजना एवं राहवीर योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए संभाग स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

प्रभावी योजना, पुलिस की भूमिका अहम

प्रशिक्षण कार्यक्रम में कलेक्टर ने कहा कि यह प्रभावी योजना है। सभी जागरूक रहें और दूसरों को भी जागरूक करें। इस योजना में पुलिस की भूमिका अहम है। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर कार्य करें और

पूरी कोशिश करें कि कोई भी प्रकरण न छूटे, जिससे कोई भी पीड़ित व्यक्ति इस योजना के लाभ से वंचित न रहे। यह प्रशिक्षण सड़क दुर्घटना पीड़ितों को त्वरित एवं प्रभावी सहायता उपलब्ध कराने तथा पुलिस एवं स्वास्थ्य सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों को योजना के प्रावधानों एवं प्रक्रियाओं की समस्त जानकारी प्रदान करना है।

बिना अग्रिम भुगतान के कैशलेस उपचार की सुविधा : प्रशिक्षण में बताया गया कि प्रधानमंत्री राहत कैशलेस उपचार योजना का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को दुर्घटना के बाद की महत्वपूर्ण अवधि में त्वरित एवं निर्बाध चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। इसके अंतर्गत सूचीबद्ध अस्पतालों में दुर्घटना पीड़ितों को बिना किसी अग्रिम भुगतान के कैशलेस उपचार की सुविधा प्रदान की जाती है, जिससे आपातकालीन परिस्थितियों में आर्थिक कारणों से उपचार में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। प्रशिक्षण के दौरान यह भी बताया गया कि दुर्घटना की सूचना मिलने पर पुलिस प्रथम प्रतिक्रिया दल (फर्स्ट रिस्पॉन्डर) के रूप में तत्काल घटनास्थल पर पहुंचेगी तथा घायल व्यक्ति को निकटतम अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित करेगी।

ई-डीएआर प्रणाली डिजिटल एवं पारदर्शी प्रबंधन का महत्वपूर्ण माध्यम : कार्यक्रम में यह भी जानकारी दी गई कि ई-डीएआर में दुर्घटना एवं पीड़ित से संबंधित जानकारी दर्ज कर निर्धारित समय-सीमा में उसका सत्यापन किया जाएगा। ई-डीएआर प्रणाली सड़क दुर्घटना से जुड़े मामलों के डिजिटल एवं पारदर्शी प्रबंधन का महत्वपूर्ण माध्यम है, जिसके जरिए दुर्घटना, उपचार, पुलिस जांच तथा क्लेम संबंधी समस्त जानकारी एकीकृत रूप से

ये रहे उपस्थित

प्रशिक्षण में डीआईजी एम.आर अहिरे, डीसीपी मयंक गुर्जर, उप परिवहन आयुक्त मनोज ध्रुव, अपर कलेक्टर कीर्तिमान सिंह राठौर, ई-डीएआर परियोजना के राज्य रोलआउट प्रबंधक शशांक शिर्के, ट्रैफिक एडीसीपी विवेक शुक्ला, जिला रोलआउट प्रबंधक अर्चना राजपूत, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथलेश चौधरी, वरिष्ठ क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी आशीष देवांगन, सहित पुलिस विभाग एवं सहायक पुलिस आयुक्त सीमा अहिरवार सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

सरपंच की पीड़ा, चुनाव में प्रतिद्वंद्वी रहे लोग रोक रहे हैं गांव का विकास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

गांव की जनता ने मुझे सेवा करने का मौका दिया और मैं चुनाव जीतकर बुड़ेरा ग्राम पंचायत का सरपंच बना। इसके बाद से गांव का विकास करने के लिए रात-दिन लोगो के सहयोग से प्रयास जारी है, लेकिन प्रतिद्वंद्वी रहे मेरे साथी चुनाव हारने के बाद काम करने से रोकने का प्रयास करते हुए तरह-तरह के अनर्गल आरोप लगा रहे और वीडियो बनाकर लोगों को भ्रमित करते हुए विवाद में उलझाने का प्रयास कर रहे हैं। इसकी शिकायत खरोरा थाना प्रभारी से की है। शुक्रवार को प्रेस क्लब में पत्रकार वार्ता के दौरान जानकारी देते हुए सरपंच राजा भरत साहू ने पुलिस और प्रशासन से

■ पत्रकार वार्ता में बोले- पुलिस और प्रशासन करे सहयोग

सहयोग की मांग की।वार्ता में सवालों का जवाब देते हुए आगे बताया कि मुझे सरपंच बने लगभग एक साल से ज्यादा हो गया है। इस बीच गांव के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी, इतने विकास काम हो रहे, जो पिछले 30 वर्षों में नहीं हुए। वह विकास कार्य आज हो रहे हैं, इसी जनहित से जुड़े काम को पूर्ण करने जनता ने मुझे गांव का प्रधान बनाया है। अभी तक गांव में नया गोठान, स्कूल, बंद पड़े रास्ते, नाली, शेड, पानी जैसे मूलभूत सुविधा से गांव को संवारा है, लेकिन प्रतिद्वंद्वी खेमे से जुड़े लोग विवाद में उलझाने के लिए गाली-गलौज करते हुए दादागिरी करने और अपमानित करने के लिए वीडियो बनाकर प्रसारित करके बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं।

इस मानसिक प्रताड़ना से अब तंग आ गया हूं, इसलिए वार्ता के माध्यम से पुलिस प्रशासन और जिला प्रशासन से मांग करने आया हूं कि ऐसे उपद्रवी तत्वों पर ठोस कार्रवाई करते हुए भयमुक्त वातावरण गांव में निर्मित करने में सहयोग करे, ताकि मैं जनता की सेवा स्वच्छ मानसिकता से कर सकूं।

हरिभूमि लाइव
रायपुर, शनिवार 20 जून 2026
Email id- zindgi.live.hb@gmail.com
0771- 4242222, Message at - 9630172937

महंत घासीदास परिसर मुक्ताकाशी मंच पर रामे-रामे भईया...पंडवानी और चौरा म गोंदा फुलगे...लोकगीतों के सुर गूंजे। यह मौका था तीन दिवसीय संस्कृति शिल्प मड़ई के उद्घाटन कार्यक्रम का। शुक्रवार को शाम 7 बजे पंडवानी गायिका प्रभा यादव ने अपनी अद्भुत पंडवानी गायन शैली में महाभारत की भीमसेन पाताल विजय प्रसंग सुनाकर किया।

चौरा म गोंदा फुलगे...लोकगीत और पंडवानी में भीमसेन पाताल विजय प्रसंग सुन भावविभोर हुए दर्शक

महंत घासीदास परिसर में तीन दिवसीय संस्कृति शिल्प मड़ई का भव्य आगाज

रायपुर। पंडवानी गायिका ने जैसे ही रामे-रामे मोर रामे-रामे भईया...सुर साधा तो दर्शक दीर्घा में उपस्थित लोककला प्रेमी भावविभोर हो उठे। वहीं प्रसिद्ध लोकगायिका कविता वासनिक ने लोकगीतों में अपने सबसे लोकप्रिय चौंरा म गोंदा फुलगे....पता दे जा रे, पता ले जा रे गाड़ीवाला...जसगीत, तैं नव दुर्गा कहाए...ददरिया पागा म खुमरी...कर्मा गीतों की प्रस्तुति से समां बांधा। संस्कृति शिल्प मड़ई में पंडवानी गायिका ने जहां ऐतिहासिक महाभारत युद्ध के दौरान घटे विविध प्रसंगों का पारंपरिक लोककला अभिनय शैली में जीवंत वर्णन और भावात्मक प्रस्तुति से दर्शकों में रोमांच व उत्साह भर दिया। वहीं लोकगायिका ने छत्तीसगढ़ की जीवन संस्कृति में प्रेम के गीतों को कर्णप्रिय लोक सुरों की प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में पंडवानी और लोकगीतों की मनमोहक प्रस्तुतियों का आनंद लेने बड़ी संख्या में दर्शक देर रात तक उमड़े रहे।

लोकसंस्कृति से रूबरू हुई नई पीढ़ी

धरोहर शैक्षणिक, सामाजिक सांस्कृतिक संस्थान द्वारा संस्कृति विभाग के सहयोग से आयोजित संस्कृति शिल्प मड़ई 19 से 21 जून तक संस्कृति महंत घासीदास संग्रहालय परिसर में आयोजित है, जहां लोगों का छत्तीसगढ़ की पारंपरिक सांस्कृतिक धरोहरों से रूबरू होने का अवसर मिल पा रहा है। संस्कृति शिल्प मड़ई नई पीढ़ी को अपनी पारंपरिक लोकसंस्कृति से जुड़ने का यह एक बेहतरीन मंच मिल रहा है।

विलुप्त पारंपरिक लोकवाद्यों व कृषि यंत्रों की प्रदर्शनी भी

संस्कृति शिल्प मड़ई में सुबह 11 बजे से विलुप्त होते लोकवाद्य, विलुप्त होते कृषि यंत्र, ढेलवा झूला तथा स्थानीय शिल्प कलाकारों की कलाकृति की प्रदर्शनी लगाई गई। इस प्रदर्शनी में आरंग से पहुंचे दयालुराम यादव ने कृषि यंत्र में बैल-गाड़ी, नागर-जुड़ा, गेरवा-नोई, घांघड़ा और घरों में दैनिक उपयोग में इस्तेमाल किए जाने वाले सामग्री में जांता, सील लोढ़हा, अनाज नापने की बर्तन काठा-पैली आदि की प्रदर्शनी लगाई। वहीं पारंपरिक लोक वाद्ययंत्र वादक संजू सेन ने बांसुरी, बांसगीत वादन यंत्र सहित विलुप्त प्राय लोकवाद्यों की प्रदर्शनी लगाई है।

कार्यक्रम में ये रहे उपस्थित

संस्कृति शिल्प मड़ई का उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि रायपुर दक्षिण के विधायक सुनील सोनी ने किया। उन्होंने कहा कि संस्कृति शिल्प मड़ई पारंपरिक धरोहरों व संस्कृति को सहेजने का प्रेरणात्मक आयोजन है। उनके साथ धरोहर शैक्षणिक, सामाजिक सांस्कृतिक संस्थान के लोक कलाकार राकेश तिवारी सहित लोक कलाकार एवं संस्कृति विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

लाइव इवेंट

सप्रे जी ने भारत के भीतर कराया स्वदेशी और स्वभाषा का बोध

रायपुर। पं. माधवराव सप्रे जयंती पर शुक्रवार को महाराष्ट्र मंडल, छत्तीसगढ़ मित्र, जय जोहार साहित्य एवं संस्कृति संस्थान के संयुक्त आयोजन में छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा ने बतौर मुख्य अतिथि कहा कि सप्रे जी ने हिंदी पत्रकारिता के माध्यम से भारतीय ज्ञान परंपरा को समृद्ध किया। एक ओर उदंत मार्तण्ड ने प्रारंभिक योगदान दिया तो दूसरी ओर छत्तीसगढ़ मित्र के माध्यम से सप्रेजी ने योगदान दिया। भारत के भीतर स्वदेशी और स्वभाषा का बोध सप्रे जी ने कराया। समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. परदेशी राम वर्मा ने की। डॉ. सुशील त्रिवेदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ मित्र का दो सौ वर्ष की हिंदी पत्रकारिता में अतुलनीय योगदान है। सप्रे जी ने हिंदी पत्रकारिता के माध्यम से भाषा को तेजस्विता प्रदान की। वरिष्ठ पत्रकार गिरीश पंकज ने कहा, अब छत्तीसगढ़ की पत्रकारिता में जो संस्कार दिखाई देता है, उसका श्रेय पं. माधवराव सप्रे को जाता है।

भाषा अनुवाद को उस दौर में किया प्रोत्साहित

मंडल के अध्यक्ष अजय काले ने कहा कि महाराष्ट्र मंडल सर्व समावेशी संस्था है, जो महापुरुषों की जयंती मना रही है। सप्रे जी ने हिंदी और मराठी में भाषा अनुवाद को उस समय प्रोत्साहित किया। आयोजन समिति के संयोजक डॉ. सुधीर शर्मा ने कहा कि सप्रे जी व्यक्तित्व विकास के प्रबल समर्थक रहे। आयोजन में पांच मराठी मातृभाषी लेखकों और पत्रकारों का सम्मान किया गया। इनमें वरिष्ठ पत्रकार अनिल पुसदकर, प्रशांत कानस्कर, वरदा जोशी, लतिका भावे, साधना रहटगांवकर और दिल्ली की पत्रिका अनुस्वार के संपादक डॉ. संजीव कुमार शामिल रहे। अतिथियों का स्वागत श्यामसुंदर खंगन, डॉ. कमल वर्मा, हेमंत मार्डीकर, जसवंत क्लाडियस, विजय मिश्रा, शिरीष त्रिवेदी आदि ने किया। अंतिम कड़ी में रवींद्र ठेंगड़ी ने आभार प्रकट किया।

सिटी इवेंट

स्कूल-कॉलेज में पढ़ाएं मानसिक स्वास्थ्य-मानवीय मूल्यों का पाठ

रायपुर। एनआईटी में मानसिक स्वास्थ्य एवं मानवीय मूल्य विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला संस्थान के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग द्वारा 8 जून से 19 जून तक आयोजित किया गया। शुक्रवार को कार्यशाला के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि डॉ. मनोज चोपकर, अधिष्ठाता छात्र कल्याण शामिल हुए। कार्यशाला का उद्देश्य आत्म-जागरूकता, भावनात्मक स्वास्थ्य तथा मूल्य-आधारित जीवनशैली को बढ़ावा देना रहा। साथ ही प्रतिभागियों को सार्थक संवाद और आत्म-समझ के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करना भी इसका प्रमुख लक्ष्य रहा। कार्यशाला का समन्वयन मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग की मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता डॉ. हिना चावड़ा द्वारा किया गया। वहीं मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. समीर बाजपेयी बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। डॉ. हिना चावड़ा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और दस दिनों तक चले विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए स्वयं को जानना आवश्यक है अर्थात मैं कौन हूं एवं सही जीवन जीने का क्या तरीका है, यह समझ होने पर ही हम डिप्रेशन जैसी समस्या का कारण एवं समाधान से परिचित रहेंगे। अगर हम इसके प्रति जागरूक रहेंगे तो हम डिप्रेशन के शिकार नहीं होंगे। शरीर के स्वास्थ्य के ज्ञान के साथ साथ मन के स्वास्थ्य की जानकारी भी होनी चाहिए, जिसे स्कूल-कॉलेज के सिलेबस में अनिवार्य करना चाहिए। उन्होंने नकारात्मकता से सकारात्मकता पर ध्यान केंद्रित करने के महत्व पर जोर दिया।

जीवन में निरंतर व्यवहार में लाएं

कार्यशाला के समापन समारोह में डॉ. समीर बाजपेयी ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि मानसिक स्वास्थ्य और व्यक्तिगत विकास के लिए मानवीय मूल्यों को दैनिक जीवन में अपनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने प्रतिभागियों को कार्यशाला से प्राप्त सीख को अपने जीवन में निरंतर व्यवहार में लाने के लिए प्रेरित किया।

अनुभवों और सीख को किया साझा

समापन कार्यक्रम के दौरान एक फीडबैक सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने कार्यशाला से प्राप्त अनुभवों और सीख को साझा किया। इसके पश्चात प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए तथा कार्यक्रम की स्मृति को संजोने के लिए सामूहिक फोटोग्राफी सेशन भी रखा गया।

फैशनोत्सव में विंटर ब्लैंकेट थीम और शाही ब्राइडल शरारा से रैंप पर बिखेरा जलवा

रायपुर। मैट्स स्कूल ऑफ डिजाइन में वार्षिक फैशन शो 'फैशनोत्सव-26' का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन में फैशन और रचनात्मकता की शानदार प्रस्तुति देखने को मिली। शो का आगाज अंतिम वर्ष के छात्रों द्वारा प्रस्तुत शाही मुगल ब्राइडल शरारा कलेक्शन के साथ हुआ। फैशन शो का मुख्य आकर्षण फैशन राउंड रहा, जिसमें प्रतिभागियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। स्टूडेंट्स ने फैशन शो के रैंप पर गजब के आत्मविश्वास और कलात्मक अभिव्यक्ति को प्रदर्शित कर आकर्षित किया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि अनुभा गोयल आयकर आयुक्त रायपुर और विशिष्ट अतिथि विमला नवारिया विशेष सचिव उच्च शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर डॉ. केपी यादव, प्रति-कुलपति डॉ. दीपिका ढांढ, रजिस्ट्रार गोकुलानंद पांडा और स्कूल ऑफ डिजाइन की प्रमुख परविंदर कौर उपस्थित रहीं। अतिथियों ने फैशनोत्सव-26 में भाग ले रहे छात्र-छात्राओं के नवाचारों की सराहना कर उनका उत्साह बढ़ाया।

बेस्ट डिजाइनर के पुरस्कार की घोषणा

शो के अंत में बेस्ट डिजाइनर के पुरस्कार की घोषणा की गई, जिसने इस आयोजन की प्रतिस्पर्धात्मक भावना को और अधिक यादगार बना दिया। संकाय सदस्यों के समर्पित प्रयासों और छात्रों की कड़ी मेहनत ने 'फैशनोत्सव-26' को एक ब्रांड सफलता के रूप में स्थापित किया है। इस ऐतिहासिक आयोजन की सफलता पर गर्व व्यक्त करते हुए, कुलाधिपति गजराज पगारिया और महानिदेशक प्रियेश पगारिया ने पूरी टीम को बधाई दी। आयोजन का सबसे भावुक और प्रेरणादायक क्षण दिव्यांग बच्चों द्वारा प्रस्तुत जल संरक्षण पर केंद्रित नेचर राउंड रहा। तत्पश्चात आर्किटेक्चरल आकृतियों, अभिनव विंटर ब्लैंकेट थीम, निटवियर, सेमी-फॉर्मल कलेक्शन और प्रकृति से प्रेरित प्लांट इंस्पायर्ड राउंड के माध्यम से छात्रों ने अपनी असाधारण रचनात्मकता का परिचय दिया। अंत में डिजाइनर राउंड ने विरासत, शिल्प कौशल और शाश्वत फैशन शैली को समृद्ध रंगों के साथ समेटते हुए शो का गरिमामयी समापन किया।

श्रमिकों के बच्चों के लिए अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना में आवेदन 22 जून से

रायपुर। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा संचालित अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के तहत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के प्रतिभावान बच्चों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। योजना के माध्यम से बच्चों को राज्य के चयनित निजी आवासीय विद्यालयों में कक्षा 6वीं से 12वीं तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाएगी। योजना के अंतर्गत चयनित विद्यार्थियों की शैक्षणिक फीस, आवासीय सुविधा, भोजन, गणवेश, लेखन सामग्री सहित अन्य आवश्यक खर्चों का वहन कल्याण मंडल द्वारा किया जाएगा। इसका उद्देश्य निर्माण श्रमिकों के बच्चों को बेहतर शैक्षणिक अवसर उपलब्ध कराकर उनके उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करना है। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए पात्र एवं पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों को श्रम विभाग के पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन प्रक्रिया, पात्रता एवं चयन संबंधी विस्तृत जानकारी पोर्टल पर उपलब्ध रहेगी। ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 22 जून 2026 से शुरू होगी तथा 3 जुलाई 2026 तक आवेदन किए जा सकेंगे। इच्छुक आवेदक श्रम विभाग के पोर्टल https://shramevjay-ate.cg.gov.in/shramik पर आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा निकटतम श्रम कार्यालय, लोक सेवा केंद्र, श्रमेव जयते एप एवं पोर्टल के माध्यम से भी आवेदन की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

मॉक टेस्ट डिस्कशन बना सफलता की कुंजी, थ्योरी नहीं, अब प्रैक्टिस पर जोर

कार्नर न्यूज

री-नीट एग्जाम में सफल होने मॉक टेस्ट डिस्कशन से खुद को तैयार कर रहे स्टूडेंट्स

रायपुर। री-नीट परीक्षा में सफलता के लिए मॉक टेस्ट केवल अभ्यास नहीं, बल्कि स्टूडेंट्स की कमियों को सुधारने का सबसे बेहतर माध्यम है। यह परीक्षार्थियों को वास्तविक परीक्षा का माहौल, समय प्रबंधन और कठिन प्रश्नों से निपटने का सही तरीका सिखाता है। चूंकि अब री-नीट एग्जाम के लिए थ्योरी रिवीजन का समय नहीं है, ऐसे में एक्सपर्ट परीक्षार्थियों को क्लास में मॉक टेस्ट डिस्कशन से सटीक तैयारी करा रहे हैं। री-नीट परीक्षा की परीक्षा के लिए रायपुर के कोचिंग संस्थान और विशेषज्ञ शिक्षक एक्शन मोड में हैं। 21 जून को होने वाली री-नीट परीक्षा के लिए स्टूडेंट्स को मानसिक और शैक्षणिक रूप से रिचार्ज करने का काम शुरू हो चुका है। क्लासरूम से लेकर वॉट्सएप ग्रुप तक, हर स्तर पर तैयारी पर जोर दिया जा रहा है।

मॉक टेस्ट डिस्कशन, कमियों को सुधारने का सबसे बेहतर माध्यम

एक्सपर्ट का मानना है कि री-नीट में सफलता के लिए मॉक टेस्ट केवल अभ्यास नहीं, बल्कि स्टूडेंट्स की कमियों को सुधारने का सबसे बेहतर माध्यम है। यह परीक्षार्थियों को वास्तविक परीक्षा का माहौल, समय प्रबंधन और कठिन प्रश्नों से निपटने का सही तरीका सिखाता है। चूंकि अब थ्योरी रिवीजन का समय नहीं है, ऐसे में कोचिंग क्लासेस में मॉक टेस्ट डिस्कशन से सटीक तैयारी कराई जा रही है।कोचिंग संचालक ने बताया कि दोबारा एग्जाम देने को लेकर परीक्षार्थियों में भारी मानसिक दबाव देखने को मिला है। री-नीट एग्जाम की तैयारी के लिए फिलहाल 50 प्रतिशत स्टूडेंट्स ही क्लास पहुंच रहे हैं। जो स्टूडेंट्स कोचिंग नहीं आ पा रहे, उनसे वॉट्सएप ग्रुप के माध्यम से जुड़कर उनका मनोबल बढ़ाया जा रहा है।

पिछली गलतियों को सुधार कर सिखा रहे समय प्रबंधन

फिजिक्स एक्सपर्ट ने बताया कि री-नीट में भाग ले रहे स्टूडेंट्स को कोचिंग क्लास में लगातार टेस्ट के माध्यम से तैयार किया जा रहा है। इस दौरान स्टूडेंट्स को हर परीक्षा के लिए स्वयं को तैयार रहने की सीख दी जा रही है। परीक्षा हॉल में समय का ध्यान रखने और विषयवार टॉपिक्स पर फोकस करना बताया जा रहा है। समय प्रबंधन के लिए जीव विज्ञान को 40-45 मिनट, रसायन विज्ञान को 45-50 मिनट और भौतिकी के लिए 60 मिनट तक का समय निर्धारित करने की सलाह दी जा रही है। कोचिंग में टेस्ट का समय और पैटर्न बिल्कुल नीट जैसा फॉलो कराया जा रहा है ताकि पिछली परीक्षा में हुई गलतियों को दूर किया जा सके।

21 जून को दोपहर 2 बजे से परीक्षा

गौरतलब है कि एनटीए द्वारा रद्द की गई नीट परीक्षा का दोबारा आयोजन अब 21 जून को किया जाएगा। 3 मई को हुई परीक्षा में पेपर लीक होने की घटना के बाद इसे रद्द कर दिया गया था। री-नीट परीक्षा का समय दोपहर 2 बजे से शाम 5.15 बजे तक निर्धारित है। स्टूडेंट्स और टीचर्स दोनों का मानना है कि मेहनत कभी बेकार नहीं जाती। यह दूसरा मौका है खुद को साबित करने का।

इवेंट लाइव

फिल्मी गीतों और भजनों से महफिल सजाएंगे युवा फनकार

रायपुर। हर साल अलग-अलग थीम पर युवा फनकारों को मंच देने वाली संस्था स्वरांश म्यूजिकल ग्रुप की पहल पर दूसरी बार एक भव्य आयोजन शनिवार की शाम साढ़े 6 से 11 बजे तक किया जाएगा। रजबंधा मैदान स्थित मायाराम सुरजन हॉल में होने वाले इस संगीतमय आयोजन में ग्रुप द्वारा दूसरी बार युवा फनकारों को फिल्मी गीतों और भजनों से महफिल सजाने के लिए मंच दिया जाएगा। शुक्रवार को प्रेसक्लब में आयोजित पत्रकारवार्ता में यह जानकारी कार्यक्रम की डायरेक्टर रीना मल्लिक और मंच संचालक लक्ष्मीनारायण लाहोटी ने दी। उन्होंने संयुक्त रूप से बताया कि इस प्रोग्राम में करीब 40 गीतों और भजनों की प्रस्तुति श्रोताओं के बीच खुशनुमा माहौल निर्मित करेगी। आयोजन को यादगार बनाने के लिए विगत 15 दिनों से रिहर्सल और तैयारी का दौर जारी है।

प्रतिभाओं को मंच देने ग्रुप करेगा भव्य आयोजन

प्रोग्राम की डायरेक्टर श्रीमति मल्लिक ने बताया कि इसमें प्रमुख सहयोगी शशांक मल्लिक हैं। इस बार गायक कलाकारों में पल्लवी राव, पंचमी सेन्द्रे, किट्टू सिन्हा, डॉ. जीशान खान, अतीक रहमान, संजय सिंह, प्रहलाद शेलार शामिल हैं। इस कार्यक्रम के सभी गीतों को सुप्रसिद्ध गायक, गायिकाओं द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। इस बार शीर्ष गीत के रूप में 'तुम पुकार लो'.., एवं 'तुमसे मिलके जिंदगी'...,जैसे गीतों का समावेश होगा। इस बार मंच पर प्रस्तुति देने वाले फनकारों में कई ऐसे है, जो पहली बार किसी आयोजन का हिस्सा बनेंगे। इसका उद्देश्य भी नई प्रतिभाओं को तराशना और उन्हें गायन के लिए प्रेरित करना है।

● प्रोफेसर कॉलोनी स्थित अघोर पीठ श्रीधाम सुमेरु मठ में 21 से 26 जून तक भक्तिभाव से मनेगा महोत्सव

अघोर महोत्सव में श्रीयंत्र के नीचे सभागृह में ध्यान और मंत्रोच्चार करने वाले साधकों को मिलेगी सकारात्मक ऊर्जा

'शहर के प्रोफेसर कॉलोनी स्थित अघोर पीठ श्रीधाम सुमेरु मठ में 21 से 26 जून तक अघोर महोत्सव की धूम मचने वाली है। श्रीयंत्र के नीचे सभागृह में विभिन्न शहरों और राज्यों से आने वाले ध्यान साधना और मंत्रोच्चार करेंगे। इससे लोगों को सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी। रुद्रानंद प्रचंड वेग नाथ के सानिध्य में असम स्थित कामाख्या शक्तिपीठ में धरती माता के रजस्वला काल के शुभ अवसर पर प्रतिवर्ष की भांति औघड़नाथ दरबार में इस साल भी भव्य अघोर महोत्सव एवं श्रीयज्ञ अनुष्ठान का आयोजन होगा। इसके पहले मठ में तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।'

साधना से होगा सकारात्मक ऊर्जा का संचार

सुमेरु मठ के पीठाधीश्वर ने बताया कि सवा 37 फीट लंबा-चौड़ा और 30 फीट ऊंचाई वाला श्रीयंत्र राजधानी के अलावा कहीं नहीं है। श्रीयंत्र में स्थित 43 पारद शिवलिंग के नीचे सभागृह में शिवलिंग प्रतिष्ठापित है। श्रीयंत्र के नीचे सभागृह में बैठकर ध्यान, मंत्रोच्चार करने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इसलिए भी लोग साधना करने के लिए दूरदराज से आते हैं। इस महोत्सव में भी साधकों की सहभागिता सुनिश्चित करने तैयारी की गई है। आने वाले लोगों के लिए किराए का मकान लिया जाता है, जहां उन्हें रहने की सुविधा दी जाएगी। इसके साथ ही महोत्सव के पहले दिन सभी साधकों को दिनचर्या की जानकारी दी जाएगी।

रायपुर। सुमेरु मठ के संदर्भ में प्रचंड वेग नाथ ने बताया कि मठ का गुंबद कई कारणों से आकर्षण का केंद्र है। दावा किया कि विश्व में यह एकमात्र श्रीयंत्र आकार का गुंबद है, जिसमें 43 कोण बने हैं। इनके प्रत्येक कोण में पारद शिवलिंग है। कुल 43 पारद शिवलिंग का गुंबद किसी मठ-मंदिर में नहीं है। सुमेरु मठ की छत पर सीमेंट से गुंबद बनाने में ही चार साल लगे। साल 2018 में गुंबद बनना शुरू हुआ था। एक साल में गुंबद के सभी कोण तैयार कर लिए गए थे। 2020 में प्रतिष्ठापना की जानी थी, लेकिन कोरोना के चलते धर्मस्थल महीनों तक बंद रहा। अब सभी कोणों में शिवलिंग की स्थापना की गई। इस साल श्रद्धालुओं के लिए यह श्रद्धा और भक्ति सहित आकर्षण का केंद्र भी बनने वाला है। इसमें शामिल होने के दूसरे राज्यों और शहरों से आने वाले साधकों को रहने की सुविधा दी जाएगी।

23 साल से किया जा रहा त्रिकुंड में हवन

प्रचंड वेग नाथ ने बताया कि मठ में तीन कोण वाला हवन कुंड है। इसमें 23 साल से प्रतिदिन हवन किया जाता है। त्रिकोण कुंड के ऊपर कलश से हमेशा घी की बूंदें अग्नि कुंड में गिरती हैं। हवन से आसपास का वातावरण शुद्ध होता है। उन्होंने बताया कि 2003 में बाबा औघड़नाथ ने स्वयं धूनी प्रज्ज्वलित की थी, जिसकी सेवा का दायित्व उनके निर्देश पर निभा रहा हूं। बाबा द्वारा प्रज्ज्वलित की गई धूनी 23 वर्षों से साधना का माध्यम है। इस गुप्त साधना में प्रवेश करने के बाद लोग भक्ति में लीन हो जाते हैं।

अंबूवाची योग में विशेष पूजा का नियम

मठ में ज्येष्ठ-आषाढ़ माह में जब सूर्य आद्रा नक्षत्र में प्रवेश करता है, तब विशेष हवन-पूजन किया जाता है। इसे अंबूवाची योग कहते हैं। इस दौरान पांच दिवसीय अघोर महोत्सव मनाया जाता है। श्रद्धालु हवन में आहुति देकर सुख, समृद्धि के लिए कामना भी करते हैं। सुमेरु मठ में अघोर महोत्सव में अघोरपंथ के गुरु बाबा औघड़नाथ की पूजा-आराधना, अखंड योनी कुंड में पंच संधिकाल में हवन का नियम पालन प्राथमिकता से साधकों द्वारा किया जाता है।

सिटी लाइव

गुरु पूर्णिमा महोत्सव पर सुधांशु महाराज के प्रवचनों से बनेगा भक्तिमय माहौल

रायपुर। लगातार 26वें वर्ष भी विश्व जागृति मिशन के संस्थापक एवं देश-विदेश में लोकप्रिय सद्गुरु सुधांशु महाराज के सानिध्य में 27 और 28 जून को गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर सुधांशु महाराज का दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास भी होगा। इस दौरान 27 जून यानी शनिवार को साइंस कॉलेज परिसर स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में शाम 5 से 7 बजे तक प्रवचन का आयोजन होगा। इसमें छत्तीसगढ़ के धर्मप्रेमियों को अपनी ओजस्वी वाणी से निहाल करेंगे। इस अवसर पर महाराज मानसिक एवं पारिवारिक तनाव, बच्चों और विद्यार्थियों को धर्म से जोड़ने के लिए सरल उपाय जैसे विषय पर अपना व्याख्यान देंगे। यह जानकारी शुक्रवार को आयोजकों ने पत्रकारवार्ता में दी।

निर्माणाधीन कैलाश मानसरोवर का करेंगे अवलोकन

विश्व जागृति मिशन द्वारा तय किए गए आयोजन के ब्रोशर को सार्वजनिक किया गया। आयोजन के संदर्भ में दिलीप सचदेव, विनोद शर्मा, विनोद अग्रवाल, मीनल कांत अग्रवाल, सुशील शर्मा ने प्रेसवार्ता में बताया कि सद्गुरु सुधांशु महाराज छत्तीसगढ़ में सनातनी धर्मप्रेमियों के आग्रह पर एवं सदगुरु महाराज की कल्पना को साकार करते हुए ब्रह्मलोक आश्रम परसदा में निर्मित 91 फीट ऊंचे श्री कैलाश मानसरोवर निर्माण का अवलोकन करते हुए दिशा निर्देश भी देंगे। मीडिया प्रभारी अश्विनी विग ने बताया कि 28 को सदगुरु महाराज सुबह 08 से दोपहर 12 बजे तक परसदा स्थित विश्व जागृति मिशन आश्रम में गुरु दर्शन, चरण पादुका पूजन के बाद धर्म प्रेमियों को आशीर्वचन प्रदान करेंगे।

परमात्मा से माता पिता, गुरु, शिक्षक, बालक के रूप में संबंध जोड़ कर उन्हें प्रेम से करें याद

रायपुर। जो हर कार्य कल पर छोड़ते है वो अलबेलापन आलस्य के संस्कार के अधीन है, कल और काल का कोई भरोसा नहीं, हर क्षण अंतिम घड़ी, आदि अविनाशी सत्तोप्रधान आत्म निश्चय से सृष्टि रूपी रंगमंच पर कर्म करे। पुरुषार्थ फर्स्ट है, जिसके आधार पर प्रालब्ध बनती है। यह बातें प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा सेक्टर 7 स्थित पीस ऑडिटोरियम में छत्तीसगढ़ प्रवास में अहमदाबाद से आई युवा प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका तथा वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगीनी ब्रह्माकुमारी चंद्रिका दीदी ने कही। उन्होंने बताया कि सृष्टि कर्म और न्याय के सिद्धांत पर चलती है। इस अवसर पर डिवाइन ग्रुप के बच्चों ने सुंदर सांस्कृतिक स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया। बीके चंद्रिका दीदी ने उदाहरण देते हुए कहा कि भगवान से तो कुछ नही छिपता, तो मैं क्यों छुपाऊं, परमात्मा से हर बात बताओ। परमात्मा सदा हाजिर रहता है साथ देने लेकिन बच्चे सदा भूल जाते हैं, परमात्मा में मेरा निश्चय मुझे निश्चिंत और निर्भय बनाता है। अक्सर हम हमारे तनाव, दुखी और मूड ऑफ होने का दोषारोपण दूसरों को समझते है, लेकिन मेरे अपने संस्कारों, व्यर्थ चिंतन, टू मच थिंकिंग के कारण हम अत्यधिक चिंतित है।

अपनी ही कमी कमजोरी से वैराग्य आवश्यक है

ब्रम्हकुमारी चंद्रिका दीदी ने अपनी ही कमी कमजोरी से वैराग्य आवश्यक है का समाधान बताते हुए कहा कि परमात्मा से माता पिता, गुरु, शिक्षक, सखा, बालक के रूप में संबंध जोड़ कर उन्हें प्रेम से याद करें। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस में हम विभिन्न आसनों का प्रयोग करेंगे शारीरिक दक्षता के लिए, लेकिन परमात्मा से संबंध जोड़कर याद करना राजयोग का प्रमुख चरण है। विचित्र भगवान की सृष्टि रूपी रंगमंच की विचित्र लीला को उसके साथ साक्षी होकर देखो, तो आपसे भाग्यवान और कोई नहीं होगा,जो भी आपके संबंध संपर्क में आएगा उसका भी तनाव दूर हो जाएगा। सबकी एक कम्पलेन रहती है कि दूसरे नहीं बदलते, संग अच्छा नहीं है, इस कारण मन से शक्तिशाली नहीं बन सकते। लेकिन परमात्म श्रेष्ठ मत के आधार पर ज्ञान स्वरूप, शक्ति स्वरूप के वरदानी बन अपनी स्थिति को अचल बनाओ। साक्षी होकर हर एक का पार्ट देखो। अपने सतोगुणी पार्ट में स्थित रहो।

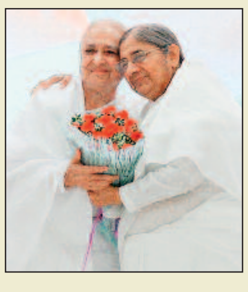

वृद्धजनों का सम्मान केवल संस्कृति नहीं, सभ्य समाज की पहचान भी

रायपुर। वरिष्ठ नागरिक महासंघ के तत्वावधान में हाउसिंग बोर्ड में एक सार्थक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान जानकारी दी गई कि इस वर्ष विश्व वृद्धजन दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस का थीम जागरूकता से आगे बढ़कर, वृद्धजनों के प्रति दुर्व्यवहार की रोकथाम को प्रभावी बनाना है। अध्यक्ष घनश्याम देवांगन ने कहा कि वृद्धजनों का सम्मान केवल संस्कृति नहीं, बल्कि सभ्य समाज की पहचान है।

वरिष्टजन हमारे समाज की अमूल्य धरोहर एवं अनुभव का अनमोल खजाना हैं। इसलिए उनका सम्मान, सुरक्षा और गरिमामय जीवन सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। संगोष्ठी में हेल्पेज इंडिया के अजय सिंह, डॉ कांतिलाल विश्वकर्मा, प्रोफेसर जयति साहू, दिनेश कुमार गुप्ता, धानेश्वर निर्मल, फूलचंद साहू ने भी विचार व्यक्त किए। उल्लेखनीय कार्य करने के लिए महासंघ अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन, डॉ कांतिलाल विश्वकर्मा, कृष्णराव गूजर, दिनेश गुप्ता, धानेश्वर निर्मल, हुकुमचंद देवांगन, फूलचंद साहू, एस के नंदी, छाया विश्वकर्मा, जयति साहू, तृप्ति नंदी, हेलपेज इंडिया के अजय सिंह, मुकेश कुमार का श्रीफल एवं अंगवस्त्र भेंटकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर योगागुरु तृप्ति नंदी के नेतृत्व में योगा समूह की युवा एवं वरिष्ठ महिलाओं ने अलग-अलग आकर्षक पिरामिड बनाकर वाहवाही लूटी। लोकप्रिय गायक जोसफ, फूलचंद साहू आदि सहित महिला समूह ने संगीतमय सुमधुर गीत प्रस्तुत कर समां बांधा।

समाज इवेंट

पुरुषोत्तम मास के बाद 7 जुलाई तक ही सजेंगे लग्न मंडप, होंगे मांगलिक कार्यक्रम

रायपुर। पुरुषोत्तम मास का प्रभाव 17 जून को खत्म होने के साथ ही शुभ कार्यों पर पौराणिक मान्यताओं के तहत मनाही नहीं रही। अब लोग सीमित मुहूर्त का लाभ लेते हुए गृह प्रवेश, शादी और सगाई जैसी रस्मों को निभा सकेंगे। बरसात की दस्तक के बीच सीमित अतिथि सत्कार करते हुए लोग बेटे-बेटियों का ब्याह रचाने का दायित्व निभाने वाले हैं। पं. मनोज शुक्ला ने बताया कि 19 जून को लोगों ने पहले मुहूर्त में ही लग्न वेदी सजाते हुए वैवाहिक आयोजन किए। इसके बाद 22, 23,26, 27, 28 और 29 जून को भी लोगों ने बेटे-बेटियों का विवाह करना सुनिश्चित किया है। इनके साथ ही कई यजमानों ने शुभ मुहूर्त में सजाई की रस्म निभाने के लिए तिथि भी तय की है। जुलाई में 1, 6 और 7 तारीख को वैवाहिक एवं शुभ कार्यों के लिए अंतिम मुहूर्त होंगे।

चार महीने शुभ कार्यों पर फिर लगेगा विराम

महाराज ने बताया कि 16 जुलाई को गुरु अस्त होंगे। इसके बाद 25 जुलाई को देवशयनी के साथ ही एक बार फिर से चार महीने शुभ कार्यों पर विराम लग जाएगा। रोहित चौहान और गुलशन ने बताया कि अभी रोड लाइट, बैंड, धुमाल और डीजे की बुकिंग सीमित है। बरसात शुरू होने से लोगों ने सादे समारोह में वैवाहिक आयोजनों को प्राथमिकता देना शुरू किया है। इस वजह से ज्यादा बुकिंग भी नहीं मिली है। पारंपरिक तीज-त्योहारों और सामाजिक आयोजनों की वजह से काम मिलते रहते हैं, लेकिन किसी भी तरह के आयोजन को लेकर बुकिंग कराने जैसी स्थिति नहीं है।

योग दिवस को लेकर संस्थानों की तैयारी पूरी, दो दिन पहले से ही योगाभ्यास जारी

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कल, स्वस्थ तन मन के लिए सैकड़ों लोग करेंगे योगाभ्यास

कार्नर न्यूज

रायपुर। विश्व योग दिवस से दो दिवस पूर्व योगगुरु, योग संस्थाएं और योग के विद्यार्थी योगाभ्यास में जुट गए हैं। 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर प्रोटोकॉल के अनुसार सुबह 7 बजे से शहर के विविध संस्थानों, गार्डन, मैदानों पर लोग योगाभ्यास करेंगे। इस साल योग फॉर हेल्दी एजिंग थीम पर बाग बगीचों, स्कूल-कॉलेज कैंपस व विविध सार्वजनिक स्थलों पर योगगुरु 45 मिनट के सत्र में प्रोटोकॉल के मुताबिक हर वर्ग के प्रतिभागियों को उत्कृष्ट एवं लाभकारी योगाभ्यास कराएंगे। इसी कड़ी में योगाचार्य एवं संस्थाएं योग दिवस से पूर्व ही योगाभ्यास प्रशिक्षण शिविर, योग प्रतियोगिताओं का आयोजन शुरू कर दी हैं, ताकि लोगों को अधिकाधिक संख्या में योग से जोड़ा जा सके और उसके लाभ से परिचित कराया जा सके। शहर में ऐसे ही निशुल्क योग प्रशिक्षण शिविर व प्रतियोगिताएं शुरू हो चुकी हैं। सीआरपीएफ मुख्यालय ग्राम भिलाई आरंग में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योगाभ्यास सुबह 6 बजे कार्यालय परिसर में होगा। योगाभ्यास में सीआरपीएफ व स्टाफ भाग लेंगे।

यहां होंगे मुख्य आयोजन

कृषि विवि में सुबह 6 से 7 बजे तक योगाभ्यास

विश्व योग दिवस के दिन सुबह 6 से 7 बजे तक कृषि मंडपम विश्वविद्यालय परिसर में कार्यक्रम आयोजित है। स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने और अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का महत्व बताने योग दिवस से एक दिन पूर्व विश्वविद्यालय परिसर में योगाभ्यास प्रारंभ हो चुका है। इसमें बड़ी संख्या में लोग सुबह योगाभ्यास करने पहुंचे रहे हैं।

योगा एवं मेडिटेशन क्लब रविवि

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के फिजिकल स्टडी डिपार्टमेंट की योगागुरु मेघा श्रीवास्तव ने बताया कि दिवस को लेकर तैयारी पूरी कर ली है। योग दिवस के दिन सुबह 7 बजे से 8 बजे तक योगाभ्यास का कार्यक्रम आयोजित है। योग दिवस पर एमए योग संकाय, एमपीएड, पीबीएड के कुल 180 छात्र-छात्राएं योगाभ्यास में भाग लेंगे। इसके अलावा विश्वविद्यालय के योगा एवं मेडिटेशन क्लब से जुड़े प्रतिभागी भी योग दिवस पर योगाभ्यास में भाग लेंगे।

एनआईटी कैंपस में सुबह 7 बजे से आयोजन

शहर की योगगुरु मंजू शुक्ला ने बताया कि एनआईटी कैंपस में बने डोम में योग कैंप आयोजित किया गया है। यहां विश्व योग दिवस के अवसर पर सुबह 7 बजे से प्रोटोकॉल के मुताबिक 45 मिनट के सत्र में विविध लाभकारी योगाभ्यास प्रतिभागियों को कराया जाएगा। इससे योग दिवस पर नियमित व नए योग प्रशिक्षु अपने तन-मन को स्वस्थ रखने बड़ी संख्या में योगाभ्यास में भाग लेंगे।

प्राथमिक शाला गुमा में सुबह 7 से 9 बजे तक योगाभ्यास

शहर से लगे हुए ग्राम गुमा में आयुष्मान आरोग्य मंदिर व शासकीय आयुर्वेदिक औषधालय तेंदुआ द्वारा 21 जून को सुबह 7 से 9 बजे तक शासकीय प्राथमिक शाला गुमा में आयोजित किया गया है। आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी तेंदुआ डॉ. भुवनेश्वरी भारद्वाज ने बताया कि शिविर में एनीमिया, अम्लपित्त, वातव्याधि, तनाव, मोटापा ,थाईराइड, मधुमेह, उच्च रक्तचाप जैसी समस्याओं के बचाव व नियंत्रण के लिए योग प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अलावा प्रतिभागियों को विभिन्न रोगों के अनुसार योगाभ्यास व आवश्यक परामर्श प्रदान किया जाएगा।

योजनाओं से वंचित लोगों की तलाश में निकलेगी सरकार, शुरू होगा सुघ्घर छत्तीसगढ़ अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार अब उन लोगों तक पहुंचने की तैयारी कर रही है जो सरकारी योजनाओं के पात्र होने के बावजूद किसी कारणवश उनके दायरे से बाहर रह गए हैं। इसी उद्देश्य से राज्य सरकार जल्द ही 'सुघ्घर छत्तीसगढ़' अभियान शुरू करने जा रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोशल मीडिया एक्स पर इसकी घोषणा करते हुए कहा है कि सरकार का लक्ष्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। राज्य सरकार के अनुसार अभियान का फोकस उन पात्र हितग्राहियों की पहचान पर होगा, जो अब तक विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से नहीं जुड़ पाए हैं। इसके लिए प्रशासनिक तंत्र को गांव और वार्ड स्तर तक सक्रिय किया जाएगा तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वित कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि विकसित छत्तीसगढ़ का लक्ष्य केवल आधारभूत ढांचे के निर्माण से हासिल नहीं किया जा सकता।

तकनीक के जरिए होगी निगरानी

'नियद नेल्लानार' मॉडल को राज्यव्यापी स्वरूप

राज्य सरकार का कहना है कि यह अभियान उसकी महत्वाकांक्षी 'नियद नेल्लानार' योजना के अनुभवों पर आधारित होगा। बस्तर और अन्य दूरस्थ क्षेत्रों में इस मॉडल के जरिए सरकारी सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के प्रयास किए गए थे।अब सरकार उसी अवधारणा को व्यापक स्तर पर लागू करना चाहती है ताकि दूरस्थ गांवों से लेकर शहरी गरीब बस्तियों तक पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ दिलाया जा सके। इसके जरिए हजारों गांवों और लाखों परिवारों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है।

तकनीक बनेगी अभियान की सबसे बड़ी ताकत

सरकार इस अभियान को पारंपरिक प्रशासनिक अभियान के बजाय तकनीक आधारित कार्यक्रम के रूप में संचालित करना चाहती है। इसके तहत लाभार्थियों का डिजिटल सत्यापन किया जाएगा, विभिन्न विभागों के डाटा का समन्वय किया जाएगा और सेवा वितरण की रियल-टाइम निगरानी की जाएगी। इसके अलावा अधिकारियों की जवाबदेही तय करने और योजनाओं की प्रगति का नियमित मूल्यांकन करने की व्यवस्था भी प्रस्तावित है। सरकार का मानना है कि तकनीक के उपयोग से योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता बढ़ेगी और पात्र लोगों तक लाभ पहुंचाने की प्रक्रिया तेज होगी।

चार संभागों के 23 जिलों में चलेगा अभियान

यह अभियान रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग और सरगुजा संभाग के 23 जिलों में चलाया जाएगा। इनमें रायपुर, धमतरी, महासमुंद, गरियाबंद, बलौदाबाजार-भाटापारा, दुर्ग, राजनांदगांव, बालोद, कबीरधाम, बेमेतरा, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, बिलासपुर, मुंगेली, जांजगीर-चांपा, कोरबा, रायगढ़, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, सक्ती, सरगुजा, सूरजपुर, बलरामपुर-रामानुजगंज, कोरिया, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर और जशपुर जिले शामिल हैं।

खबर संक्षेप

फार्मेसी रजिस्ट्रार से की मुलाकात

रायपुर। मेडिकल टीम ने रायपुर में फार्मेसी काउंसिल जाकर रजिस्टर अश्विनी गुदेकर से मुलाकात कर उनको बधाई दी। रेनवाल एवं फार्मेसी रजिस्ट्रेशन का काम रुका था, उनके आने से बहुत रफ्तार से काम हो रहा है। मेडिकल टीम में अध्यक्ष मिंटू छाबड़ा, उपाध्यक्ष जीवन साहू, सचिव मुकेश कश्यप, राजेंद्र साहू, राजेंद्र राजपूत, दीपक साहू एवं आदि शामिल रहे।

कलेक्टर ने पाण्डुलिपि संरक्षकों एवं सर्वेयरों को किया सम्मानित

रायपुर। ज्ञान भारतम मिशन हस्तलिखित पांडुलिपि सर्वेक्षण के प्रथम चरण के अंतिम दिन जिले में उत्कृष्ट योगदान देने वाले संरक्षकों एवं सर्वेयरों को कलेक्टर गौरव सिंह ने सम्मानित किया। कलेक्टर ने सर्वेक्षण कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाने वाले सभी संरक्षकों एवं सर्वेयरों की सराहना करते हुए कहा कि जिले की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं बौद्धिक धरोहरों के संरक्षण में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हस्तलिखित पांडुलिपियों का सर्वेक्षण हमारी समृद्ध विरासत को सुरक्षित रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस अवसर पर डॉ. ऋषिराज पांडे, प्रतिमा रश्मि पांडे को सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि ज्ञान भारतम मिशन के अंतर्गत जिले में हस्तलिखित पांडुलिपियों के संरक्षण, दस्तावेजीकरण एवं सर्वेक्षण का कार्य व्यापक स्तर पर किया जा रहा है। प्रथम चरण में प्राप्त उपलब्धियों के आधार पर आगामी द्वितीय चरण में भी इस अभियान को और अधिक गति प्रदान की जाएगी।

मेटल पार्क में धावा ढाई लाख की चोरी

रायपुर। खमतराई थाना क्षेत्र स्थित मेटल पार्क की फैक्ट्री में अज्ञात चोरों ने फैक्ट्री की दीवार फांदकर 2.42 लाख रुपए के कॉपर व ब्रास के कीमती सामान चोरी कर ले गए। कामाख्या इंटरप्राइजेज कंपनी के पर्चेस विभाग के राकेश सिंह ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। दर्ज शिकायत के अनुसार, 11 जून तड़के चोरी हुई की वारदात हुई। शिकायत में बताया गया है कि घटना दिनांक को तड़के 3.57 बजे से 4.04 बजे के बीच दो अज्ञात चोर कंपनी परिसर की दीवार फांदकर अंदर घुसे और स्टोर में रखे कॉपर रोप, ब्रास राउंड और कॉपर प्लेट चोरी कर ले गए।

डीबीटी से 24 सौ करोड़ ट्रांसफर, छग के 11 हजार से ज्यादा युवाओं को नौकरी का प्रोत्साहन

वित्तमंत्री बोले- छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति वित्तीय प्रोत्साहनों को सीधे रोजगार सृजन से जोड़ेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रायपुर

- ईपीएफओ का प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना का राज्य स्तरीय कार्यक्रम

देशव्यापी अभियान के तहत नई दिल्ली के विज्ञान भवन से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअली जुड़कर प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से देशभर के लाभार्थियों के खातों में लगभग 2,400 करोड़ की भारी प्रोत्साहन राशि ट्रांसफर की। नई दिल्ली में आयोजित मुख्य राष्ट्रीय कार्यक्रम के समानांतर राजधानी में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के क्षेत्रीय कार्यालय ने स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में औपचारिक अर्थव्यवस्था में प्रवेश को दर्शाते हुए नव-नियुक्त युवाओं को प्रतीकात्मक रूप से नियुक्ति-पत्र प्रदान किए गए।

एम्स के सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ की 'नई औद्योगिक नीति' वास्तव में 'प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना' के लिए एक एकीकृत 'ऐड-ऑन' के रूप में कार्य करेगी। इस राज्य-विशिष्ट ढांचे के तहत, स्थानीय उद्योगों और नियोक्ताओं को उनके द्वारा सृजित किए जाने वाले रोजगार के अवसरों की संख्या के आधार पर अतिरिक्त राज्य प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद कौशल प्रशिक्षण और व्यावसायिक कौशल की ओर किए गए निर्णायक बदलाव ने उद्योगों को एक अत्यंत सक्षम और रोजगार-तैयार कार्यबल उपलब्ध कराया है। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि पहली बार औपचारिक क्षेत्र में नौकरी पाने वाले युवाओं को कार्यबल में शामिल होने पर महत्वपूर्ण वित्तीय प्रोत्साहन मिल रहा है, वहीं दूसरी ओर नियोक्ताओं को भी अतिरिक्त रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए प्रोत्साहित व पुरस्कृत किया जा रहा है। वाणिज्य उद्योग एवं श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने बताया कि कैसे इस योजना ने श्रम क्षेत्र को औपचारिक रूप देने और कमजोर वर्ग के श्रमिकों को एक विश्वसनीय सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने में सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ ने शुरुआती स्तर पर ही इस योजना के क्रियान्वयन में शानदार सफलता और अनुपालन प्रदर्शित किया है।

दो स्थानों पर अभियान रायपुर भी हिस्सा

रायपुर में आयोजित यह भव्य कार्यक्रम देश भर में एक साथ 200 स्थानों पर चलाए जा रहे समन्वित राष्ट्रव्यापी अभियान का हिस्सा था, जिसमें राज्यपालों, मुख्यमंत्रियों और केंद्रीय मंत्रियों सहित करीब 70,000 शीर्ष स्तर के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और दूरदर्शन के माध्यम से विज्ञान भवन की कार्यवाही का सीधा प्रसारण इन सभी केंद्रों पर किया गया। भारत सरकार की यह प्रमुख 'रोजगार-संबद्ध प्रोत्साहन' (ईएलआई) योजना कुल 99,446 करोड़ के भारी-भरकम बजट के साथ दो साल की अवधि में देश भर में 3.5 करोड़ से अधिक नौकरियां पैदा करने के बड़े लक्ष्य पर काम कर रही है।

अधिकतम 15 हजार प्रोत्साहन राशि

इस योजना का ढांचागत ब्लूप्रिंट दो रणनीतिक हिस्सों में बंटा हुआ है। 'भाग ए' के तहत, 1 लाख प्रति माह तक वेतन पाने वाले और पहली बार नौकरी में आने वाले युवाओं को एक महीने के वेतन के बराबर यानी अधिकतम 15 हजार प्रोत्साहन राशि उनके आधार-लिंक बैंक खातों में दो किश्तों में सीधे दी जाती है। वहीं 'भाग बी ' के तहत, ईपीएफओ में पंजीकृत नियोक्ताओं को हर अतिरिक्त कर्मचारी की भर्ती पर 3 हजदार प्रति माह तक का इंसेंटिव 2 साल के लिए सीधे उनके पैन-लिंक्ड खातों में प्रदान किया जाता है।

उद्योगों से जुड़कर प्राध्यापक करेंगे इंटर्नशिप, ताकि छात्रों को मिले नवीन ज्ञान

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रायपुर

बदलते औद्योगिक परिवेश व नई तकनीकों के दौर में उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ाने वाले शिक्षकों को भी दक्ष बनाया जाएगा। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद ने इसे लेकर इंडस्ट्री फेलोशिप प्रोग्राम की शुरूआत की है। जिसमें उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ाने वाले शिक्षक अब उद्योगों के साथ ही जुड़कर व्यावहारिक अनुभव को हासिल कर सकेंगे। उच्च शिक्षण संस्थानों से जुड़े शिक्षक 25 जून से आवेदन कर सकेंगे। जबकि यह प्रोग्राम 20 जुलाई से शुरू होगा। एआईसीटीई ने यह पहल तब शुरू की है, जब उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ाने वाले अधिकांश शिक्षक ही बदलते औद्योगिक परिवेश और नई तकनीकी से परिचित नहीं है, साथ ही वह उद्योगों की जरूरत से भी वाकिफ नहीं है।

ऐसे में वह छात्रों को अभी भी पुरानी तकनीकों से जुड़ी शिक्षा दे रहे हैं। यही वजह है कि उद्योगों और उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच तालमेल को मजबूत बनाने के लिए क्रम में फेलोशिप प्रोग्राम को शुरू किया है। प्रोग्राम के तहत एआईसीटीई से अनुमोदित संस्थानों के शिक्षक एक वर्ष तक विभिन्न उद्योगों के साथ कार्य करेंगे। प्रोग्राम के तहत चयनित शिक्षकों को प्रत्येक महीने 75 हजार रुपए की फेलोशिप प्रदान की जाएगी, वहीं संबंधित उद्योग न्यूनतम 25,000 रुपए प्रतिमाह का स्टाइपेंड भी देंगे।

इन क्षेत्रों में मदद

फेलोशिप अवधि के दौरान शिक्षक के मूल संस्थान द्वारा वेतन एवं अन्य सुविधाएं पूर्ववत जारी रहेंगी। एआइसीटीई के मुताबिक अब तक उद्योगों की ओर से करीब 134 फेलोशिप के अवसर मुहैया कराए जा चुके हैं। माना जा रहा है कि इस प्रोग्राम का लाभ छात्रों को मिलेगा। यह फेलोशिप एआई, सेमीकंडक्टर, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग, इंडस्ट्री 4.0, स्मार्ट मोबिलिटी, अंतरिक्ष एवं रक्षा, सस्टेनेबिलिटी, हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी, एडवांस्ड मैटेरियल्स, कम्यूनिकेशन सिस्टम्स तथा एग्रोटेक जैसे उभरते और महत्वपूर्ण क्षेत्रों को कवर करेगी।

घटे हैं छात्र

गौरतलब है कि बीते कुछ वर्षों में इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में अध्ययनरत छात्रों की संख्या घटी है। इंजीनियरिंग छात्रों में बेरोजगारी इसकी मुख्य वजह है। इसलिए अब नए प्रयोग किए जा रहे हैं कि ताकि इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम को अपडेट किया जा सके तथा विद्यार्थियों को उचित रोजगार की प्राप्ति हो सके। इसके अनुरुप ही शिक्षकों को भी प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

बिजली बिल वृद्धि एवं स्मार्ट मीटर के विरोध में शिवसेना ने घेरा बिजली दफ्तर

रायपुर। छत्तीसगढ़ शिवसेना प्रमुख धनंजय सिंह के आदेशानुसार प्रदेश में बढ़ती बिजली दरों, स्मार्ट मीटर व्यवस्था, लगातार बिजली कटौती एवं आम जनता की विभिन्न विद्युत समस्याओं के विरोध में शुक्रवार को शिवसेना द्वारा बिजली विभाग के कार्यालय का घेराव किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में शिवसैनिकों एवं आम नागरिकों ने भाग लेकर सरकार और बिजली विभाग के विरुद्ध अपना आक्रोश व्यक्त किया। इस दौरान प्रदेश महासचिव संजय नाग एवं वक्ताओं ने कहा कि प्रदेश की जनता पहले से ही महंगाई की मार झेल रही है, ऐसे में बिजली दरों में की गई वृद्धि आम उपभोक्ताओं, व्यापारियों एवं किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने का कार्य करेगी। शिवसेना ने स्मार्ट मीटर व्यवस्था को जनविरोधी बताते हुए इसे तत्काल बंद करने की मांग की। साथ ही निचली बस्तियों में जर्जर विद्युत तारों को बदलने, अघोषित बिजली कटौती पर रोक लगाने तथा आम जनता को राहत देने की मांग भी उठाई गई।

सरप्लस राज्य में बिजली दर वृद्धि अन्याय

रायपुर। बिजली दर वृद्धि के विरोध में आम आदमी पार्टी ने वितरण कंपनी के एमडी को ज्ञापन दिया। पार्टी नेताओं ने कहा, सरप्लस राज्य में फिर से घरेलू बिजली दरों में वृद्धि करना राज्य के आम उपभोक्ताओं के साथ अन्याय है। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग ने प्रदेश में 1 जुलाई 2026 से घरेलू बिजली दरों में 6.23% की वृद्धि कर दी है, जिससे घरेलू बिजली 20 से 40 पैसे प्रति यूनिट महंगी हो जाएगी। वहीं गैर घरेलू बिजली 30 से 50 पैसे प्रति यूनिट भी बढ़ाई गई है। ज्ञापन देने के दौरान सूरज उपाध्याय, विजय झा,अनुषा जोसेफ, मिहिर कुर्मी आदि शामिल रहे।

कॉलेज में लाइट नहीं, 80% छात्रों के आईडी कार्ड त्रुटिपूर्ण

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रायपुर

शहीद नंदकुमार पटेल शासकीय महाविद्यालय के छात्रों ने मूलभूत सुविधाओं की मांग लेकर शुक्रवार को महाविद्यालय प्रबंधन के खिलाफ प्रदर्शन किया। छात्रों के अनुसार, महाविद्यालय परिसर में सफाई व्यवस्था अत्यंत खराब है। खराब कांचों का ढेर अव्यवस्थित रूप से पड़ा हुआ है, जो विद्यार्थियों एवं जानवरों के लिए भी नुकसानदायक हो सकता है, वहीं महाविद्यालय के आसपास डिस्पोजल, पानी पाउच एवं शराब की बोतलों का ढेर लगा हुआ है, जिसके कारण कक्षाओं में दुर्गंध की समस्या का सामना विद्यार्थियों को करना पड़ रहा है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नेतृत्व में यह प्रदर्शन हुआ, जिसमें महाविद्यालय में अध्ययरत छात्र भी शामिल हुए। छात्रों ने महाविद्यालय प्राचार्य को 6 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंप अपनी समस्याएं गिनाई।

स्नातकोत्तर कक्षाएं प्रारंभ करने की मांग

छात्रों का कहना है, पिछले सत्र में जारी किए गए आईडी कार्ड में लगभग 80 प्रतिशत विद्यार्थियों की जानकारी में त्रुटि सामने आई थी, जिसके कारण कई छात्राओं के मोबाइल नंबर सार्वजनिक रूप से प्रसारित होने की समस्या उत्पन्न हुई। इसके साथ ही महाविद्यालय के आसपास स्ट्रीट लाइट बंद रहने के कारण असामाजिक तत्वों का जमावड़ा बढ़ रहा है, जिससे परिसर का वातावरण प्रभावित हो रहा है। अभाविप ने मांग की कि क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए दूर न जाना पड़े, इसके लिए महाविद्यालय में स्नातकोत्तर स्तर के विषय प्रारंभ किए जाएं। इस दौरान राहुल यादव, भागीरथी साहू, अमन वर्मा,काजल पटेल, यश, भूपेंद्र सहित अभाविप कार्यकर्ता एवं महाविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हॉस्टल से छात्र का लैपटॉप पार

रायपुर। सरस्वती नगर थाने में एनआईटी के एक छात्र ने अज्ञात चोर के खिलाफ लैपटॉप चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। बी-टेक तृतीय वर्ष के छात्र कन्हैया कुमार ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। छात्र ने पुलिस को बताया कि 17 जून की शाम करीब 7 बजे वह अपने कमरे का दरवाजा बंद कर कोचिंग पढ़ाने के लिए मारुति लाइफ स्टाइल कोटा गया था। करीब दो घंटे बाद रात 9 बजे जब वह वापस हॉस्टल पहुंचा और कमरे का दरवाजा खोलकर अंदर गया तो टेबल पर रखा उसका लैपटॉप गायब था। उसने हॉस्टल और आसपास के लोगों से पूछताछ कर लैपटॉप की तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

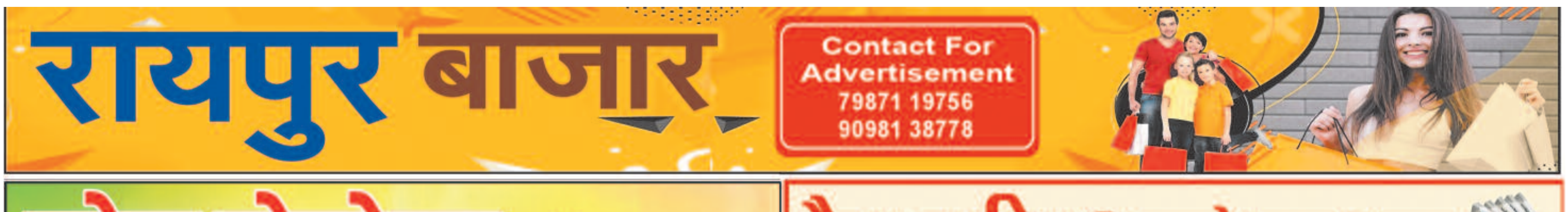

सिटी स्पोर्ट्स

रायपुर जिला मानसून लीग टेबल टेनिस 26 से

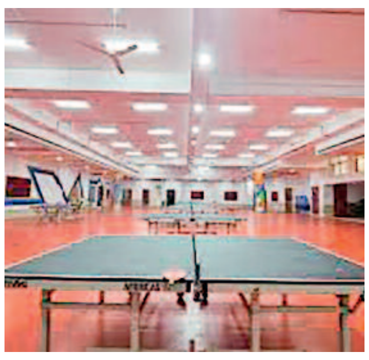

रायपुर। राजधानी टेबल टेनिस संघ, जिला रायपुर द्वारा स्व. श्रीमती रमाबाई काले एवं स्व. श्री रामराव काले स्मृति रायपुर जिला मानसून लीग टेबल टेनिस प्रतियोगिता- 2026र का आयोजन सप्रे शाला टेबल टेनिस हाल, रायपुर में किया जा रहा है। राजधानी टेबल टेनिस संघ, जिला रायपुर के सचिव सार्थक शुक्ला ने बताया कि प्रतियोगिता में 26 से 28 जून तक यूथ अंडर-19 (यूथ) बालक एकल, यूथ अंडर-19 (यूथ) बालिका एकल, यूथ अंडर-15 (सब जूनियर) बालक एकल, यूथ अंडर-15 (सब जूनियर) बालिका एकल एवं यूथ अंडर-11 (होप्स) बालक एकल तथा यूथ अंडर-11 (होप्स) बालिका एकल हेतु कुल मिलाकर 06 वर्गों में प्रतियोगिता होगी। जिसकी प्रविष्टि की अंतिम तिथि 22 जून शाम 07.00 बजे तक है। इसके उपरांत 17 से 19 जुलाई तक सीनियर पुरुष एकल, सीनियर महिला एकल, यूथ अंडर-17 (जूनियर) बालक एकल, यूथ अंडर-17 (जूनियर) बालिका एकल एवं यूथ अंडर-13 (कैडेट) बालक एकल, यूथ अंडर-13 (कैडेट) बालिका एकल हेतु कुल मिलाकर 06 वर्गों में प्रतियोगिता होगी। जिसकी प्रविष्टि की अंतिम तिथि 13 जुलाई शाम 07 बजे तक है। प्रतियोगिता में राजधानी टेबल टेनिस संघ, जिला रायपुर के रजिस्टर्ड खिलाड़ी ही भाग ले सकते हैं।

नेशनल स्केटिंग में छत्तीसगढ़ के क्षितिज की दोहरी सफलता

अण्डा। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जंजगिरी के युवा क्षितिज साहू ने दोहरी सफलता हासिल की है। रोलर स्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा कोलकाता में आयोजित ऑल इंडिया नेशनल स्केटिंग चैंपियनशिप में क्षितिज साहू ने दो रजत पदक जीते हैं। 12 जून से 15 जून तक आयोजित प्रतियोगिता में देशभर के कई राज्यों से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। जहां मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व क्षितिज साहू ने किया। उन्होंने 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की सीनियर पुरुष श्रेणी में भाग लेते हुए 1 लैप रोड स्केटिंग और 1000 मीटर रोड स्केटिंग स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन कर सिल्वर मेडल अपने नाम किया। क्षितिज की इस सफलता से ग्राम जंजगिरी सहित पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। उतई क्षेत्र के भाजपा नेता रोहित साहू के भांजे है। परिजनों ने बताया कि क्षितिज बचपन से ही खेलों के प्रति समर्पित रहे हैं और लगातार मेहनत व अभ्यास के दम पर उन्होंने यह मुकाम हासिल किया है। उनकी इस उपलब्धि से यह साबित होता है कि प्रतिभा किसी बड़े शहर की मोहताज नहीं होती।

खेलो इंडिया सेंटर की बेटी ने बढ़ाया प्रदेश का मान

रायपुर। जिला सूरजपुर के खेलो इंडिया सेंटर हराटिकरा की एक प्रतिभावान बालिका खिलाड़ी का चयन आवासीय खेल अकादमी रायपुर के लिए हुआ है। इस अवसर पर कलेक्टर रेना जमील ने बालिका खिलाड़ी को फुटबॉल भेंट कर सम्मानित किया तथा उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि जिले की बेटियां खेल जगत में नई ऊंचाइयों को छू रही हैं और अपनी उपलब्धियों से अन्य बच्चों को भी प्रेरित कर रही हैं। उन्होंने खिलाड़ी को निरंतर मेहनत, अनुशासन और लगन के साथ आगे बढ़ते हुए राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। उल्लेखनीय है कि खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित खेलो इंडिया सेंटरों के माध्यम से प्रदेश के ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को खोजकर उन्हें व्यवस्थित प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इसके सकारात्मक परिणाम अब सामने आने लगे हैं और युवा खिलाड़ी राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में अपनी पहचान बना रहे हैं। बालिका खिलाड़ी के चयन से जिले में हर्ष का माहौल है।

लंबे समय तक होने वाला तनाव बदल जाता है 'बर्नआउट' में

कार्यस्थल का बार-बार का तनाव आपको बना रहा 'बर्नआउट' का शिकार तो बचने के लिए अपनाएं आसान से जरूरी उपाय

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में मानसिक तनाव होना बहुत आम बात है। ये तनाव बार बार होने लगे और लंबे समय तक होने लगे तो ये बर्नआउट में बदल जाता है। आइए इस लेख में इससे बचने के चार प्रमुख उपायों के बारे में जानते हैं।

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी और वर्कप्लेस पर बढ़ता काम का दबाव, ये दो ऐसी चुनौतियां हैं जो हमें लगातार घेरे रहती हैं। इसी के चलते, बहुत से लोग एक गंभीर समस्या का शिकार हो रहे हैं, जिसे हम 'बर्नआउट' कहते हैं। यह सिर्फ काम का थकान नहीं, बल्कि एक ऐसी मानसिक और शारीरिक थकावट की स्थिति है, जिसमें व्यक्ति खुद को पूरी तरह से खाली और निरुत्साहित महसूस करता है।

क्या होता है बर्नआउट?

बर्नआउट एक गंभीर मानसिक और शारीरिक थकावट की स्थिति है, जो लंबे समय तक काम के अत्यधिक दबाव या तनाव के कारण होती है। बर्नआउट के शिकार व्यक्ति को लगातार तनाव, अत्यधिक थकान और प्रेरणा की सकारात्मक उम्मीद की गहरी कमी महसूस होती है। यह स्थिति न सिर्फ हमारी कार्यक्षमता को प्रभावित करती है, बल्कि धीरे-धीरे हमारे मानसिक स्वास्थ्य और निजी रिश्तों को भी नुकसान पहुंचाने लगती है।

अगर आप भी खुद को लगातार थका हुआ, निराश और अपने काम से कटा हुआ महसूस कर रहे हैं, तो यह समझना जरूरी है कि यह बर्नआउट के संकेत हो सकते हैं। ज्यादातर यह समस्या आपके कार्यस्थल पर काम के दबाव की वजह से होता है। ऐसे में इस समस्या से बचने के लिए कुछ आसान उपाय अपनाकर बर्नआउट से बच सकते हैं। आइए इस लेख में इससे बचने के उपायों के बारे में विस्तार से जानते हैं।

समय प्रबंधन और ब्रेक लें

बर्नआउट का एक बड़ा कारण है अनियोजित कार्य और लगातार काम करना है। इससे बचने का तरीका बहुत सरल है कि आप अपने दिन की शुरुआत प्राथमिकताओं की सूची बनाकर करें। हर 60-90 मिनट में 5-10 मिनट का ब्रेक लें, जिसमें गहरी सांस लें, टहलें, या पानी पिएं। पोमोडोरो तकनीक (25 मिनट काम, 5 मिनट ब्रेक) समय प्रबंधन में मदद करती है। इससे दिमाग हल्का रहता है और तनाव को कम करता है।

वर्क-लाइफ बैलेंस बनाएं

वर्कप्लेस का तनाव तब बढ़ता है, जब निजी और पेशेवर जीवन में संतुलन बिगड़ जाता है। ऑफिस का काम घर न लाएं और निजी समय में परिवार व दोस्तों के साथ समय बिताएं। ऑफिस के बाद डिजिटल डिटॉक्स अपनाएं, यानी मोबाइल और ईमेल से दूरी बनाएं। इस समय में अपने पसंदीदा काम करें जैसे पेंटिंग, बागवानी, या किताब पढ़ना तनाव को कम करते हैं।

शारीरिक गतिविधि और नींद

नियमित व्यायाम, जैसे योग, सैर, या जिम, तनाव हार्मोन कोर्टिसोल को कम करता है और एंडोर्फिन (खुशी का हार्मोन) को बढ़ाता है। रोजाना 30 मिनट की शारीरिक गतिविधि बर्नआउट से बचाने में मदद करती है। साथ ही, 7-8 घंटे की गहरी नींद जरूरी है। सोने से पहले स्क्रीन टाइम कम करें और गुनगुना पानी पीने की आदत डालें।

माइंडफुलनेस और सहायता लें

माइंडफुलनेस तकनीक, जैसे ध्यान, प्राणायाम, या गहरी सांस लेना, दिमाग को शांत रखता है। रोजाना 10 मिनट का ध्यान तनाव को कम करता है। अगर बर्नआउट के लक्षण जैसे चिड़चिड़ापन, उदासी, या थकान बढ़े, तो सहकर्मियों, बॉस, या परिवार से खुलकर बात करें। जरूरत पड़ने पर मनोवैज्ञानिक या काउंसलर की सलाह लें। वर्कप्लेस में तनाव की बात को छिपाने के बजाय समाधान खोजें।

केले के पत्ते में भोग लगाने से पहले जान लें इसके नियम

ऐसे में केले के पत्ते में किन देवी-देवताओं को भोग लगाने से लाभ हो सकता है। इसके बारे में ज्योतिषाचार्य पंडित अरविंद त्रिपाठी से विस्तार से बताया है।

भगवान विष्णु को लगाएं भोग

भगवान विष्णु को केले के पत्ते पर तुलसी, कमल का फूल, और फल रखकर भोग लगाना चाहिए। ऐसा करने से जातक के विवाह में चल रही परेशानियां दूर हो सकती है। साथ ही सुख-समृद्धि का भी आगमन हो सकता है। इसके अलावा दांपत्य जीवन में चल रही समस्याएं दूर हो सकती है। केले के पत्ते में भगवान विष्णु को भोग लगाने से उनकी कृपा बनी रहती है। साथ ही कुंडली में स्थित ग्रहों की स्थिति ठीक हो जाती है।

भगवान गणेश को लगाएं भोग

भगवान गणेश को केले के पत्ते में भोग लगाना चाहिए। ऐसा कहा जाता है कि गणेश जी को केले के पत्ते बेहद प्रिय है। केले के पत्ते में भोग लगाने से जातक को बुध दोष से छुटकारा मिल सकता है। साथ ही जीवन में कभी किसी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता है।

मां लक्ष्मी को लगाएं भोग

माता लक्ष्मी को केले के पत्ते में भोग लगाने से लाभ हो सकता है। ऐसा कहा जाता है कि केले के पत्ते में भोग लगाने से धन-धान्य की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही जातक के जीवन में कभी धन की कमी नहीं होती है। इसके अलावा अगर आपको आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है, तो उससे भी छुटकारा मिल सकता है।

मां दुर्गा को लगाएं भोग

मां आदिशक्ति को केले के पत्ते में भोग लगाएं। ऐसा कहा जाता है कि केले के पत्ते में उन्हें भोग लगाने से जातक को कभी किसी भी चीज की कमी नहीं होती है। इसके अलावा अगर आपके किसी काम में कोई बाधा उत्पन्न हो रही है, तो उससे भी छुटकारा मिल सकता है।

करेले की सब्जी कड़वी हो गई तो अपनाएं ये नुस्खे

अगर करेले की सब्जी पसंद करते हैं लेकिन कड़वापन सहित कुछ न कुछ गलती रह जाती है तो आपको इन टिप्स के बारे में जानना चाहिए, जिनको फॉलो करने के बाद करेले की सब्जी का कड़वापन दूर हो जाएगा।

लगा कर रखें नमक

करेला बनाने से पहले तकरीबन 30 मिनट के लिए करेलों पर अच्छी तरह से नमक लगा दें। नमक में पाए जाने वाले मिनरल्स करेले के कड़वे जूस को हटाने में मदद करेंगे। आप चाहें तो इन्हें नमक के पानी में भिगो कर भी रख सकते हैं। बनाने से पहले इसे अच्छी तरह से धो जरूर लें।

बीजों को हटाएं

करेले के बीजों में काफी कड़वापन पाया जाता है। ऐसे में आप करेला काटते वक्त इसके बीजों को निकाल दें। बीज निकालने के बाद इसका कड़वापन काफी हद तक कम हो जाएगा।

सही से छीलें

करेलों को बनाने से पहले उसे से छील जरूर लें। ऐसा करने से इसका कड़वापन कम हो जाएगा। करेले के छिलके में ही सबसे ज्यादा कड़वापन पाया जाता है। ऐसे में इसका मोटा छिलका उतार लें। आप चाहें तो इसे धूप में सुखाकर भरवां करेला बनाते समय इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर आप करेला बनाने से पहले एक घंटे तक उसे दही में भिगो कर रखेंगे तो इससे भी करेले का कड़वापन काफी हद तक कम हो जाएगा।

अच्छी सेहत के लिए कार्ब्स नहीं, इसकी कीजिए कमी तो दूर होंगी कई बीमारियां

आहार विशेषज्ञ कहते हैं, भोजन को लेकर अक्सर हम सभी कही-सुनी बातों पर ज्यादा भरोसा करते रहते हैं। हमारे शरीर के लिए अन्य पोषक तत्वों की ही तरह से कार्बोहाइड्रेट की भी आवश्यकता होती है। लो फैट वाले खाद्य पदार्थ आपको लंबी आयु दे सकते हैं।

पौष्टिक आहार, शरीर को स्वस्थ बनाए रखने के लिए आवश्यक हैं। इसके लिए स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को हरी सब्जियां और खूब सारे फलों के सेवन की सलाह देते हैं। आमतौर पर फिटनेस के शौकीन लोगों को आहार से कार्ब्स की मात्रा को हटाते हुए भी देखा जाता है, पर क्या कार्बोहाइड्रेट (कार्ब्स) वास्तव में इतने नुकसानदायक हैं? क्या शरीर के वजन बढ़ने और फिटनेस की समस्याओं के लिए कार्ब्स ही जिम्मेदार है? और सबसे बड़ा सवाल क्या सभी लोगों को अपने आहार में कार्ब्स की मात्रा को कम कर लेना चाहिए?

आहार विशेषज्ञ कहते हैं, भोजन को लेकर अक्सर हम सभी कही-सुनी बातों पर ज्यादा भरोसा करते रहते हैं। आहार में कार्बोहाइड्रेट की मात्रा को लेकर भी ऐसा ही है। हमारे शरीर

के लिए अन्य पोषक तत्वों की ही तरह से कार्बोहाइड्रेट की भी आवश्यकता होती है, इसे भोजन से पूरी तरह कम कर देना शरीर के लिए गंभीर समस्याओं का कारण बन सकता है, इतना ही नहीं आहार में कार्ब्स की कमी समय से पहले मृत्यु के खतरे को भी बढ़ाने वाली हो सकती है।

कार्ब्स से ज्यादा नुकसानदायक है फैट

कार्ब्स की अधिकता वाले आहार को वजन बढ़ाने के साथ डायबिटीज-हार्ट की समस्याओं का कारण माना जाता है। असल में कार्बोहाइड्रेट, शरीर को ग्लूकोज प्रदान करते हैं, हालांकि ग्लूकोज की अधिकता कई प्रकार से नुकसानदायक जरूर हो सकती है।

वजन घटाने और हृदय संबंधी लाभ के लिए लो-कार्बोहाइड्रेट और लो फैट डाइट की प्रभावशीलता को जानने के लिए किए गए अध्ययन में शोधकर्ताओं ने बड़ा खुलासा किया है।

जर्नल ऑफ इंटरनल मेडिसिन में प्रकाशित निष्कर्षों में दावा किया गया है कि जो लोग लो-कार्बोहाइड्रेट वाले आहार का अधिक सेवन करते हैं उनमें समय से पहले मौत का खतरा बढ़ सकता है,जबकि लो फैट वाले खाद्य पदार्थ आपको लंबी आयु दे सकते हैं।

अध्ययन में क्या पता चला?

इस अध्ययन में चीन-अमेरिका के विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं की टीम ने 50-71 वर्ष की आयु के 371,159 प्रतिभागियों को शामिल किया गया। करीब 23 साल तक प्रतिभागियों का फॉलोअप किया गया, जिस दौरान इनमें से 165,698 की मौत हो गई। शोधकर्ताओं ने पाया कि जिन प्रतिभागियों के आहार में कार्ब्स की मात्रा बहुत कम थी उनमें मृत्यु दर को 38 प्रतिशत बढ़ा हुआ पाया गया। वहीं लो फैट वाले आहार को अपनाने से समय से पहले मृत्यु के खतरे को 34 फीसदी तक कम किया जा सकता है।

कार्नर न्यूज

शादी के बाद के बदलाव के लिए तैयार करें बेटे को भी

शादी से पहले अपने बेटे को समझाएं कुछ जरूरी बातें, जिससे बहू को ससुराल में कभी न हो दिक्कत

लड़की तो शादी के बाद ससुराल में एडजस्ट करने के लिए मानसिक और व्यवहारिक रूप से तैयार रहती है लेकिन लड़के बदलाव के तैयार नहीं रहते हैं। माता-पिता का कर्तव्य है कि बेटे को कुछ जरूरी बातें समझाएं, ताकि नई बहू को ससुराल में अपनापन महसूस हो।

शादी सिर्फ दो लोगों का नहीं, बल्कि दो परिवारों का बंधन होती है। अक्सर देखा गया है कि नए रिश्तों में तालमेल बैठने में वक्त लगता है। ऐसे में जब माता पिता अपनी बेटी को विदा करते हैं तो उसे ससुराल में कैसे रहना है, एक अच्छी पत्नी और बहू कैसे बनना है, उसके लिए कुछ सबक देते हैं। हालांकि लड़कों को शादी के बाद एक बेहतर पति, दामाद कैसे बनना है, ये आमतौर पर परिवारों में कम ही सिखाया जाता है।

लड़की तो शादी के बाद ससुराल में एडजस्ट करने के लिए मानसिक और व्यवहारिक रूप से तैयार रहती है लेकिन लड़के इस स्थिति के लिए तैयार नहीं हो पाते। शादी से पहले माता-पिता का यह कर्तव्य होता है कि वे अपने बेटे को कुछ जरूरी बातें समझाएं, ताकि नई बहू को ससुराल में अपनापन महसूस हो। बेटे को शादी के पहले मानसिक

रूप से बदलावों के लिए तैयार करें ताकि वह न केवल एक अच्छा पति बन सके, बल्कि एक जिम्मेदार बेटा और दामाद भी। एक समझदार बेटा ही दो परिवारों को जोड़े रख सकता है और बहू को ससुराल को सचमुच 'घर' जैसा महसूस करवा सकता है।

पत्नी का बराबरी का दर्जा

बेटे को सिखाएं कि शादी के बाद पत्नी उसकी जिम्मेदारी ही नहीं, उसकी जीवन संगिनी भी है। उसे घर के हर फैसले में शामिल करें। पत्नी की भावनाओं और राय का सम्मान करें। बहू कोई मेहमान नहीं बल्कि घर का स्थायी हिस्सा है।

पुराने और नए रिश्तों के बीच संतुलन

शादी के बाद बेटा अक्सर मां-पत्नी के बीच उलझ जाता है। उसे समझाएं कि रिश्तों में तुलना नहीं, सामंजस्य जरूरी है। बेटा अगर संतुलन बनाए रखे तो घर में न बहू को दिक्कत होगी और न मां को शिकायत होगी। उसे पहले से ही ऐसी स्थिति के लिए तैयार करें कि हो सकता है कि कभी उसकी पत्नी और मां के बीच कोई मतभेद हो जाए तो उसे ऐसा क्या करना चाहिए ताकि दोनों के मतभेद को कम किया जा सके, न कि किसी एक का साथ दिया जाए।

घरेलू कामों में सहयोग

बेटे को यह बात शादी से पहले ही समझा दें कि घरेलू काम सिर्फ महिलाओं की जिम्मेदारी नहीं है। कभी-कभी छोटी-छोटी चीजों में पत्नी का हाथ बंटाना, उसे भावनात्मक रूप से जोड़ता है और रिश्ते को मजबूत बनाता है। बेटी की तरह बेटे को भी घर के कामों में हाथ बंटाने को कहें ताकि वह पत्नी की मदद करने में झिझक महसूस न करें और घरेलू काम करने की समझ उसमें आ जाए।

बहू के परिवार को अपना बनाएं

बेटे को सिखाएं कि शादी के बाद जैसे बहू उन्हें अपना माता पिता समझकर इस परिवार में रहेगी। वैसे ही बेटा का फर्ज है कि वह अपनी पत्नी के माता-पिता का सम्मान भी उसी तरह करें। बहू के मायके व परिवार वालों को अपना समझे ताकि बहू को ससुराल के सदस्यों को अपनाने में दिक्कत न हो। दोनों परिवारों को एक करना सिर्फ बहू का नहीं, बल्कि बेटे का भी कर्तव्य है।

पति-पत्नी के बीच की बातें निजी होती हैं। बेटे को सिखाएं कि छोटी-छोटी बातों को बाहर बताने या माता-पिता से हर बात शेयर करने से गलतफहमियां बढ़ सकती हैं। एक अच्छे पति की पहचान है कि वह अपने रिश्ते की गरिमा बनाए रखे।